28 नवंबर 2025

शुक्रवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

बक्सर से डुमरांव तक घंटों थमा ट्रैफिक, यूपी सीमा पर ट्रक रोकने से बेकाबू हुआ जाम

2

विदेश में संपत्ति छिपाने वाले 25 हजार से ज्यादा लोग रडार पर

❍ इनकम टैक्स विभाग की लिस्ट तैयार, कसा जायेगा शिकंजा

एजेंसी। नई दिल्ली

अगर आपके पास विदेश मैं संपत्ति है तो इसका खुलासा अपने इनकम टैक्स रिटर्न में जरूर करें। अन्यथा यह काफी महंगा पड़ सकता है। इनकम टैक्स रिटर्न में अपनी विदेशी संपत्ति का खुलासा नहीं करने वाले 25,000 से अधिक टैक्सपेयर्स इन दिनों इनकम टैक्स विभाग के रडार पर है। इसके अलावा डाटा एनालिटिक्स व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के इस्तेमाल से विभाग लगातार भारतीयों की विदेशी संपत्ति का पता लगा रहा है। खासकर दुबई में भारतीयों की तरफ से संपत्ति की खरीदारी पर भी विभाग की खास नजर हैं। विभाग सूत्रों के मुताबिक 28 नवंबर यानी कि शुक्रवार से विदेश में संपत्ति का खुलासा नहीं करने वाले टेक्सपेयर्स को मैसेज व ई-मेल के माध्यम से सावधान किया जाएगा। ताकि ये टैक्सपेयर्स अतिरिक्त टैक्स के साथ अपना रिवाइज्ड आइटीआर भर सके। इस साल के 31 दिसंबर तक रिवाइज्ड आइटीआर भर देने पर ये टैक्सपेयर्स जुमार्ने से बच जाएंगे। विदेशी संपत्ति का खुलासा नहीं करने वाले लोगों को काला धन कानून के तहत 10 लाख रुपए के जुमार्ने के साथ विदेशी संपत्ति के मूल्य का 30 प्रतिशत टैक्स के रूप में और बनने वाले टैक्स की रकम पर

25,000 करदाता आयकर विभाग के रडार पर

पिछले साल से सरकार ने विशेष स्कीम के तहत विदेश में अपनी संपत्ति का खुलासा नहीं करने वाले टैक्सपेयर्स को संदेश के माध्यम से अगाह करने की शुरूआत की है ताकि टैक्सपेयर्स को अपनी गलती सुधारने का मौका मिल सके। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में इस स्कीम के तहत विदेश में संपत्ति रखने वाले 24,678 टैक्सपेयर्स को रिवाइज्ड आईटीआर भरने के लिए संदेश भेजे गए थे। इन लोगों ने 29,208 करोड़ रुपए मूल्य की विदेशी संपत्ति का खुलासा किया। इसके अलावा विदेशी माध्यम से प्राप्त होने वाली 1089 .88 करोड़ रुपए की आय का भी खुलासा किया था। इनकम टैक्स विभाग के मुताबिक इस साल जून तक इस प्रकार के 1080 मामलों में विभाग ने 40,000 करोड़ रुपए टैक्स के रूप में देने के लिए कहा है। दुबई व अन्य जगहों पर स्थित संपत्ति के बारे में अन्य देशों से डाटा आदान-प्रदान के बाद मुंबई, दिल्ली, पुणे जैसे स्थानों पर इनकम टैक्स विभाग की तरफ से सर्च आपरेशन भी चलाए गए हैं। विभागीय सूत्रों का कहना है कि जिन लोगों को अपनी संपत्ति का खुलासा करने के लिए संदेश भेजा जाएगा और फिर भी वे रिवाइज्ट आईटीआर नहीं भरते हैं तो उनके खिलाफ अलग से जांच की आगामी कार्रवाई की जाएगी। आयकर विभाग उन 25,000 से अधिक करदाताओं पर कड़ी नजर रख रहा है जिन्होंने अपनी विदेशी संपत्ति का खुलासा नहीं किया है। डेटा एनालिटिक्स और एआई का उपयोग करके विभाग भारतीयों की विदेशी संपत्ति का पता लगा रहा है, खासकर दुबई में संपत्ति खरीदने वालों पर। 28 नवंबर से करदाताओं को संदेश और ई-मेल से चेतावनी दी

इंश्योरेंस क्लेम की साजिश का भंडाफोड़, शव की जगह पुतला जलाने पहुंचे दो युवक गिरफ्तार

एजेंसी। हापुड

उत्तर प्रदेश के हापुड़ के गढ़मुक्तेश्वर स्थित ब्रजघाट पर चिता पर शव की जगह डमीनुमा पुतला मिलने से हड़कंप मच गया। बताया जाता है कि 50 लाख के कर्ज के बोझ में दबे दिल्ली के कपड़ा व्यापारी ने अपने दोस्त के साथ मिलकर यह साजिश रची थी। गुरुवार कोएक अर्थी ब्रजघाट गंगानगरी के श्मशान घाट पर आई थी। जब दाह संस्कार का समय आया तब 30 साल के युवक के शव की जगह चिता पर डमीनुमा पुतला रखा हुआ मिला। सूचना मिलते ही मौक पर पहुंची पुलिस ने बिना देर किये दोनों युवकों को हिरासत में ले लिया। दोनों की पहचान पालम

दिल्ली थाना क्षेत्र के कैलाशपुरी निवासी कमल सोमानी और उसका दोस्त उत्तम नगर थाना के जैन कॉलोनी का रहने वाला आशीष खुराना के रुप में हुई है। दोनों ने दिल्ली के प्रसाद नगर थाना क्षेत्र के करोल बाग निवासी धर्मराज के पुत्र अंशुल कुमार की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत का बहाना बनाकर शव की जगह डमीनुमा पुतले का दाह संस्कार करने श्मशान घाट पहुंचा था। पुलिस ने यह भी बताया कि जिस युवक की मौत होने की बात कही गयी थी, उसका कपड़े की दुकान है। वह 50 लाख के कर्ज में डूबा हुआ है।

बेघर होने की वजह सीएम नीतीश नहीं, बल्कि तेजस्वी

लालू-राबड़ी को सरकारी बंगले को करना होगा खाली

एजेंसी। पटना

बिहार विधान परिषद में नेता विपक्ष राबड़ी देवी को 10 सर्कुलर रोड़ वाला बंगले को खाली करने का नोटिस मिला है। इसके कुछ समय बाद उन्हें 39 हार्डिंग रोड के बंगले को भी खाली करना होगा। भले ही राबड़ी देवी और लालू यादव अपने 19 साल पुराने बंगले को खाली करने को राजी न हों, भले ही वो राबड़ी देवी के लिए आवंटित हार्डिंग रोड वाले नए बंगले में शिफ्ट होने को राजी न हों। लेकिन इतना तो तय है कि उन्हें न सिर्फ 10 सर्कुलर रोड वाला पुराना बंगला खाली करना पड़ेगा। बल्कि कुछ ही दिनों के अंदर उन्हें नए बंगले 39 हार्डिंग रोड को भी खाली करना पड़ेगा और इसकी वजह न तो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और न ही एनडीए सरकार है, बल्कि इसकी असली वजह उनके बेटे तेजस्वी यादव है।, जिनके दो फैसलों ने उनके माता-पिता का बेघर होना तय कर दिया है। सबसे पहले बात करते हैं कि आखिर जिस 10 सर्कुलर रोड वाले बंगले में लालू-राबड़ी पिछले 19 साल से रह रहे हैं और जहां लालू यादव की सेहत को देखते हुए लिफ्ट तक की व्यवस्था की गई है। उसे उन्हें क्यों खाली करना पड़ रहा है। और क्यों उन्हें जो नोटिस मिला है, उसके जिम्मेदार सिर्फ तेजस्वी यादव हैं। तो इसके पीछे की कहानी ये है कि जब राबड़ी देवी की जगह पर नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने तो पटना के मुख्यमंत्री आवास एक अणे मार्ग को राबड़ी देवी को खाली करना पड़ा।

बढ़ गई लालू परिवार की मुश्किलें

16 जनवरी, 2006 से बतौर पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी 10 सर्कुलर रोड में रहने लगीं और तब से वो वहीं रह रही हैं। लेकिन साल 2015 में जब बिहार में महागठबंधन की सरकार बनी और तेजस्वी यादव उपमुख्यमंत्री बने तो कहानी बदल गई। हुआ ये कि तेजस्वी यादव को बतौर डिप्टी सीएम 5 देशरत्न मार्ग पर बंगला आवंटित हुआ। जब तक महागठबंधन की सरकार रही। कोई दिक्कत नहीं हुई, लेकिन जैसे ही नीतीश कुमार ने पाला बदला और बीजेपी के साथ जाकर एनडीए सरकार के मुख्यमंत्री बन गए। दिक्कत शुरू हो गई। क्योंकि तब बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव नहीं बल्कि सुशील कुमार मोदी बन गए। ऐसे में तेजस्वी यादव को बंगला खाली करने का नोटिस मिल गया। क्योंकि वो बंगला बिहार के उपमुख्यमंत्री के लिए आवंटित था और उपमुख्यमंत्री अब तेजस्वी नहीं सुशील मोदी थे।

पटना हाई कोर्ट ने भी तेजस्वी को दिया आदेश

तब तेजस्वी ने बंगला खाली करने के बजाय अदालत का रास्ता चुना। पटना हाई कोर्ट में केस किया और कहा कि बिहार के जो पूर्व मुख्यमंत्री हैं और जो लोग ऊंचे पदों पर हैं या रहे हैं, उनके घर को लेकर साफ-साफ नियम-कानून होने ही चाहिए. तब ये मुकदमा पटना हाई कोर्ट के तत्कालीन चीफ जस्टिस एपी शाही और जस्टिस अंजना मिश्रा की बेंच में पहुंचा. सुनवाई के बाद हाई कोर्ट ने तेजस्वी यादव को 5 देशरत्न मार्ग का बंगला खाली करने का आदेश दिया और साथ ही साथ नीतीश कुमार ने पूर्व मुख्यमंत्रियों के लिए जो बंगलों की व्यवस्था की थी, उसे भी खारिज कर दिया और कहा कि पूर्व मुख्यमंत्रियों को बंगला देना और दूसरी सुविधाएं देना असंवैधानिक है. फरवरी, 2019 में आए इस फैसले के करीब साढ़े छह साल बाद भी राबड़ी देवी से बंगला खाली नहीं करवाया गया। क्योंकि तब सियासी परिस्थितियां अलग थीं।जिनमें नीतीश कभी तेजस्वी के साथ तो कभी तेजस्वी के खिलाफ रहे। लेकिन अब जब 2025 में एनडीए के पास इतना विशाल बहुमत है।

साइकिल के टायर में छिपा 1.02 करोड़ का सोना जब्त, तस्कर फरार

एजेंसी। कोलकाता

दक्षिण बंगाल सीमांत में भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात बीएसएफ की 119वीं वाहिनी के अंतर्गत सीमा चौकी एमएसपुर के जवानों ने मालदा जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में खुफिया सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में सोने के सात बिस्कुट बरामद किए गए हैं। हालांकि, तस्कर मौके का लाभ उठाकर फरार होने में सफल रहा। जब्त किए गए सोने का कुल वजन 816.41 ग्राम है, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत 1,02,40,230 आंकी गई है। बीएसएफ दक्षिण बंगाल सीमांत के जनसंपर्क अधिकारी के मुताबिक बीएसएफ प्रवक्ता के मुताबिक एमएसपुर सीमा चौकी स्थित बीएसएफ की 119वीं वाहिनी ने खुफिया सूचना पर निगरानी बढ़ा दी और आसपास के इलाकों में विशेष सतर्कता बरती। करीब 3.00 बजे एक संदिग्ध व्यक्ति साइकिल के साथ सीमा की ओर बढ़ता दिखाई दिया। जवानों ने उसे रोककर साइकिल की तलाशी शुरू की। जांच के दौरान साइकिल के आगे वाले टायर में असामान्य फुलाव और कठोरता महसूस हुई, जिससे जवानों को शक पैदा हुआ। जैसे ही जवान टायर की गहन जांच करने लगे, संदिग्ध व्यक्ति मौके का फायदा उठाकर साइकिल वहीं छोड़कर घनी आबादी की दिशा में फरार हो गया। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया गया, लेकिन तस्कर का कोई सुराग नहीं मिला।

एसआईआर अभ्यास के खिलाफ याचिकाओं पर अब दो दिसंबर से सुनवाई

एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कई याचिकाओं की सुनवाई को स्थगित करते हुए अब इसे दो दिसंबर को सुनने का निर्णय लिया। इन याचिकाओं में चुनाव आयोग की ओर से कराए जा रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की सांविधानिक वैधता को चुनौती दी गई है। पहले सुप्रीम कोर्ट ने मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एमडीएमके) के संस्थापक वैको की ओर से दायर याचिका पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा था। वैको ने तमिलनाडु में एसआईआर करने के फैसले को चुनौती दी है। कई अन्य दलों और नेताओं ने भी एसआईआर के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है, इसमें द्रमुक और

अभिनेता से नेता बने विजय की टीवीके भी शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि खनिज संसाधनों को निकालने पर रॉयल्टी से जुड़े मामलों में राज्यों की लंबित याचिकाओं को किस प्रकार सूचीबद्ध किया जाए, इस पर वह जल्द फैसला करेगा। 25 जुलाई 2024 को तत्कालीन चीफ जस्टिस (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली नौ जजों की संविधान पीठ ने 8:1 के बहुमत से फैसला दिया था कि खनिजों पर कर लगाने का अधिकार राज्यों के पास है और खनिजों पर दी जाने रॉयल्टी कर नहीं है।

81 किलोमीटर लंबी रेल लाइन बिछाने के लिए 112 गांवों से ली जाएगी जमीन

यूपी में बनेंगे 11 नए रेलवे स्टेशन

एजेंसी। गोरखपुर

सहजनवा- दोहरीघाट नई रेल लाइन के बीच 11 नए रेलवे स्टेशन बनेंगे। रेलवे प्रशासन ने प्रस्तावित स्टेशनों के निर्माण स्थल को भी चिह्नित कर लिया है। पूर्वोत्तर रेलवे की यह बहुप्रतीक्षित परियोजना तीन चरणों पूरी होगी। प्रथम चरण में सहजनवा से बांसगांव तक 32.95 किमी लंबी रेल लाइन वर्ष 2027 तक बिछ जाएगी। मिट्टी भराई, पुलिया निर्माण आदि के लिए टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। जानकारों

के अनुसार सहजनवा- दोहरीघाट नई रेल लाइन के लिए 112 गांवों की कुल 403.29 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जाना है। इसमें 57.19 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण हो चुका है। शेष 346.1 हेक्टेयर भूमि की अधिग्रहण प्रक्रिया तेजी के साथ चल रही है। प्रथम चरण के लिए सहजनवा से बासगांव के बीच 44.37 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण हो चुका है। शेष 103.29 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण भी अंतिम चरण में है। दूसरे चरण के लिए बांसगांव से बड़हलगंज के बीच 185.78 हेक्टेयर भूमि में 16 हेक्टेयर का 20 ए और ई का प्रकाशन हो चुका है। शेष 74.78 हेक्टेयर भूमि के लिए 20 ए का प्रकाशन कर दिया है। तीसरे चरण के लिए बड़हलगंज से न्यू दोहरीघाट के बीच 12.82 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण हो चुका है। शेष 30.03 हेक्टेयर भूमि के लिए 20 ए का प्रकाशन हुआ है। रेलवे के स्पेशल प्रोजेक्ट में शामिल होने के बाद नई रेल लाइन के निर्माण की प्रक्रिया ने गति पकड़ ली है। सहजनवा-पिपरौली रेलमार्ग पर तिनहरा, बनौडा, बेलवा डाडी आदि गांवों में मिट्टी के कार्य आरंभ हो चुके हैं। दूसरे चरण में बांसगांव से बड़हलगंज तक 36.80 किमी लंबी रेल लाइन बिछाई जाएगी।

महर्षि विश्वामित्र महाविद्यालय में परीक्षा को लेकर बैठक, सुचारु संचालन पर जोर

- **कल से शुरू होगी स्नातक सेमेस्टर पंचम की परीक्षा**

केटी न्यूज/बक्सर

महर्षि विश्वामित्र महाविद्यालय, बक्सर में स्नातक सेमेस्टर पंचम (सत्र 2023-2027) की कल से शुरू होने वाली परीक्षा को सफलतापूर्वक संपन्न कराने को लेकर बुधवार को प्रधानाचार्य कक्ष में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो. कृष्णा कान्त सिंह ने की। बैठक में सभी विभागों के शिक्षक एवं परीक्षा से जुड़े पदाधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में परीक्षा की तैयारियों, पारदर्शिता, अनुशासन और समयबद्धता जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रधानाचार्य प्रो. कृष्णा कान्त सिंह ने कहा कि परीक्षा शिक्षा प्रक्रिया का अहम हिस्सा है, इसलिए विद्यार्थियों को निष्पक्ष एवं सकारात्मक माहौल उपलब्ध कराना महाविद्यालय की प्राथमिकता है। उन्होंने शिक्षकों को निर्देश दिया कि परीक्षा संचालन के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। परीक्षा की सभी तैयारियों को समय पर पूरा करने पर सहमति बनी। प्रत्येक शिक्षक को अपने-अपने परीक्षा कक्ष से संबंधित प्रश्नपत्र एवं अन्य औपचारिकताओं की जिम्मेदारी सौंपी गई। साथ ही परीक्षा नियंत्रण कक्ष की तैयारी, विद्यार्थियों को समय पर सूचना उपलब्ध कराने तथा आवश्यक समन्वय के लिए अलग व्यवस्था सुनिश्चित की गई।

अनुशासन समिति एवं पर्यवेक्षण दल का गठन भी किया गया, जो परीक्षा के दौरान अनुशासन बनाए रखने और सुचारु संचालन पर नजर रखेगा। सभी शिक्षकों ने आश्वासन दिया कि परीक्षा की व्यवस्था महाविद्यालय के मानकों और विश्वविद्यालय के दिशा-निदेशों के अनुरूप की जाएगी।

बैठक में परीक्षा नियंत्रक डॉ. विरेन्द्र कुमार, सहायक परीक्षा नियंत्रक डॉ. पंकज कुमार चौधरी, डॉ. महेंद्र प्रताप सिंह, डॉ. भरत कुमार चौबे, डॉ. योगर्षि राजपूत, डॉ. नवीन शंकर पाठक, डॉ. प्रियरंजन चौबे, डॉ. अनुराग श्रीवास्तव, डॉ. रवि कुमार ठाकुर, डॉ. राकेश कुमार तिवारी, डॉ. जय प्रकाश मिश्रा, डॉ. अर्चना मिश्रा, डॉ. अवनीश कुमार पांडेय, डॉ. प्रीति मोर्या, डॉ. आदित्य सिंह और डॉ. सीमा द्विवेदी सहित कई शिक्षक उपस्थित रहे।

स्कूली बच्चे, एंबुलेंस और आम यात्रियों की फजीहत, डुमरांव बाइपास का निर्माण नहीं होने से बढ़ी मुश्किल

बक्सर से डुमरांव तक घंटों थमा ट्रैफिक, यूपी सीमा पर ट्रक रोकने से बेकाबू हुआ जाम

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिले में ट्रैफिक जाम गुरुवार को चरम पर पहुंच गया। बक्सर से डुमरांव तक ऐसा जाम लगा कि सुबह से दोपहर तक राष्ट्रीय राजमार्ग हो या शहरी सड़कें, हर ओर वाहनों की लंबी कतारें नजर आईं। सबसे अधिक प्रभावित वे स्कूली बच्चे, मरीज और नौकरीपेशा लोग रहे, जिन्हें घंटों तक रास्ते में फंसे रहना पड़ा। हालात इतने गंभीर हो गए कि एंबुलेंस और स्कूल वैन तक जाम में रेंगती रहीं। सूत्रों के मुताबिक, बुधवार की रात से ही यूपी प्रशासन ने वीर कुंवर सिंह सेतु के रास्ते उत्तर प्रदेश में जाने वाले ट्रकों के प्रवेश पर रोक लगा दी थी। यह कार्रवाई क्यों की गई, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई, लेकिन इसका सीधा असर बक्सर और डुमरांव मार्ग पर साफ दिखाई दिया। बता दें कि यूपी-बिहार सीमा से रोजाना हजारों ट्रक गुजरते हैं। इनमें सर्वाधिक संख्या बालू लदे ट्रकों की रहती है। ट्रकों पर अचानक लगी रोक के कारण एनएच 922 और डुमरांव-बिक्रमगंज पथ पर बुधवार देर रात से ही ट्रकों की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गईं, जो गुरुवार सुबह होते-होते कई किलोमीटर तक फैल गईं।

एंबुलेंस और स्कूल वैन फंसी, यात्रियों ने जताई नाराजगी

ट्रकों की एक के पीछे एक लगी लंबी लाइन का असर स्थानीय यातायात पर भी पड़ा। सुबह के समय जब स्कूली वाहन, एंबुलेंस और ऑफिस जाने वाले लोग सड़क पर निकले तो उन्हें रेंगते हुए आगे बढ़ना पड़ा। कई महत्वपूर्ण मोड़, तिराहे और चौराहे जाम की चपेट में रहे।

डुमरांव में पुराना भोजपुर अंडरपास तक ट्रकों की एक ही लाइन खड़ी रही। एनएच-922 पर भी हालात बेहद खराब रहे। जिसके कारण छोटे वाहनों की रफ्तार पूरी तरह थम गई। लोगों का कहना है कि रोज-रोज लगने वाले जाम से बच्चे समय पर स्कूल नहीं पहुंच पा रहे हैं। सुबह का 15 मिनट का सफर एक-एक घंटे में तय हो रहा है। प्रशासन सिर्फ देखने में लगा रहता है। इसी प्रकार, कार्यालय जाने वाले कई कर्मचारियों ने बताया कि वे रोजाना जाम में फंसकर देर से पहुंचते हैं और परेशानी बढ़ती जा रही है।

जाम का असर शहरी क्षेत्र में भी फैल गया

ट्रकों के दबाव के कारण बक्सर और डुमरांव के अंदरूनी इलाके भी जाम की चपेट में आ गए। मुख्य सड़क से लेकर लिंक रोड तक गाड़ियां तेजी से सरक नहीं पा रही थीं। कई जगहों पर दोपहिया वाहन सवारों को किनारे से निकालने के लिए ट्रैफिक पुलिस तक संघर्ष करती दिखी। डुमरांव स्टेशन जाने वाले यात्रियों के लिए स्थिति और भी विकट रही। ट्रेन पकड़ने पहुंचे कई लोग जाम में फंसने के कारण समय पर प्लेटफॉर्म तक नहीं पहुंच सके।

लोग बोले, जाम रोज की समस्या बन चुकी है, प्रशासन स्थायी समाधान दे

स्थानीय लोगों का कहना है कि जाम अब अपवाद नहीं, बल्कि रोजमर्रा की परेशानी बन गया है। ट्रकों की बढ़ती संख्या और स्थानीय मार्गों की क्षमता से ज्यादा दबाव के कारण यह समस्या लगातार गहराती जा रही है। लोगों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि जाम का स्थायी समाधान तलाशने की जरूरत है। हर बार ट्रैफिक बढ़ता है और प्रशासन कुछ समय के लिए सक्रिय होता है, फिर वही स्थिति लौट आती है।

दो साल से अधूरा डुमरांव बाइपास निर्माण भी बड़ी वजह

डुमरांव में पिछले दो वर्षों से बाइपास सड़क का निर्माण अधूरा पड़ा है। इस कारण शहर के भीतर भारी वाहनों को गुजरना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि बाइपास बनकर तैयार हो जाता, तो इतना भीषण जाम शायद कभी नहीं लगता। हालांकि अधिकारियों ने कई बार प्रोजेक्ट को जल्द पूरा कराने का आश्वासन दिया है, लेकिन जमीन अधिग्रहण और तकनीकी अनुमोदन जैसी प्रक्रियाओं में देरी के चलते काम आगे नहीं बढ़ पा रहा है।

जाम के कई घंटों तक जारी रहने के बावजूद गुरुवार को ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार के लिए प्रशासन की ओर से किसी बड़ी कार्रवाई का पता नहीं चला। स्थानीय लोग सवाल उठा रहे हैं कि यूपी प्रशासन के फैसले की जानकारी पहले ही मिल जाती तो बक्सर जिला प्रशासन वैकल्पिक प्रबंधन कर स्थिति को संभाल सकता था।

डुमरांव ग्रिड में शीतकालीन मेंटेनेंस, कई क्षेत्रों में तीन घंटे रहेगी बिजली कटौती

केटी न्यूज/डुमरांव

शीतकालीन तैयारी को गति देने के लिए बिजली विभाग शुक्रवार को डुमरांव ग्रिड उपकेंद्र की 33 केवी हाफ मेन बस लाइन पर मेंटेनेंस कार्य करेगा। तकनीकी सुरक्षा और उपकरणों की मजबूती को ध्यान में रखते हुए विभाग ने इसे अस्थायी रूप से बंद रखने का निर्णय लिया है। निर्धारित जानकारी के अनुसार यह कार्य प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलेगा, जिसके दौरान संबंधित फीडरों पर पावर सप्लाई बाधित रहेगी।

ग्रिड से जुड़े मुरार, केसठ, नवानगर, डुमरांव, ब्रह्मपुर और चक्की 33 केवी फीडर तक बिजली आपूर्ति इस अवधि में उपलब्ध नहीं होगी। इससे इन क्षेत्रों के उपभोक्ताओं को करीब तीन घंटे की कटौती का सामना करना पड़ेगा। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि मेंटेनेंस के दौरान लाइन, ट्रांसफॉर्मर व अन्य उपकरणों की विस्तृत जांच की जाएगी, ताकि ठंड के मौसम में बिजली का लोड बढ़ने पर किसी तरह की तकनीकी समस्या उत्पन्न न हो। सहायक विद्युत अभियंता अर्जुन वर्मा ने बताया कि यह कार्य नियमित रखरखाव प्रक्रिया का हिस्सा है और इसका उद्देश्य आपूर्ति प्रणाली को बेहतर बनाना है। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की कि वे निर्धारित समय से पूर्व आवश्यक कार्य निपटा लें, ताकि बिजली बंदी के दौरान असुविधा कम से कम हो। साथ ही उन्होंने सहयोग के लिए उपभोक्ताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि मेंटेनेंस के ये प्रयास आने वाले महीनों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में सहायक सिद्ध होंगे।

नो-इंट्री उल्लंघन रोकने के लिए नया भोजपुर थाना की कड़ी पहल, अंडरपास पर पुलिसकर्मियों की तैनाती

केटी न्यूज/डुमरांव

नया भोजपुर थाने की पुलिस ने शहर में लागू नो-इंट्री नियमों का सख्ती से पालन कराने के उद्देश्य से प्रभावी कदम उठाया है। लगातार मिल रही शिकायतों के अनुसार भारी वाहन निर्धारित समय से पहले ही शहर में प्रवेश कर जा रहे थे, जिसके कारण विशेषकर डुमरांव बाजार क्षेत्र में जाम की गंभीर समस्या उत्पन्न हो रही थी। इसी परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने पुराना भोजपुर अंडरपास के पास दो पुलिसकर्मियों की विशेष ड्यूटी लगाई है। इस व्यवस्था के तहत सिपाही जितेंद्र कुमार और छोटेलाल को प्रतिदिन रात 10 बजे से पहले किसी भी ट्रक, ट्रेलर या अन्य भारी वाहन

को शहर की सीमा में प्रवेश करने से रोकने की जिम्मेदारी दी गई है। पुलिस का कहना है कि नो-इंट्री लागू होने के बावजूद कई चालक नियमों की अनदेखी कर प्रतिबंधित समय में भी बड़े वाहनों को अंडरपास से शहर में ले आते थे, जिससे जाम के साथ-साथ सड़क दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ जाती थी। स्थानीय लोग लंबे समय से इस समस्या से परेशान थे और पुलिस को लगातार शिकायतें भी मिल रही थीं। हाल ही में नो-इंट्री उल्लंघन करने वाले कई वाहनों पर कार्रवाई करते हुए लगभग 60 हजार रुपये का चालान भी वसूला गया था, लेकिन इसके बावजूद स्थिति में पूरी तरह सुधार नहीं आया। ऐसे में अंडरपास पर अतिरिक्त निगरानी की आवश्यकता महसूस की गई। थानाध्यक्ष ने बताया कि नई व्यवस्था से न सिर्फ नियमों का पालन कराने में मदद मिलेगी, बल्कि शहर की यातायात व्यवस्था भी सुव्यवस्थित होगी। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि कल से अब तक कुल 30 वाहनों पर कार्रवाई करते हुए लगभग डेढ़ लाख रुपये का जुमार्ना वसूला गया है, जो पुलिस की कड़ी कार्रवाई का परिणाम है। नया भोजपुर थाना की इस पहल की स्थानीय नागरिकों ने सराहना की है। लोगों का कहना है कि अंडरपास पर पुलिसकर्मियों की तैनाती से जहां जाम की समस्या में कमी आएगी, वहीं भारी वाहनों के मनमाने प्रवेश पर भी रोक लग सकेगी। इससे सड़क सुरक्षा में सुधार होगा और दुर्घटनाओं की संभावनाएं कम होंगी। पुलिस का यह कदम शहर में यातायात को सुचारू और सुरक्षित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है।

डुमरांव में तीन दिवसीय गैर आवासीय समावेशी शिक्षा प्रशिक्षण सम्पन्न

- **शिक्षकों ने चार्ट के माध्यम से दी प्रभावशाली प्रस्तुति**

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय कन्या मध्य विद्यालय एवं महाजनी मध्य विद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय गैर आवासीय समावेशी शिक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हो गया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य विद्यालयों में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को समुचित शिक्षा प्रदान करने हेतु शिक्षक-शिक्षिकाओं को समावेशी शिक्षा के आधुनिक तरीकों से प्रशिक्षित करना था। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर शिक्षकों ने चार्ट पेपर के माध्यम से अपनी-अपनी बेहतरीन शैक्षणिक प्रस्तुतियां दीं, जिसकी सभी ने भूरी-भूरी प्रशंसा की।

महाजनी मध्य विद्यालय में आयोजित प्रशिक्षण सत्र में प्रशिक्षक के रूप में ज्योति कुमारी एवं अरूण चौबे ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं कन्या मध्य विद्यालय में प्रशिक्षक के रूप में जयप्रकाश सिंह एवं राहुल कुमार ने प्रशिक्षण दिया। सभी प्रशिक्षकों ने समावेशी शिक्षा की अवधारणा, विशेष बच्चों की पहचान, उनकी मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं, पाठ्यक्रम में उचित संशोधन, कक्षा प्रबंधन और व्यवहारिक शिक्षण विधियों पर विस्तार से जानकारी दी।

प्रशिक्षकों ने बताया कि समावेशी शिक्षा का उद्देश्य समाज के हर बच्चे को समान अवसर देना है, ताकि शारीरिक, मानसिक या सामाजिक किसी भी प्रकार की बाधा शिक्षा में रुकावट न बने। यह केवल एक सरकारी योजना नहीं बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी है, जिसमें शिक्षकों की भूमिका सबसे अहम होती है।

प्रशिक्षण के सफल संचालन में महाजनी मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक शैलेन्द्र पांडेय एवं कन्या मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक कमलेश सिंह की भूमिका भी काफी सराहनीय रही। दोनों प्रधानाध्यापकों ने प्रशिक्षण से जुड़ी सभी शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं को बेहतर ढंग से संभाला और शिक्षकों को पूरे मनोयोग से प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

कन्या मध्य विद्यालय में आयोजित प्रशिक्षण में लगभग 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इनमें प्रमुख रूप से नंदा कुमारी, अनिता यादव (राजकीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित), सपना कुमारी, मधु, किरण, दिलीप कुमार, सतेन्द्र कुमार, संजय कुमार, मो. सनौवर आलम, दिवाकर, सनौवर आलम सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं। सभी प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण के प्रत्येक सत्र में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

समापन सत्र के दौरान शिक्षकों ने चार्ट पेपर के माध्यम से विशेष बच्चों की पहचान, कक्षा में समावेशी वातावरण का निर्माण, व्यक्तिगत शिक्षण योजना (आईईपी), व्यवहार प्रबंधन और सहयोगी शिक्षण जैसे विषयों पर आकर्षक एवं उपयोगी प्रस्तुतियां दीं। प्रस्तुति के माध्यम से यह स्पष्ट रूप से दिखाई दिया कि शिक्षक प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान को अपने विद्यालय में व्यवहारिक रूप से लागू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

इस अवसर पर प्रशिक्षकों ने कहा कि यदि शिक्षक संवेदनशीलता और समर्पण के साथ कार्य करें तो कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहेगा। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

सभी शिक्षकों ने इस प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे उन्हें विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को समझने और उन्हें बेहतर ढंग से पढ़ाने में काफी मदद मिलेगी। इस प्रशिक्षण से क्षेत्र में समावेशी शिक्षा को मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। शिक्षको द्वारा चार्ट पेपर पर सभी दिव्यांगता को दशार्ते हुये समूह प्रस्तुति की गई, प्रशिक्षको द्वारा आनंददायी बातावरण में प्रशिक्षण दिया गया।

एक नजर

नई सरकार आने के बाद एनजीओ ने शहर के भीतर डम्प कूड़े का उठाव किया शुरू

डुमरांव। बिहार विधान सभा चुनाव में नगर परिषद की सफाई व्यवस्था चरमरा गई थी। सफाई व्यवस्था केवल मुख्य सड़कों तक ही सिमट कर रह गया था। ऐसे में नगर परिषद जमकर खिल्ली उड़ रही थी। इतना ही नहीं सफाई सही नहीं होने की शिकायत नवनिर्मि विधायक राहुल कुमार सिंह के पास पहुंची तब नप के अधिकारी सक्रीय हुए। इधर हो रहे बदनामी को देखते हुए कार्यवाहक चेयरमैन सह उप चेयरमैन विकास ठाकुर भी इसमें अपनी सक्रियता दिखाई और डम्प कूड़े का उठाव करने के लिये एनजीओ पर जोर दिया, फिर गुरूवार को उसका उठाव शुरू हुआ। सफाई एनजीओ के मनमानापूर्ण कार्य किये जाने को लेकर नगरवासियों में काफी आक्रोश है। इनका कहना है की सफाई के नाम पर लगभग 90 लाख प्रतिमाह खर्च होता है, लेकिन जिस दिन कार्य नहीं होता उस दिन की मजदूरी काटकार भुगतान होना चाहिए। एनजीओ कितने मजदूर से काम कराता है, इसका भी कोई लेखा जोखा नही है। इस संबंध में कार्यवाहर चेयरमैन का कहना है कि अब सफाई तीन शिफ्ट में होगा। पहला शिफ्ट सुबह 5 बजे तक 12 बजे दिन तक, फिर 1 बजे अपराह्न से 6 बजे तक शहर की सफाई होगी। वहीं संध्या 4 बजे से रात्रि 10 बजे तक सफाई किया जाएगा। हर शिफ्ट में अलग-अलग मजदूरों से काम लिया जाएगा। इसके लिये सफाई जमादार को पूरी जिम्मेवारी दी गई है, कहीं से शिकायत मिलती है तो उन्ही से स्पष्टीकरण पूछा जाएगा। नप के द्वारा सफाई का रूटीन बन जाने से नगरवासियों में काफी खुशी है। हालांकि उनका यह भी कहना है कि जो सफाई का रूटीन बना है, इस पर नप कितना अमल कर पाता है, इसकी सारी सच्चाई सामने आ जाएगी।

सौरी-रोहीणिभान पथ हुआ जर्जर, हर रोज बढ़ रहा हादसों का खतरा

राजपुर। क्षेत्र का महत्वपूर्ण सौरी-रोहीणिभान पथ इन दिनों विकास योजनाओं की पोल खोलते हुए लोगों के लिए मुसीबत का सबब बन गया है। जगह-जगह बने गड्ढों में जल जमाव के कारण सड़क का अधिकांश हिस्सा खराब हो चुका है, जिससे हर दिन दुर्घटना की आशंका और भी बढ़ती जा रही है। बिहार और उत्तर प्रदेश को जोड़ने वाला यह मार्ग प्रतिदिन सैकड़ों वाहनों की आवाजाही झेलता है, लेकिन सड़क की स्थिति ऐसी है कि किसी भी वक्त बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्ष 2021 में मुख्यमंत्री ग्राम्य सड़क योजना के तहत करीब 69 लाख की लागत से इस सड़क का निर्माण हुआ था, लेकिन निर्माण के बाद से आज तक इसकी कोई भी मरम्मत नहीं हुई। और तो और, सड़क के किनारे नाली तक नहीं बनाई गई, जिसके कारण घरों का गंदा पानी सीधे सड़क पर फैलता है और सालभर जल जमाव की स्थिति बनी रहती है। पानी का यह स्थायी प्रवाह सड़क की मजबूती को खत्म कर रहा है और ग्रामीणों के लिए रोजमर्रा की परेशानी बन चुका है। स्थानीय ग्रामीण वशिष्ठ राजभर, रामेश्वर राजभर, केशनाथ राजभर, जंग बहादुर राजभर, रमाकांत राजभर, गोपाल राजभर सहित कई लोगों ने बताया कि जल जमाव के कारण बच्चों का स्कूल जाना मुश्किल हो जाता है, वहीं सड़क किनारे रहने वाले परिवार गंदे पानी के छींटों से परेशान हैं। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि चुनावी मौसम में जनप्रतिनिधियों का इस मार्ग से आना-जाना बढ़ गया है, लेकिन किसी ने भी समस्या समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
SKIN SPECIALIST
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉंव

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएंः
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

छह माह में सड़क टूटने की खबर छपी तो जागा नप प्रशासन, कराएगी जांच

- **मरम्मत और कार्रवाई की तैयारी तेज, वार्ड 12 के लोगों में उम्मीद की जगी लौ**

केटी न्यूज/डुमरांव

वार्ड संख्या 12 में महज छह माह पहले बनी सड़क का अचानक ध्वस्त हो जाना स्थानीय लोगों के लिए तो परेशानी का सबब था ही, लेकिन मीडिया में मामला उठते ही नगर परिषद प्रशासन की नींद भी टूट गई। केशव टाइम्स ने इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। जिसके बाद पूरा प्रशासन हरकत में आ गया और सड़क निर्माण कार्य को लेकर अब सख्त जांच और संभावित कार्रवाई की तैयारी शुरू हो गई है। कार्यपालक पदाधिकारी राहुल धर दुबे ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कनीय अभियंता को मौके पर भेजने का निर्देश दिया। ईओ ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इस मामले में किसी भी तरह की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अभियंता को निर्माण एग्रीमेंट, सामग्री की गुणवत्ता, कार्य के मानक और तकनीकी प्रक्रिया, हर पहलू की गहराई से जांच करने का आदेश दिया है। साथ ही दोषी ठेकेदार को जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत कराने का निर्देश भी जारी किया गया है। ईओ राहुल धर दुबे ने केशव टाइम्स से बातचीत में बताया कि यह सिर्फ एक सड़क का मामला नहीं, बल्कि जनता की सुरक्षा और विकास कार्यों की विश्वसनीयता से जुड़ा मुद्दा है। उन्होंने कहा कि अखबार में खबर आते ही इसे शीर्ष प्राथमिकता में रखा गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होते ही मरम्मत कार्य तेजी से शुरू कराया जाएगा ताकि लोगों को राहत मिल सके। स्थानीय निवासियों की मानें तो सड़क बनने के कुछ ही महीनों बाद दरारें दिखाई देने लगी थीं। धीरे-धीरे स्थिति इतनी बदतर हो गई कि सड़क पर चलना तक मुश्किल हो गया था। बारिश के दौरान फिसलन के कारण दुर्घटना की आशंका हमेशा बनी रहती थी। लोगों ने मीडिया के माध्यम से अपनी आवाज उठने पर राहत महसूस की और ईओ के त्वरित एक्शन की सराहना की। उनका कहना है कि यदि प्रशासन इसी तरह सजग रहा तो वार्ड-12 की सड़क फिर से सुगम होगी और लंबे समय से चली आ रही परेशानी का अंत होगा। नगर परिषद की तत्परता ने लोगों में एक नई उम्मीद जगाई है कि दोषियों पर कार्रवाई भी होगी और भविष्य में ऐसी लापरवाहियों पर रोक लगेगी।

एक नजर

चार महीने बाद बरामद हुई डुमरांव से गायब हुई किशोरी, आरोपित गिरफ्तार

डुमरांव। डुमरांव के एक मोहल्ले से 3 जुलाई को गायब हुई किशोरी को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है। पुलिस उसके प्रेमी सह कथित अपहर्ता को भी गिरफ्तार किया है। इस संबंध में किशोरी की मां ने दक्षिण टोला मोहल्ले के हिमांशु कुमार पिता अरूण साह पर अपनी पुत्री को शादी की नियत से अपहत करने का आरोप लगा एफआईआर दर्ज कराई थी। पुलिस ने तकनीकी अनुसंधान व मोबाइल सर्विलांस के आधार पर दोनों को बरामद करने में सफलता पाई है। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने बताया कि दोनों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। इस मामले में कोर्ट के आदेश के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

138 लीटर विदेशी शराब समेत तीन तस्कर गिरफ्तार

चक्की। चक्की थाने की पुलिस ने बुधवार की शाम गुप्त सूचना पर एक बड़ी कार्रवाई करते हुए विदेशी शराब की भारी खेप के साथ तीन तस्करों को दबोच लिया। जानकारी के अनुसार बुधवार की देर शाम विशेश्वर डेरा मुख्य सड़क पर नाकेबंदी के दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध कार को रोका। तलाशी में एट पीएम ब्रांड के 16 कार्टून मिले, जिनमें 768 पीस विदेशी शराब बरामद की गई। बरामद मात्रा 138.24 लीटर बताई गई है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान नावानगर निवासी रितीक रंजन सिंह, नवनीत कुमार और रौनक कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार ये तीनों यूपी से शराब लाकर बिहार में खपाने की तैयारी में थे। सूचना मिलते ही टीम ने बिना देर किए जाल बिछाया और कार को घेरकर पूरी खेप समेत तस्करों को पकड़ लिया।

पाइप बिछाने के बाद छोड़े गड्ढे बने मुसीबत ग्रामीणों ने बीडीओ, एसडीओ से की शिकायत

चौसा। चौसा महादेवा घाट के समीप सड़क किनारे खोदे गए गड्ढे इन दिनों स्थानीय लोगों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बने हुए हैं। चौसा थर्मल प्लांट को पानी आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिए निर्माण कंपनी द्वारा पाइपलाइन बिछाने का कार्य किया गया था। इस दौरान कई स्थानों पर नाले भी टूट गए। कंपनी ने आश्वासन दिया था कि बरसात के बाद सभी गड्ढों को भरकर सड़क और नालों की मरम्मत कर दी जाएगी, लेकिन बारिश खत्म हुए काफी समय बीत जाने के बाद भी कार्य अधूरा ही पड़ा है। बरसात के दौरान गड्ढों में पानी भर जाने से सड़क बेहद खतरनाक हो गई है। इसी रास्ते के पार मुस्लिम समुदाय का कब्रिस्तान स्थित है, जिससे लोगों का आवागमन प्रभावित हो रहा है। हाल ही में मिट्टी ले जाने के दौरान ग्रामीणों को सड़क पर गिरे बिजली पोल के सहारे रास्ता बनाकर गुजरना पड़ा। स्थानीय बीडीसी सदस्य बबन यादव ने भी बताया कि एल एंड टी कंपनी ने खुदाई के बाद गड्ढे भरने का वादा किया था, परंतु अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। समस्या बढ़ने पर ग्रामीणों का धैर्य जवाब दे गया और उन्होंने बीडीओ मनोज कुमार एवं एसडीओ अविनाश कुमार से मिलकर गड्ढों व टूटे नालों की तत्काल मरम्मत की मांग की। इस संबंध में बीडीओ मनोज कुमार ने कहा कि निर्माण कंपनी से बातचीत कर जल्द ही सभी गड्ढों और नालों की मरम्मत कराई जाएगी, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

ट्रक से 947 पेटी शराब जब्त, चालक-खलासी गिरफ्तार, उत्पाद विभाग के साथ पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

नावानगर में एक करोड़ रूपये की अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप बरामद

केटी न्यूज/नावानगर

नावानगर पुलिस ने गुरुवार की सुबह शराब तस्करी के खिलाफ एक बड़ी सफलता दर्ज की है। उत्पाद विभाग के साथ संयुक्त अभियान चलाते हुए पुलिस ने परमानपुर स्थित एक लाइन होटल के पास से अंग्रेजी शराब से लदा एक ट्रक बरामद किया। इस ट्रक में इतनी बड़ी मात्रा में शराब भरी हुई थी कि पुलिस और उत्पाद विभाग की टीम भी दंग रह गई। मौके से हरियाणा के रहने वाले ट्रक चालक अमन और खलासी कौशल को गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों से पूछताछ जारी है।

सूत्रों के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक ट्रक विभिन्न ब्रांडों की अवैध अंग्रेजी शराब लेकर नावानगर होते हुए बिहार के अंदरूनी क्षेत्र में सप्लाई करने की कोशिश में है। सूचना मिलते ही नावानगर थानाध्यक्ष कुसुम कुमार केशरी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने उत्पाद विभाग के साथ मिलकर उक्त स्थान पर निगरानी बढ़ाई। इसी दौरान एक संदिग्ध ट्रक को रोककर जांच की गई। तलाशी के दौरान ट्रक के अंदर अंग्रेजी शराब की भारी खेप बरामद हुई।

पुलिस ने बताया कि जब्त ट्रक में कुल 947 पेटी अंग्रेजी शराब लदी हुई थी। इसमें कुल 8488 लीटर शराब शामिल है।

बरामद शराब में 750 एमएल के कुल 5868 लीटर, 350 एमएल के कुल 1791 लीटर, 180 एमएल के कुल 829 लीटर शामिल है। इसकी बाजार में कीमत एक करोड़ रूपए के आस पास आंकी जा रही है।

बरामद सभी कार्टनों में प्रीमियम ब्लू और रॉयल स्टेट ब्रांड की शराब पाई गई है। प्रारंभिक जांच में यह पता चला है कि यह खेप हरियाणा से बिहार में अवैध खपत के लिए लाई जा रही थी। हालांकि चालक अमन और खलासी कौशल यह बताने में असमर्थ रहे कि यह शराब किसे और कहां सप्लाई की जानी थी। पुलिस को शक है कि इस खेप के तार किसी बड़े तस्करी गिरोह से जुड़े हो सकते हैं।

थानाध्यक्ष कुसुम कुमार केशरी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि पुलिस और उत्पाद विभाग लंबे समय से इस क्षेत्र में सक्रिय तस्करों पर नजर बनाए हुए थे। संयुक्त कार्रवाई के तहत जैसे ही ट्रक की तलाशी ली गई, शराब की भारी मात्रा देखकर टीम भी हैरान रह गई। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और उनसे पूछताछ में कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिलने की उम्मीद है।

पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है और पूरे मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। जांच में यह भी पता लगाया जा रहा है कि इस तस्करी के पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं, ट्रक का वास्तविक मालिक कौन है और शराब की आपूर्ति किस नेटवर्क के जरिए बिहार पहुंचाई जानी थी। इस कार्रवाई के बाद अवैध शराब कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया है। क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता को लेकर तस्कर सतर्क हो गए हैं।

नावानगर पुलिस और उत्पाद विभाग की इस संयुक्त सफलता को अवैध शराब के खिलाफ बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। पुलिस का कहना है कि आने वाले दिनों में भी ऐसे अभियानों को और तेज किया जाएगा, ताकि तस्करी की हर कड़ी को तोड़कर इस अवैध कारोबार को जड़ से खत्म किया जा सके।

नेपाल के युवक की संदेहास्पद स्थिति में मौत, डुमरांव में टैक के किनारे पड़ा था शव

- **शव से दूर नहर किनारे मिला बैग, कपड़े व जूत्ते, रेल पुलिस से सूचना मिलते ही डुमरांव के लिए निकल पड़े है स्वजन**

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव में रेलवे ट्रैक के समीप एकयुवक का शव मिला है। इसकी जानकारी मिलते ही आरपीएफ व जीआरपी की टीम मौके पर पहुंच जांच पड़ताल में जुट गई। उसका शव पश्चिमी रेलवे क्रासिंग से करीब 200 मीटर पश्चिम डाउन टैज्क के समीप मिला है। रेल पुलिस ने शव को कब्जे में पहचान का प्रयास किया। उसके पास से मिले टिकट तथा अन्य कागजातों के आधार पर उसकी शिनाख्त की गई। मृतक नेपाल के झापा जिले के शनिस्चरे गांव निवासी रूद्रप्रताप शिवाकोटी का 31 वर्षीय पुत्र राजू शिवाकोटी है।

उसके पॉकेट से न्यूजलपाईगुड़ी से मुंबई तक का टिकट भी मिला है। वहीं, रेल प्रशासन को स्वजनों ने बताया कि वह काम की तलाश में मुंबई जा रहा था। ऐसे में डुमरांव में डाउन टैज्क के पास उसका शव मिलना तथा शव व रेलवे टैज्क से दूर नहर किनारे बैग, कपड़े तथा जूता-मोजा मिलने से कई सवाल खड़े हो रहे है। सवाल तो यह उठ रहा है कि क्या युवक की मौत रेल हादसा है या फिर वह किसी साजिश का शिकार हो गया है। फिलहाल, रेल पुलिस स्वजनों के आने का इंतजार कर रही है। रेल प्रशासन से जानकारी मिलते ही स्वजन नेपाल से बक्सर के लिए निकल गए है। स्वजनों के आने के बाद ही इस मामले में एफआईआर दर्ज कराया जाएगा।

मुंबई में काम के दौरान केसठ के युवक की मौत, गांव में पसरा मातमी सन्नाटा

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड क्षेत्र के केसठ गांव में गुरुवार को शोक की लहर दौड़ गई, जब गांव के 35 वर्षीय युवक मुन्ना महतो की मुंबई में एक दर्दनाक दुर्घटना में मौत होने की खबर पहुंची। जानकारी के अनुसार मृतक मुन्ना महतो, पिता सूरज नाथ महतो, रोजगार की तलाश में मुंबई के पनवेल के वर्ड इलाके में स्थित जिंदल कंपनी के एक कंस्ट्रक्शन साइट पर काम करते थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक निर्माण कार्य के दौरान अचानक ऊपर से भारी स्ट्रिंग गिर गई, जो सीधे युवक पर आ गिरी। हादसा इतना भीषण था कि उन्हें बचाने का मौका भी नहीं मिल सका और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना के बाद कंपनी परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और साथ काम कर रहे मजदूरों ने इसकी सूचना स्थानीय परिजनों को दी।हादसे की खबर जैसे ही केसठ गांव पहुंची, पूरे इलाके में मातमी सन्नाटा पसर गया। मृतक की पत्नी पुतुल कुमारी का रो-रोकर बुरा हाल है। आस-पास की महिलाएं उन्हें ढांढस बंधाने में लगी रहीं, परंतु परिवार का करुण क्रंदन पूरे माहौल को गमगीन कर रहा था। बताया जाता है कि मृतक अपने भाइयों में दूसरे नंबर पर था जिस पर परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी का बड़ा हिस्सा था। वे अपने पीछे मात्र 4 वर्ष के एक बेटे और 5 वर्ष की एक बेटी सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं।गांव के लोगों ने बताया कि मृतक मेहनती और शांत स्वभाव के था तथा परिवार के भरण-पोषण के लिए ही मुंबई में नौकरी कर रहे थे। उनकी असमय मृत्यु से परिवार पर आर्थिक और मानसिक दोनों तरह का गहरा संकट आ पड़ा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए और कंपनी द्वारा सुरक्षा व्यवस्था की ठोस जांच हो, ताकि आगे ऐसी दुर्घटनाएं न हों। परिजनों का कहना है कि शव को जल्द से जल्द गांव लाने की व्यवस्था की जा रही है, जिसके बाद अंतिम संस्कार किया जाएगा। हादसे ने न केवल एक परिवार का सहारा छीन लिया, बल्कि पूरे गांव को दुःख और सदमे में डाल दिया है।

डुमरांव में चढ़ा शादियों का रंग, फूलों की महक, कैमरे की चमक और मेकअप का ग्लैमर कर रहा आकर्षित

- **मंडी में गुलजार हुआ फूलों का कारोबार, जयमाल से लेकर हल्दी, मेहंदी तक सजावट की बढ़ी मांग, वीडियोग्राफी और ब्यूटी पार्लर पैकेजों में भी महंगाई की मार**

केटी न्यूज/डुमरांव

शादी-विवाह के सीजन ने डुमरांव की मंडियों से लेकर ब्यूटी पार्लर तक हर जगह हलचल बढ़ा दी है। मांगलिक अवसरों की संख्या बढ़ते ही फूलों का बाजार भी खिल उठा है। सुबह होते ही मंडी में गुलाब, गेंदे और रजनीगंधा की खुशबू फैल जाती है। दुकानों के बाहर ग्राहकों की भीड़ और कारीगरों के व्यस्त हाथ यह बता रहे हैं कि इस सीजन में सजावट के नएहनए ट्रेंड लोगों को खूब पसंद आ रहे हैं।

फूलों के स्टेज, चादर और गाड़ी सजाने की बढ़ी मांग

इस बार डुमरांव के फूल बाजार में दुल्हन की फूलों की चादर और जयमाल स्टेज की खूब मांग है। दुकानदार राजेश कुमार और विनोद सैनी बताते हैं कि बनारस और कोलकाता से आने वाले ताजा फूलों की वजह से डिजाइन और विकल्प काफी बढ़ गए हैं। शादी के स्टेज और दूल्हे की गाड़ी सजाने का खर्च 10 से 15 हजार रुपये तक पहुंच गया है। वहीं दुल्हन की फूलों की चादर बनाने में 5 से 7 हजार तक लगते हैं। हल्दी और मेहंदी के कार्यक्रमों में भी फूलों की थीम पर आधारित सजावट का क्रेज इस बार चरम पर है। दुल्हन की साड़ी और दूल्हे की शेरवानी से मैच करते हुए स्टेज डिजाइन करवाने की होड़ मची है। कारीगर बताते हैं कि एक मैचिंग स्टेज तैयार करने में पूरा दिन लग जाता है और खर्च 12 से 15 हजार तक पहुंच जाता है।

वीडियोग्राफी में भी आई नई चमक

शादी को यादगार बनाने की बात हो और वीडियोग्राफी की चर्चा न हो, यह संभव नहीं। डुमरांव में वीडियोग्राफरों की मांग हर शादी में बढ़ रही है। वीडियो कैमरा ऑपरेटर वीके पांडेय और रमेश कुमार बताते हैं कि अब लोग सिर्फ शादी का वीडियो नहीं, बल्कि पूरा प्री-वेडिंग और पोस्ट-वेडिंग कवरेज चाहते हैं। हर रस्मद्दरिवाज की रिकॉर्डिंग के लिए 15 से 18 हजार रुपये तक लेना पड़ता है। बढ़ती मांग को देखते हुए कई टीमों को अतिरिक्त स्टाफ भी रखना पड़ रहा है।

ब्यूटी पार्लर में बढ़ा ग्लैमर और खर्च

दुल्हन की तैयारियों में ब्यूटी पार्लर की भूमिका भी पहले से अधिक बढ़ गई है। स्थानीय पार्लर संचालिका सोनी और राधा बताती हैं कि शादी के दिन दुल्हन का मेकओवर अब दो घंटे से कम में संभव नहीं। कॉस्मेटिक उत्पादों की बढ़ती कीमतों ने पैकेज भी महंगे कर दिए हैं, जो अब 15 से 20 हजार रुपये के बीच पहुंच गए हैं। कई परिवार पार्लर एक्सपर्ट को घर बुलाकर ही तैयारियां करवा रहे हैं, जिसके लिए अलग से शुल्क तय है।

नए मंत्रियों से विकास की रफ्तार बढ़ने की उम्मीद : विंध्याचल राय

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव निवासी हाई कोर्ट के अधिवक्ता एवं विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक विंध्याचल राय ने केंद्र व राज्य सरकार में हाल ही में पदस्थापित मंत्रियों को बधाई देते हुए कहा कि जनता का जनादेश विकास और सुशासन की दिशा में उठाए गए ठोस कदमों का परिणाम है। उन्होंने पर्यावरण मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार, श्रम संसाधन मंत्री संजय सिंह टाइगर तथा विधि प्रकोष्ठ की बैठक में महेश पासवान की जीत पर शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि नई टीम अपने-अपने विभागों में बेहतर कार्य का नया मानक स्थापित करेगी। राय ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं ने गांव से लेकर शहर तक आम लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली और रोजगार जैसे क्षेत्रों में हुई प्रगति ने विकास को गति दी है। उन्होंने बताया कि योजनाओं का लाभ सीधे जरूरतमंदों तक पहुंचने से ग्रामीण इलाकों की स्थिति मजबूत हुई है और लोगों में शासन के प्रति विश्वास बढ़ा है। उन्होंने कहा कि बिहार में विकास के नए अध्याय की शुरूआत हो चुकी है, जिसे आगे बढ़ाने के लिए सरकार के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों और संगठनात्मक इकाइयों की संयुक्त जिम्मेदारी बनती है। राय ने यह भी स्पष्ट किया कि विधि प्रकोष्ठ कानून व्यवस्था की मजबूती और संगठन के विस्तार में निरंतर अपनी भूमिका निभाता रहेगा। अधिवक्ता राय ने नए मंत्रियों से अपेक्षा जताई कि वे अपने कार्यकाल में पारदर्शिता और संवेदनशीलता को प्राथमिकता देते हुए जनता की अपेक्षाओं पर खरे उतरेंगे।

एसडीएम प्रभात कुमार ने यातायात नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कसा शिकंजा

■ **देर शाम जांच अभियान चला 3.5 लाख रुपए का काटा चलान**

केटी न्यूज/रोहतास

नेशनल हाईवे 120 पर बुधवार की देर शाम प्रशासन ने यातायात नियम तोड़ने वालों पर सख्त शिकंजा कसते हुए बड़ी कार्रवाई की। जो नगर परिषद बिक्रमगंज के धारुपुर गांव के समीप नो एंट्री के उल्लंघन, नो जोन पार्किंग और बम्पर एक्सटेंशन जैसे गंभीर दोषों में पकड़े गए बालू लदे ट्रक पर 3.5 लाख रुपए का चालान काटा गया। अभियान का नेतृत्व बिक्रमगंज एसडीएम प्रभात कुमार ने स्वयं किया। मौके पर स्थानीय थाना के एसआई प्रवीण कुमार के साथ सशस्त्र बल के जवानों की टीम मौजूद थी,जिसने हाईवे पर सुरक्षा व संचालन व्यवस्था को पूर्ण रूप से नियंत्रित रखा । ट्रक की जांच में पाया गया कि चालक न केवल निर्धारित नो-एंट्री नियमों का उल्लंघन कर रहा था,बल्कि वाहन को गलत तरीके से खड़ा कर यात्रियों व अन्य वाहनों के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहा था । साथ ही बम्पर एक्सटेंशन के कारण ट्रैफिक मानकों का भी खुला उल्लंघन हो रहा था ।एसडीएम प्रभात कुमार ने सख्त लहजे में कहा कि हाईवे पर अवैध रूप से चलने वाले तथा नियम तोड़ने वाले वाहनों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई है। सड़क सुरक्षा से समझौता किसी भी हाल में स्वीकार नहीं । जो भी चालक या वाहन मालिक नियमों की अवहेलना करेगा,उस पर इसी तरह कठोर कार्रवाई की जाएगी । एसडीएम ने यह भी स्पष्ट किया कि हाईवे पर नो एंट्री का पालन,पार्किंग की व्यवस्था और वाहनों का फिटनेस मानक क्षेत्र की प्राथमिक आवश्यकताएं हैं। प्रशासन ने आने वाले दिनों में ऐसे और भी जांच अभियानों की चेतावनी दी है।

मधेपुरा में मजदूर को थप्पड़ मारने के मामले में राजद विधायक की बढ़ी मुश्किलें

श्रमिक को थप्पड़ मारने के मामले में आरजेडी विधायक पर एफआईआर, नाला निर्माण के दौरान मारा था थप्पड़

एजेंसी/मधेपुरा

बिहार के मधेपुरा शहर में नाला निर्माण कार्य के दौरान हुए विवाद ने तूल पकड़ लिया है। निर्माण कार्य में लगे मजदूर सोनू निगम ने राजद विधायक प्रो. चंद्रशेखर पर मारपीट की। अभद्र भाषा के प्रयोग का आरोप लगाते हुए सदर थाना में एफआईआर दर्ज कराई है। अररिया जिले के भीमा गांव निवासी सोनू ने अपने आवेदन में कहा है कि 23 नवंबर की रात पूर्णिया गोला चौक पर काम कर रहे थे, तभी विधायक करीब 10 लोगों के साथ पहुंचे और उन्हें थप्पड़ मारते हुए गाली-गलौज की। सोनू के अनुसार इससे पहले भी पूर्व मुखिया मुन्ना यादव द्वारा कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर से रुपये की मांग की जा चुकी थी। पीड़ित ने बताया कि घटना के बाद भय के कारण सभी मजदूर मौके से भाग गए। सदर थानाध्यक्ष विमलेंदु कुमार ने मामले में केस दर्ज होने की पुष्टि की है और जांच जारी है। बुडको के अंतर्गत पटना जेबी कंपनी द्वारा नाला निर्माण का काम किया जा रहा है। एक साथ शहर के कई स्थानों पर काम किया जा रहा है। नाला निर्माण की गुणवत्ता को लेकर सदर विधायक ने पूर्व में भी सवाल उठाया था। बता दें कि बुडको द्वारा 72 करोड़ रुपये की लागत से स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज सिस्टम का निर्माण किया जा रहा है, जिसकी गुणवत्ता को लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इन्हीं शिकायतों पर रविवार को विधायक प्रो. चंद्रशेखर निरीक्षण के लिए पहुंचे थे। निरीक्षण के दौरान मजदूर के ट्रैक्टर लेकर भागने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें विधायक के थप्पड़ मारने की बात भी सामने आई।हालांकि, विधायक ने मारपीट से इनकार करते हुए कहा कि उन्होंने भीड़ से मजदूर को सिर्फ बचाया। विधायक ने कहा कि महागठबंधन सरकार में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव द्वारा स्वीकृत इस योजना को किसी भी कीमत पर अनियमितता की भेंट नहीं चढ़ने दिया जाएगा।

नीरपुर : सड़क के अभाव में भगवान राधा कृष्ण मंदिर में भक्तों को जाने में हो रही परेशानी

■ **तीन किलोमीटर तक उभरे गढ़े के मरम्मत की शिकायत के बावजूद भी अधिकारी है मौन**

केटी न्यूज/रोहतास

प्रखंड क्षेत्र के नवाडीह पंचायत अंतर्गत नीरपुर गांव की मुख्य सड़क की स्थिति बद से बद्तर हो गया है । आजादी के 75 साल बाद भी यह सड़क अपने जिणोधार के इंतजार में है सड़क के किनारे नाले की उचित व्यस्था नहीं है। जिससे सड़क के दोनों किनारे से निकलने वाली नाली की गंदी पानी सड़क पर बहते रहती हैं जिससे उक्त रास्ते से आने जाने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता हैं। यह सड़क रोहतास नौहट्टा पीडब्लूडी रोड से राधे कृष्णा मंदिर होते हुए वन विभाग रोड तक जाती हैं। इस सड़क की लंबाई लगभग तीन किलोमीटर है। इस सड़क पर अनगिनत छोटे-बड़े गढ़े वो छोटा बड़ा पत्थर है।जिससे बरसात की पानी व नाली की पानी रोड पर बहता है। बरसात में सभी छोटे बड़े गढ़े जलजमाव से भरे पड़े रहते हैं वहीं दो पहिया वाहन व साइकल सवार को हमेशा दुर्घटना का भय बना रहता हैं। गंदे नाली की पानी से होकर पढ़ने जाती हैं छात्र- छात्राएं जल जमाव होने से आम जानो का आवागमन बिल्कुल अवरुद्ध हो जाती हैं। आपको बताते चले कि इस रास्ते के माध्यम से लगभग सैकड़ो गांव के लोग आवागमन करते हैं। इस संदर्भ में भाजपा मंडल उपाध्यक्ष कमलेश गुप्ता, केशनाथ सिंह,रामजन्म महतो,रामसमूझ महतो इत्यादि लोग उपस्थित रहे लोग कहना है कि इस रोड को जनप्रतिनिधि होने के बावजूद में भी कान में जु तक नहीं रेगी अब प्रखंड विकास पदाधिकारी को चाहिए कि इससे नल की पानी को दुरुस्त किया जाए ताकि स्कूली बच्चों एवं राधा कृष्ण मंदिर में पूजा करने वाले को आने-जाने में सुविधा हो सके।

घरेलू विवाद में पटीदार ने ही हसुआ से शिक्षिका का काटा हाथ, स्थिति गंभीर

■ **त्पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई में जुटी**

केटी न्यूज/रोहतास

थाना क्षेत्र के काशिपुरी नचनिया गांव में गुरूवार को दो पक्ष के बीच मारपीट में गांव स्थित प्राथमिक स्कूल में कार्यरत शिक्षिका शशिकला कुमारी का अपराधियों ने हसुआ से हाथ काट कर गम्भीर रूप से जख्मी कर दिया। काफी मात्रा में रक्त स्त्राव होने पर हालत गम्भीर होता देख शिक्षिका के पति एवं परिजनों द्वारा चिकित्सा हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया,जहां चिकित्सकों ने स्थिति गम्भीर देखकर सदर अस्पताल सासाराम रेफर कर दिया। शिक्षिका के पति श्रीराम तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि जख्म की गम्भीर स्थिति देखते हुए शिक्षिका को ईलाज के लिए वराणसी ले जाया गया है। उन्होंने बताया कि गोतिया के साथ जमीन को लेकर विवाद है। शिक्षिका स्कूल गई थी। हम घर पर नहीं थे, तभी उनके गोतिया गुप्तेश्वर तिवारी एवं उनका बेटा प्रशांत तिवारी हमारी माता एवं छोटे भाई को मारने पिटने लगे। जिसकी सुचना पर मैं और शिक्षिका घटनास्थल पर पहुंचे तभी प्रशांत तिवारी ने हसुआ से शिक्षिका का हाथ काटकर गम्भीर रूप से जख्मी कर दिया। ईलाज के लिए ले जाने के कारण पुलिस को आवेदन नहीं प्रदान किया जा सका है.मामले में थानाध्यक्ष शशिभूषण कुमार ने बताया कि दुसरे पक्ष के लोगों के तरफ से आवेदन मिला है.इंजुरी बनाते हुए ईलाज के लिए भेजा गया है।

एक नजर

पखवाड़ा के दौरान पुरूषों की होगी नसबंदी

राजपुर। पुरुष नसबंदी पखवाड़ा के दौरान प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर पांच लोगों की होगी नसबंदी। जानकारी देते हुए बीसीएम विकास कुमार ने बताया कि 21 नवंबर से 12 दिसंबर तक पुरुष नसबंदी पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस दौरान क्षेत्र अंतर्गत कम से कम पांच पुरुष नसबंदी किए जाने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। नसबंदी करने वाले पुरुष लाभुकों को सरकार द्वारा तीन हजार का प्रोत्साहन राशि प्रदान किया जाएगा। कार्य सफलता के लिए आशा कार्यकताओं को लगाया गया है।

मलियाबाग चौक पर मंत्री जमा खान का फूल-माला और तलवार भेंटकर भव्य स्वागत

रोहतास । दिनारा विधानसभा क्षेत्र के मलियाबाग चौक पर पटना से चैनपुर जाते समय बिहार सरकार के मंत्री जमा खान का एनडीए के नेताओं एवं कार्यकताओं ने भव्य स्वागत किया। मंत्री का स्वागत फूल-माला, अंगवस्त्र और सम्मान स्वरूप तलवार भेंटकर किया गया। कार्यक्रम के दौरान एनडीए के पिंटू सिंह, ओमप्रकाश सिंह,उपेंद्र सिंह,अशोक सिंह,अजय सिंह,रविंद्र तिवारी,राकेश मिश्रा,नीरज तिवारी सहित कई नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुलिस ने ऑटो चोरी मामले में दो आरोपी को किया गिरफ्तार

काराकाट। काराकाट थाना क्षेत्र के मोथा में 26 नवंबर की संध्या को हुई ऑटो पर चोरी की वारदात से चौका दिया है। रोहतास जिले के अगरेड थाना क्षेत्र के मोकर निवासी स्नेहा देवी मोकर से मोथा आ रही थीं। रास्ते में बिक्रमगंज से उन्होंने शेयर ऑटो किराए पर लिया था। जैसे ही वह मोथा उतरने लगीं और अपना बैग ऑटो के पीछे रखा था, उसी समय बक्सर जिले के दो युवक जो उसी ऑटो में सवार थे, मौका पाकर बैग में रखे पर्स और रुपये लेकर भागने लगे। महिला की तेज चिल्लाहट पर आसपास के लोग इकट्ठे हो गए और पुलिस को सूचना दी गई। थानाध्यक्ष विवेक कुमार ने कहा कि पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर आरोपियों जो दोनों बक्सर जिला के रहने वाले 24 वर्षीय निरंजन कुमार और 63 वर्षीय लालबचन राम को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए एक जोड़े पायल और 1000 रुपए नकद बरामद किए गए। थाना अध्यक्ष विवेक कुमार ने बताया कि आरोपियों को जेल भेज दिया गया है और मामले में आगे की जांच जारी है। यह वारदात स्थानीय लोगों में सुरक्षा की चिंता भी पैदा कर गई है, वहीं पुलिस की तत्पर कार्रवाई से उन्हें राहत भी मिली है। पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है ताकि ऐसे मामलों को रोका जा सके।

मीटर बाईपास विद्युत ऊर्जा चोरी में लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

बिक्रमगंज । बिक्रमगंज विद्युत ऊर्जा चोरी को लेकर निरंतर चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत विद्युत आपूर्ति प्रशाखा संझौली व सूर्यपुरा क्षेत्र मे बिलिंग गुणवत्ता व बाकायोदार उपभोक्ताओं की जांच कर को लेकर एक जांच दल का गठन किया गया। वही जांच दल द्वारा निरीक्षण के क्रम में पाया की परिसर मे लगे मीटर के सर्विस तार मे कटिंग करके एवं अतिरिक्त तार जोड़कर तथा मीटर बाईपास करते हुए विद्युत ऊर्जा चोरी की जा रही थी, जिसको लेकर आठ लोगों पर जुमार्ना के साथ प्राथमिकी दर्ज कराई गयी है। दर्ज प्राथमिकी मे चवरिया निवासी नंदजी सिंह पर 6009 रुपए, बबन सिंह पर 5065 रुपए, राजेंद्र सिंह पर 5679 रुपए, जगदीश सिंह पर 19449, शंकर दयाल सिंह पर 8264 रुपए व फागु का टोला निवासी आशा देवी पर 14563 रुपए, सबिता देवी पर 26916 रुपए व लखनपुरा के बनारसी चौधरी पर 74422 रुपये जुमार्ना लगायी गयी है। उपरोक्त सभी उपभोक्ताओं के द्वारा मीटर बाईपास करने के कारण वास्तविक मान पठन अवरूद्ध हो रहा था तथा विभाग के राजस्व की क्षति हो रही थी। सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार के द्वारा सभी उपभोक्ताओं से आग्रह किया गया है कि जिनके परिसर मे स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगा हुआ है तथा बकाया रहने के कारण विद्युत कनेक्शन डिसकनेक्ट प्रदर्शित हो रहा है वह रिचार्ज कराने के पश्चात ही विद्युत ऊर्जा का उपभोग करें एवं अनावश्यक होने वाली परेशानियों से बचें। जो उपभोक्ता स्मार्ट प्रीपेड मीटर या नॉर्मल मीटर बाईपास कर विद्युत ऊर्जा की चोरी कर रहे हैं वह दुरुस्त कर लें तथा जो व्यक्ति घरेलु, व्यवसायिक, ई-रिक्शा चार्ज, कृषि या औद्योगिक कार्य आदि हेतु बिजली का कनेक्शन नहीं लिए हैं वह कनेक्शन ले लें अन्यथा पकड़े जाने पर कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

सीएचओ और एएनएम को निश्चय पोर्टल से जुड़ी ट्यूबरक्लोसिस की दी गई प्रशिक्षण

केटी न्यूज/रोहतास

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिक्रमगंज के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ० सौरभ प्रकाश की अध्यक्षता में यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम तहत प्रखंड बिक्रमगंज क्षेत्र अंतर्गत कार्य करने वाले हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर से आए सभी सीएचओ और एएनएम को निश्चय पोर्टल ट्यूबरक्लोसिस के बारे में प्रशिक्षण एसटीएलएस नंदजी सिंह और एसटीएस सकलेन सफीक,प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक अशोक कुमार के द्वारा सभी सीएचओ को सही तरीके से कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री द्वारा यक्ष्मा उन्मूलन अभियान 2025 को ध्यान में रखते हुए टीवी मुक्त भारत बनाने के उद्देश्य से प्रेरित होकर कार्य करने का लक्ष्य दिया गया है। इसमें सभी सीएचओ और एएनएम को बताया गया कि 60 वर्ष से अधिक आयु वाले व्यक्ति एवं शुगर के मरीज, दो सप्ताह से अधिक खांसी,बुखार,मुंह से खून आना, वजन घटना एवं छाती में दर्द होना अगर इस तरह का लक्षण किसी व्यक्ति में मिलता है । तो अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जाकर टीवी की जांच अवश्य करें । अगर टीवी आपको निकलता है,तो सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर टीवी मुक्ति दवा एवं खाने-पीने के लिए प्रधानमंत्री द्वारा 1000 रुपए प्रति माह आपके खाते में स्वयं चला जाएगा। इस प्रशिक्षण में प्रधान लिपिक प्रणव कुमार,मनीष सागर,चंद्रदीप कुमार गुप्ता,नेमत आजम, पूजा कुमारी, एएनएम अंकित मुखर्जी, सिमरन कुमारी, खुशबू कुमारी, रागिनी कुमारी, प्रियंका कुमारी,नेहा कुमारी, प्रशांत कुमार, रूबी कुमारी, कल्याणी कुमारी, सूरज कुमार,उपेंद्र तिवारी सहित सभी स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे।

निजी व अनुदानित विद्यालयों में महिला यौन उत्पीड़न शिकायत के लिए समिति का गठन

केटी न्यूज/रोहतास

काराकाट प्रखंड के निजी एवं अनुदानित स्कूलों में महिलाओं के यौन उत्पीड़न यानी रोकथाम, निषेध एवं निवारण अधिनियम, 2013 यानी पोश एक्ट के अंतर्गत आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया गया है। श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी देव आशीष कुमार के नेतृत्व में इस पहल के तहत काराकाट प्रखंड के चार प्रमुख निजी विद्यालयों वाइज किड, सृष्टि सेकंडरी गोडारी,एपीएस स्कूल बुढ़वल और परातपर इंटरनेशनल स्कूल बहुआरा में समिति गठित की गई। प्रत्येक समिति में वरिष्ठ महिला कर्मचारी अध्यक्ष होंगी, जिनके साथ दो कर्मचारी सदस्य और एक महिला बाहरी सदस्य शामिल होंगे, जो कानूनी, सामाजिक कार्य या महिला अधिकारों से जुड़ी हों। पोश एक्ट के तहत 10 या अधिक कर्मचारियों वाले संस्थानों में यह समिति बनाना अनिवार्य है। वही समिति यौन उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों की जांच 90 दिनों के भीतर पूरी करेगी और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करेगी। आरोपों में इच्छानुसार छूना, अश्लील बातें करना, अश्लील सामग्री दिखाना या भेजना शामिल हैं।यौन उत्पीड़न से जुड़ी किसी भी शिकायत या जानकारी के लिए जारी बेवसाइट सहित 0124-4640049 पर संपर्क किया जा सकता है। शिक्षा विभाग के निदेर्शानुसार यह कदम कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा प्रबल बनाने के लिए उठाया गया है।

राशन कार्ड से वंचित लोगों के लिए बड़ी खुशखबरी, कैंप लगाकर कार्ड बनाने के निर्देश

एजेंसी। पटना

बिहार सरकार ने राज्य के सभी वंचित लाभुकों के लिए एक बड़ी राहत की घोषणा की है। अब जिन योग्य लोगों के पास अभी तक राशन कार्ड नहीं है, उनके लिए विशेष कैंप लगाकर राशन कार्ड बनवाए जाएंगे। इसके लिए प्रखंड स्तर पर कैंप आयोजित किए जाएंगे, ताकि हर पात्र परिवार तक जन वितरण प्रणाली (ढव्रू) का लाभ पहुंच सके। खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार ने बुधवार को समीक्षा बैठक के बाद यह निर्देश जारी किया।प्रधान सचिव ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए सभी जिलों के संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि राशन कार्ड से कोई भी पात्र व्यक्ति वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि कैंप लगाने में किसी भी प्रकार की देरी न की जाए और प्राथमिकता के आधार पर सभी ऐसे लाभुकों की पहचान कर उन्हें तुरंत राशन कार्ड उपलब्ध कराया जाए। बैठक में विभाग के विशेष सचिव मो. नैय्यर इकबाल, संयुक्त सचिव उपेन्द्र कुमार, ओएसडी रविन्द्र कुमार समेत विभिन्न प्रमंडलों के उप निदेशक (खाद्य), जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला प्रबंधक और अनुमंडल स्तरीय अधिकारी शामिल थे। प्रधान सचिव ने कहा कि जिलों में कैंप को समयबद्ध तरीके से आयोजित किया जाए और लोगों को इसके बारे में पहले से सूचित भी किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ ले सकें।प्रधान सचिव ने निर्देश देते हुए कहा कि लाभुकों को दिए जाने वाले खाद्यान्न की गुणवत्ता में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को चेताया कि यदि किसी जगह पर खराब गुणवत्ता का अनाज मिलने की शिकायत आती है, तो संबंधित कर्मी एवं अधिकारियों की जिम्मेदारी तय कर तुरंत कार्रवाई की जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि जन वितरण प्रणाली की दुकानों में जो भी रिक्तियां हैं, उन्हें जल्द से जल्द भरा जाए, ताकि वितरण व्यवस्था में किसी तरह की बाधा न आए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को नियमित रूप से पीडीएस दुकानों, गोदामों और वितरण प्रणाली की जांच करनी चाहिए। इस बीच, बिहार सरकार में खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री के रूप में लेशी सिंह ने एक बार फिर विभाग की कमान संभाल ली है। पदभार संभालते ही उन्होंने स्पष्ट कहा कि राज्य के लाभुकों को समय पर, निर्धारित मात्रा में और गुणवत्तापूर्ण अनाज उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि विभाग से जुड़े सभी अधिकारी और कर्मचारी यह सुनिश्चित करें कि किसी भी लाभुक को शिकायत का मौका न मिले। मंत्री ने यह भी कहा कि राशन कार्ड से वंचित पात्र परिवारों को चिह्नित करने और उन्हें जल्द से जल्द व्यवस्था में जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों से अपील की कि वे कैंप को सफल बनाने में पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी से काम करें। राज्य में अब भी बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं, जो पात्र होने के बावजूद राशन कार्ड से वंचित हैं।

नीतीश कुमार ने युवाओं को दिया संदेश, कहा- 1 करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देना सरकार की प्राथमिकता

सभी कार्यालयों को दिए गए निर्देश

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि नई सरकार के गठन के पश्चात राज्य में अधिक से अधिक सरकारी नौकरी एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध करने के लिए हमलोगों ने तेजी से काम शुरू कर दिया है। सरकारी नौकरी की रिक्तियों को जल्द से जल्द भरने के लिए कई ठोस कदम उठाए गए हैं। राज्य के अधीन सभी प्रशासी विभाग, सभी प्रमंडलीय आयुक्त, पुलिस मुख्यालय के अधीन सभी कार्यालय एवं सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे सामान्य प्रशासन विभाग को रिक्तियों से संबंधित अधियाचना दिनांक 31 दिसंबर 2025 तक अवश्य उपलब्ध करा दें। सामान्य प्रशासन विभाग प्राप्त अधियाचनाओं को यथाशीघ्र जांच कर संबंधित विभिन्न नियुक्ति आयोगों को भेज दें।

एजेंसी। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज सोशल मीडिया पर युवाओं के लिए संदेश जारी किया। उन्होंने कहा कि राज्य में अधिक से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार मिले, ये शुरू से ही हमलोगों की प्राथमिकता रही है। सात निश्चय-2 के तहत वर्ष 2020-25 के बीच राज्य में 50 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी एवं रोजगार दिया गया है। अगले 5 वर्षों (2025-30) में हमलोगों ने 1 करोड़ युवाओं को नौकरी एवं रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया है।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि नई सरकार के गठन के पश्चात राज्य में अधिक से अधिक सरकारी नौकरी एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध करने के लिए हमलोगों ने तेजी से काम शुरू कर दिया है। सरकारी नौकरी की रिक्तियों को जल्द से जल्द भरने के लिए कई ठोस कदम उठाए गए हैं। राज्य के अधीन सभी प्रशासी विभाग, सभी प्रमंडलीय आयुक्त, पुलिस मुख्यालय के अधीन सभी कार्यालय एवं सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे सामान्य प्रशासन विभाग को रिक्तियों से संबंधित अधियाचना दिनांक 31 दिसंबर 2025 तक अवश्य उपलब्ध करा दें। सामान्य प्रशासन विभाग प्राप्त अधियाचनाओं को यथाशीघ्र जांच कर संबंधित विभिन्न नियुक्ति आयोगों को भेज दें।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि सभी नियुक्ति आयोगों एवं चयन एजेंसियों को निर्देशित किया गया है कि जनवरी 2026 में नियुक्ति हेतु पूरे साल का कैलेंडर प्रकाशित करें जिसमें अन्य आवश्यक सूचनाओं के अतिरिक्त विज्ञापन प्रकाशन की तिथि, परीक्षा आयोजन की संभावित अवधि, अंतिम परीक्षाफल प्रकाशन की तिथि आदि का स्पष्ट रूप से उल्लेख हो। परीक्षा के चाहे जितने भी चरण हों किसी भी परिस्थिति में विज्ञापन प्रकाशन से अंतिम परीक्षाफल में एक साल से अधिक समय नहीं लगना चाहिए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि सभी परीक्षाओं को पारदर्शी एवं स्वच्छ तरीके से संपन्न कराने हेतु सभी नियुक्ति आयोगों एवं चयन एजेंसियों को निर्देशित किया गया है। परीक्षाओं में अनुचित साधन की रोकथाम के लिए सख्त और तत्काल कार्रवाई की जाए। परीक्षा में किसी भी प्रकार की अनियमितता करने वालों को चिन्हित कर उनके विरूद्ध फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से सुनवाई कराते हुए दंडित कराएं। बिहार में ऑनलाइन परीक्षा Computer Based Test हेतु परीक्षा केन्द्रों की संख्या को बढ़ाने का भी निर्देश दिया गया है ताकि परीक्षाओं का आयोजन ससमय एवं सुचारू रूप से किया जा सके। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि राज्य के युवाओं के सुखद भविष्य के लिए हमलोग शुरू से काम कर रहे हैं। अधिक से अधिक सरकारी नौकरी एवं रोजगार देने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। सभी परीक्षाएं ससमय एवं पूर्ण पारदर्शिता के साथ आयोजित की जाएंगी। बिहार के युवा दक्ष एवं आत्मनिर्भर हों तथा उन्हें अधिक से अधिक रोजगार मिल सके, उनका भविष्य सुरक्षित हो इसके लिए हमलोग कृतसंकल्पित हैं।

एक नजर

पतंजलि का प्रोडक्ट बेचने के बहाने बुजुर्ग महिला से 3 लाख का सोना ठगकर दो युवक फरार

सहरसा। सहरसा जिले के बटरहा वार्ड नंबर 36 में एक रिटायर्ड टीचर की 79 वर्षीय पत्नी आशा झा से दो अज्ञात युवकों ने करीब 3 लाख रुपये का सोना ठग लिया। घटना गुरुवार की है, जब युवक बाबा रामदेव का उत्पाद बेचने का बहाना बनाकर उनके घर पहुंचे थे। आशा झा ने पुलिस को बताया कि घर के अन्य सदस्य ड्यूटी पर चले गए थे, जिसके बाद वह अकेली थीं। इसी दौरान दो युवक उनके दरवाजे पर आए और खुद को पतंजलि उत्पादों का विक्रेता बताया। उन्होंने एक कैटलॉग दिखाते हुए कहा कि वे फिलहाल केवल उत्पाद दिखा रहे हैं और रविवार को सामान लेकर आएंगे। युवकों की मीठी बातों में आकर आशा झा ने उन्हें घर में बैठाया। कुछ देर बाद, उन्होंने महिला से सोने की अंगूठी और चेन को दो मिनट में साफ करके चमकाने की बात कही। जब महिला ने अपने दो भर की सोने की चेन और एक अंगूठी उन्हें दी, तो दोनों युवक उसे लेकर मौके से फरार हो गए। पीड़िता के अनुसार, चोरी की गई सोने की चेन का वजन दो भर था, जिसकी कीमत लगभग ढाई लाख रुपये है। वहीं, अंगूठी चार आने की थी, जिसकी कीमत लगभग 50 हजार रुपये बताई जा रही है। कुल मिलाकर करीब 3 लाख रुपये का सोना ठग लिया गया।आशा झा ने बताया कि एक युवक की उम्र लगभग 25 वर्ष थी, जबकि दूसरे की उम्र 26झ27 वर्ष के बीच थी। दोनों युवक बाइक पर सवार होकर आए थे और घटना को अंजाम देने के बाद उसी बाइक से फरार हुए।घटना की सूचना मिलने पर मोहल्ले वालों ने पुलिस को जानकारी दी। सदर थाना अंतर्गत टीओपी-2 प्रभारी सनोज वर्मा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। टीओपी-2 के प्रभारी सनोज कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में ले लिया गया है और पीड़िता के आवेदन के आधार पर जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पटना में नाबालिग बच्ची की संदिग्ध मौत पर बवाल

पटना। 24 नवंबर को पटना के नाला रोड स्थित सुलक्षणा पैलेस अपार्टमेंट में एक 15 साल की लड़की के छत से छलांग लगाने का मामला सामने आया था। अपार्टमेंट की छत से गिरने से बच्ची की मौत हो गयी थी। घटना के 3 दिन बाद घटनास्थल पर पहुंचे परिजनों ने जमकर हंगामा मचाया और पुलिस से आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। इस दौरान आक्रोशित लोगों ने मुख्य सड़क पर आगजनी की जिससे यातायात बुरी तरह जाम हो गया। पुलिस की कार्यशैली से गुस्साएं लोगों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे और सूबे के गृह मंत्री सम्राट चौधरी को मौके पर बुलाने की मांग कर दी। कहने लगे कि सम्राट चौधरी को बुलाइए क्या अब उनको जंगलराज नहीं दिख रहा है। नाबालिग बच्ची की अपार्टमेंट की छत से गिरने से तीन दिन पहले बच्ची की मौत के बाद आज गुरुवार को घटना से आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोग सड़क पर उतर गये और जमकर हंगामा मचाने लगे। पुलिस से इंसाफ की मांग करने लगे। लोगों का कहना था कि जिस बच्ची के बारे में बताया गया कि छत से गिरकर कर उसकी मौत हुई है। सड़क जाम और बढ़ते बवाल को देखते हुए मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। प्रदर्शन के दौरान भीड़ ने पुलिस के साथ धक्का-मुक्की की, जिससे स्थिति बिगड़ गई। भीड़ द्वारा डीएसपी राजेश रंजन के साथ भी बदसलूकी की गई। स्थिति नियंत्रण से बाहर जाती देख पुलिस ने हल्का लाठीचार्ज किया, जिसके बाद प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर किया गया। एहतियात के तौर पर नाला रोड और आस-पास की दुकानें बंद करा दी गईं। घटना के बाद से इलाके में तनाव बना हुआ है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और कहा है कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। दरअसल वह मामला कुछ और ही है। लड़की से रेप करके उसे छत से फेंक दिया गया था। हम यही चाहते हैं कि आरोपियों की गिरफ्तारी और बच्ची को इंसाफ मिले।

पटना के ठेकेदार रिशु श्री के 9 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

एजेंसी। पटना

बिहार में भ्रष्टाचार और अवैध कमाई के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई लगातार तेज होती जा रही है। इसी सिलसिले में बुधवार को ईडी की टीमों ने राज्य के बड़े ठेकेदार रिशु श्री के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए देश के विभिन्न शहरों में कुल 9 ठिकानों पर छापेमारी की। यह छापेमारी पटना, अहमदाबाद, सूरत, गुरुग्राम और नई दिल्ली में की गई। कार्रवाई के दौरान ईडी ने करीब 33 लाख रुपये नकद, कई डिजिटल डिवाइस, डायरियां और महत्वपूर्ण आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए हैं, जिनमें भ्रष्टाचार और अवैध लेन-देन के कई प्रमाण मिलने की संभावना जताई जा रही है। ईडी की यह जांच स्पेशल विजिलेंस यूनिट (SVU), बिहार द्वारा दर्ज एक प्राथमिकी के आधार पर शुरू हुई थी। रश्व की एफआईआर में आरोप लगाया गया था कि पटना के ठेकेदार रिशु श्री और उनकी कई फर्मों ने बिहार सरकार के अनेक विभागों से ठेके और सब-कांट्रैक्ट लेकर भारी भ्रष्टाचार किया है। आरोपों के अनुसार, रिशु श्री ने जल संसाधन, स्वास्थ्य, भवन निर्माण, ग्रामीण कार्य विभाग, लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी (PHED), शहरी विकास एवं आवास, BUIDCO और शिक्षा विभाग से जुड़े कई निर्माण और सप्लाई कार्यों में अनियमितताओं के जरिए करोड़ों रुपये की अवैध कमाई की। जांच एजेंसी के अनुसार, रिशु श्री ने इन सरकारी विभागों के कई अधिकारियों के साथ सांठगांठ कर अवैध लाभ कमाया और ठेकों की राशि को गलत तरीके से अपनी कंपनियों और रिश्तेदारों के खातों में ट्रांसफर कराया। यही नहीं, एजेंसी का दावा है कि कई फर्जी कंपनियों और शेल फर्मों का भी उपयोग किया गया, ताकि भ्रष्टाचार से कमाई गई रकम को वैध दिखाया जा सके। ईडी की टीमों ने छापेमारी के दौरान करीब 33 लाख रुपये नकद मिले। इसके साथ ही कई मोबाइल फोन, लैपटॉप, हार्ड डिस्क, पेन ड्राइव्स समेत बड़ी संख्या में डिजिटल साक्ष्य भी बरामद हुए हैं, जिनसे मनमानी और अवैध लेन-देन के और भी सबूत मिलने की उम्मीद है।बरामद डायरी और दस्तावेजों में कथित रूप से अधिकारियों को दिए गए कमीशन, ठेके के फर्जी बिल, और कई संदिग्ध भुगतान का विवरण भी मिला है। ईडी के अधिकारियों का कहना है कि इन दस्तावेजों के विश्लेषण के बाद मामले में और भी लोगों के नाम सामने आ सकते हैं। गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है जब ईडी ने रिशु श्री और उनके नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई की है।

बिहार में बसपा को बड़ा झटका, प्रदेश प्रभारी अनिल कुमार ने दिया इस्तीफा

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नतीजों के बाद बहुजन समाज पार्टी (बसपा) को एक बड़ा सियासी झटका लगा है। पार्टी के बिहार प्रदेश प्रभारी अनिल कुमार ने अपने पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने इसके पीछे निजी कारणों का हवाला दिया है। उनके इस अचानक फैसले से बिहार की राजनीति में हलचल तेज हो गई है और पार्टी संगठन में भी चचाओं का दौर शुरू हो गया है। अपने त्यागपत्र में अनिल कुमार ने पार्टी अध्यक्ष मायावती को संबोधित करते हुए लिखा कि वे वर्तमान में अपरिहार्य निजी कारणों के चलते पार्टी के कार्यों में अपना पूरा समय और योगदान देने में असमर्थ हैं। इसी वजह से वे स्वेच्छा से बिहार प्रदेश प्रभारी पद के साथ-साथ पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से भी इस्तीफा दे रहे हैं। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान मिले स्नेह, सहयोग और मार्गदर्शन के लिए पार्टी नेतृत्व का आभार भी जताया है। अनिल कुमार के इस्तीफे को बिहार में बसपा के लिए एक बड़ा नुकसान माना जा रहा है, खासकर ऐसे समय में जब विधानसभा चुनाव के बाद पार्टी पहले से ही कमजोर स्थिति में है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि संगठनात्मक स्तर पर यह बदलाव पार्टी की रणनीति और भविष्य की दिशा को प्रभावित कर सकता है। हालांकि, पार्टी की ओर से अभी इस इस्तीफे पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में बसपा नेतृत्व बिहार में नए प्रदेश प्रभारी की नियुक्ति को लेकर कोई बड़ा निर्णय ले सकता है। अनिल कुमार का इस्तीफा ऐसे समय पर आया है, जब बिहार की राजनीति एक बार फिर नए सियासी समीकरणों की ओर बढ़ रही है।

बिहार सरकार की नई योजना, जीविका दीदियों को पिंक बसों में ड्राइवर और कंडक्टर बनाने का मौका

एजेंसी। पटना

बिहार में महिला सशक्तिकरण और रोजगार के क्षेत्र में एक नई पहल की गई है। नीतीश सरकार ने राज्य की जीविका दीदियों को पिंक बसों में ड्राइवर और कंडक्टर बनाने का फैसला लिया है। इसके लिए इच्छुक जीविका दीदियों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, ताकि वे महिलाओं के लिए चलाई जा रही पिंक बसों में सेवाएं दे सकें। इस पहल का उद्देश्य न केवल महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है, बल्कि जीविका दीदियों के लिए रोजगार के नए अवसर भी खोलना है। बिहार सरकार ने इसके लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इच्छुक जीविका दीदियां या अन्य महिलाएं 15 दिसंबर तक आवेदन कर सकती हैं। आवेदन के लिए न्यूनतम योग्यता आठवीं पास होना आवश्यक है। हालांकि, नियोजन के दौरान 9वीं और 10वीं पास उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी। पिंक बसों में ड्राइवर और कंडक्टर बनने के लिए चयनित उम्मीदवारों को पहले पटना या औरंगाबाद स्थित हैवी मोटर व्हीकल प्रशिक्षण संस्थान (Institute of Driving Training & Research - IDTR) में ट्रेनिंग दी जाएगी। इस प्रशिक्षण में सफल होने के बाद, महिलाओं को बिहार राज्य पथ परिवहन निगम (BSPT-CL) द्वारा संचालित पिंक बसों में संविदा आधारित नियुक्ति दी जाएगी। ट्रेनिंग के बाद, जिन महिलाओं के पास एचएमवी (Heavy Motor Vehicle) लाइसेंस होगा, उन्हें बस चलाने का अधिकार और कंडक्टर की जिम्मेदारी दी जाएगी। बिहार की राजधानी पटना समेत कई शहरों में महिलाओं के लिए विशेष पिंक बसों का संचालन किया जा रहा है। इस बस सेवा का मुख्य उद्देश्य महिला यात्रियों को सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का अनुभव प्रदान करना है। नियम के अनुसार इन बसों में ड्राइवर और कंडक्टर भी महिलाएं ही होंगी। सरकार की यह पहल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि शुरूआत में पिंक बसों के लिए महिला ड्राइवर और कंडक्टर उपलब्ध नहीं थे। इसके चलते बस संचालन में कई बार चुनौती का सामना करना पड़ा। अब सरकार द्वारा यह कदम उठाकर, महिलाओं को ड्राइविंग और कंडक्टर बनने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

बिहार में ठंड ने बढ़ाई लोगों की मुश्किलें, आईएमडी ने विशेष सावधानी बरतने की दी सलाह

एजेंसी। पटना

बिहार में सर्दी ने अब पूरी तरह से रफ़्तार पकड़ ली है। पिछले 24 घंटों में राज्य के न्यूनतम तापमान में 2-4 डिग्री की गिरावट दर्ज हुई है और मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले 48 घंटों में कई जिलों में पारा 6-8 डिग्री सेल्सियस तक भी लुढ़क सकता है। उत्तर-पश्चिमी पछुआ हवाओं का जोर बढ़ने से सुबह और देर रात घना कोहरा छा रहा है। गुरुवार सुबह पटना, गोपालगंज, बेतिया, सीतामढ़ी, मोतिहारी, खगड़िया, बेगूसराय, मधेपुरा, सुपौल और किशनगंज में विजिबिलिटी महज 100-200 मीटर रही। जिस वजह से लोग अलाव तापते और फॉग लाइट जलाकर घरों से निकलते हुए दिखे। ऐसे में अब मौसम विज्ञान केंद्र ने 12 जिलों पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, किशनगंज, औरंगाबाद, बांका, भागलपुर, सासाराम, कैमूर, जहानाबाद, सारण और शिवहर में यलो अलर्ट जारी किया है। इन इलाकों में सुबह 5 बजे से 10 बजे तक घना कोहरा छाने और दृश्यता 50-200 मीटर तक रहने की आशंका है। हाईवे पर वाहन भी कोहरे की वजह से रेंगते हुए दिखे, कई ट्रेनें लेट चल रहीं। ठंड और कोहरे के डबल अटैक से सांस के मरीजों की मुश्किलें बढ़ गई हैं।मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, हिमालय की तरफ से आने वाली ठंडी हवाएं और नमी का मेल ऐसा कोहरा पैदा कर रहा है। नवंबर के अंतिम सप्ताह से दिसंबर के पहले सप्ताह तक ठंड में और तेजी आएगी। पटना में न्यूनतम तापमान 12-13 डिग्री और अधिकतम 26-28 डिग्री रहने का अनुमान है मगर सुबह-शाम ऐसा एहसास हो सकता मानो तापमान 6-8 डिग्री हो। उत्तरी बिहार (पूर्णिया, किशनगंज, अररिया) में सबसे ज्यादा ठंड पड़ेगी, जहां पारा 6 डिग्री तक भी जा सकता है। दक्षिण बिहार में भी 8-10 डिग्री तक गिरावट तय है। लोगों को सलाह दी गई है कि सुबह-शाम गर्म कपड़े, मफलर और मास्क जरूर पहनें। वाहन चालकों से फॉग लाइट और कम स्पीड में चलने को कहा गया है। किसानों को फसलों को ढकने और पशुओं को ठंड से बचाने की हिदायत दी गई है। शादी-विवाह के मौसम में रात के कार्यक्रमों में विशेष सावधानी बरतें। मौसम विभाग का कहना है कि 29-30 नवंबर तक यही स्थिति रहेगी, उसके बाद थोड़ी राहत मिल सकती है। बिहार अब सचमुच सर्दी की चपेट में आ चुका है।

ज्वेलरी शॉप में दिनदहाड़े घुसे छह नकाबपोश, बिहार में एक करोड़ की लूट, फायरिंग से दहशत फैलाई

एजेंसी। पटना

उधर पटना में बिहार के पुलिस महानिदेशक माफिया राज को खत्म करने को लेकर बड़ा बयान दे रहे थे और इधर सीवान मैं हथियारबंद अपराधियों ने तकरीबन एक करोड़ की लूट की बड़ी घटना को दिनदहाड़े अंजाम दिया। एक ज्वेलरी शॉप में हुई इस लूट की घटना के दौरान 5-6 राउंड फायरिंग कर अपराधियों ने दहशत फैला दिया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जगह भारतीय जनता पार्टी के सम्राट चौधरी के पास पहली बार गृह विभाग आया है और अब इतनी बड़ी घटना के साथ अपराधियों ने अपने मनोबल का प्रमाण दिया है। नकाबपोश छह अपराधी ज्वेलरी शॉप में घुसे और दिनदहाड़े लूट के वारदात को अंजाम देकर निकल भी गए।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अपराधी बड़ी आसानी से दुकान में घुसे, लाखों रुपये के जेवरात और कैश लूट लिया और निकलते समय फायरिंग करते हुए फरार हो गए। गोलियों की आवाज से पूरा बाजार दहशत में आ गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू कर दी है। इलाके के व्यापारियों में प्रशासन के प्रति गुस्सा है और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नाराजगी बढ़ गई है।

सुभाषितम्

जिसके पास बुद्धि है, उसके पास बल है। बुद्धिहीन के पास बल कहां? - चाणक्य

स्वास्थ्य से खिलवाड़

भारत जैसे विशाल और विविधताओं से परिपूर्ण देश में भोजन महज पोषण का स्रोत नहीं, बल्कि संस्कृति और परंपरा का आधार भी है। यहां खास तरह के खान-पान लोगों की पहचान भी होती हैं, जो कि आस्था से भी जुड़ जाती है। बावजूद इसके आज इस मजबूत आधार को लगातार नुकसान पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। यह कहते हुए अफसोस होता है कि आज खाद्य पदार्थों में मिलावट एक गंभीर और भयावह महामारी का रूप ले चुकी है। दूध, मसाले, मिठाइयाँ, तेल और यहां तक कि रोजमर्रा के उपयोग में आने वाली सामान्य वस्तुएँ भी मिलावट से मुक्त नहीं रहीं। दुर्भाग्य की बात यह है कि अब भुना हुआ चना, जो सदियों से पौष्टिक और सस्ता स्नैक माना जाता रहा है वही इस जहरीले खेल का शिकार हो गया है। हाल ही में यह तथ्य सामने आया है, कि बाजार में बिकने वाले चमकीले पीले भुने हुए चनों में औरामाइन नामक घातक इंडस्ट्रियल केमिकल की मिलावट की जा रही है। यह खुलासा न केवल चौंकाने वाला है बल्कि हमारे खाद्य सुरक्षा ढांचे की कमजोरियों को भी उजागर करता है। दरअसल औरामाइन वह रसायन है जिसका प्रयोग कपड़ा, चमड़ा और कागज जैसे उद्योगों में किया जाता है, पर खाद्य पदार्थों में इसका उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की कैंसर रिसर्च एजेंसी (आईएआरसी) इसे संभावित कार्सिनोजन के रूप में वर्गीकृत कर चुकी है। लगातार सेवन करने पर यह लिवर, किडनी और ब्लैडर में कैंसर होने का खतरा कई गुना बढ़ा देता है, साथ ही नर्वस सिस्टम और अन्य अंगों पर भी गंभीर दुष्प्रभाव डालता है। यह स्थिति इसलिए भी चिंताजनक है क्योंकि मिलावट करने वाले इसका इस्तेमाल चने को आकर्षक दिखाने एवं मुनाफाखोरी के लिए कर रहे हैं। इसमें दो-राय नहीं कि चने का चमकीला रंग और कुरकुरेपन का अहसास उपभोक्ताओं को लुभाता है। वे नहीं जानते कि वो खाने के लिए क्या ले जा रहे हैं, अनजाने में जहर को खाद्य पदार्थ समझकर खुद भी खाते हैं और औरों को भी परोसते हैं। चने में हो रही मिलावट को सिद्ध करने के लिए सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिखाया गया है, कि गर्म पानी में चने डालते ही पानी पूरी तरह पीला हो जाता है। इस दावे में यदि थोड़ी भी सच्चाई है तो यह वाकई बहुत ज्यादा चिंता की बात है, क्योंकि भुने चने का सेवन सभी वर्ग के अधिकांश लोग करते हैं। इस संबंध में राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी द्वारा स्वास्थ्य मंत्री और खाद्य प्रसंस्करण मंत्री को लिखी गई चिट्ठी इस समस्या की गंभीरता को रेखांकित करती है। उन्होंने राष्ट्रीय हेल्थ अलर्ट जारी करने, व्यापक जांच अभियान चलाने और दोषियों को कठोर दंड देने की मांग भी की है। यहां यह समझ लिया जाना चाहिए कि यह मिलावट केवल फूड सेफ्टी एक्ट का उल्लंघन नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के स्वास्थ्य के साथ सीधा खिलवाड़ है। ऐसे अपराध को किसी भी स्थिति में क्षम्य नहीं ठहराया जा सकता है। ऐसे में सवाल यही उठता है कि मिलावट रुपी इस समस्या की जड़ कहाँ है, और इससे छुटकारा कैसे मिलेगा? दरअसल पहले तो हमें यह स्वीकार करना होगा कि खाद्य सुरक्षा केवल सरकार या किसी एजेंसी विशेष की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति व समूह का दायित्व है। जहां तक सरकार और संबंधित विभागों की जिम्मेदारी की बात है तो इसके लिए उन्हें ज्यादा सजग होने की आवश्यकता है। सरकार के साथ ही एफएसएसएआई और राज्य स्तरीय खाद्य सुरक्षा विभागों को अचानक निरीक्षण, नमूना परीक्षण और दोषियों पर त्वरित कानूनी कार्रवाई को और अधिक सख्ती से लागू करना होगा। यह भी सच है कि आज भी देश में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की कमी है, जिससे बड़े पैमाने पर निगरानी करना कठिन हो जाता है। इस दिशा में संसाधनों और जनशक्ति में वृद्धि अत्यावश्यक है। इसमें उपभोक्ताओं की जागरूकता सबसे बड़ा हथियार है।

चिंतन-मनन

राजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी। साइरस मुस्कराए। फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए। साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

हमेशा ऑनलाइन रहने के मायाजाल की दौड़ में युवा

- डॉ सत्यवान सौरभ

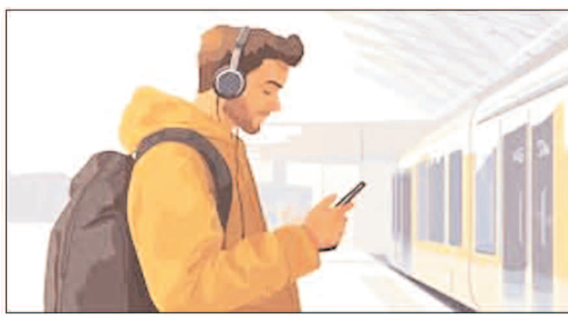

डिजिटल पहचान की अंधी प्रतिस्पर्धा ने मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक जीवन और वास्तविक अनुभवों को संकट में डाल दिया है। सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव युवाओं के मानसिक संतुलन और जीवनशैली पर गहरा असर डाल रहा है। लाइक, व्यूज और फॉलोअर्स की प्रतिस्पर्धा ने उन्हें एक अदृश्य दबाव में धकेल दिया है, जहाँ डिजिटल मान्यता ही आत्मविश्वास का आधार बनती जा रही है। घंटों स्क्रीन करना, हर पल ऑनलाइन बने रहना और दूसरों से तुलना करना तनाव, अनिद्रा, चिंता और अकेलेपन को जन्म दे रहा है। वास्तविक रिश्ते, संवाद और अनुभव स्क्रीन के पीछे छूटते जा रहे हैं। समाधान डिजिटल अनुशासन, सीमित उपयोग, नोटिफिकेशन नियंत्रण और वास्तविक दुनिया को प्राथमिकता देने में है। संतुलन ही मानसिक शांति का आधार है। आज का भारतीय समाज एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है जहाँ तकनीक अवसर भी दे रही है और संकट भी खड़ा कर रही है। सोशल मीडिया का तेजी से बढ़ता दायरा इस संक्रमणकाल का सबसे बड़ा प्रतीक है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, एक्स और अन्य प्लेटफॉर्म ने आम लोगों को वह मंच दिया है, जिसकी कल्पना कुछ दशक पहले संभव नहीं थी। लेकिन यह सशक्तिकरण जितनी उम्मीदें लेकर आया था, उतने ही उलझाव उसने मनोवैज्ञानिक और सामाजिक स्तर पर पैदा कर दिए हैं। युवा पीढ़ी लाइक, व्यूज, फॉलोअर्स और डिजिटल सेलिब्रिटी बनने की सतही चाह में उलझकर मानसिक थकान और सामाजिक दूरी के ऐसे भंवर में फंसती जा रही है जो दिखाई तो नहीं देता, पर भीतर तक कमजोर कर रहा है। भारत में सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं की संख्या 50 करोड़ पार कर चुकी है—यह दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल समुदायों में से एक है। यह संख्या जितनी विशाल है, उससे कहीं अधिक विशाल है वह दबाव, जो इसने युवाओं के मन पर डाला है। सुबह उठते ही फोन उठाकर रात को आंख बंद होने तक स्क्रीन पर स्क्रोल करते रहने की आदत आज सामान्य लगती है, लेकिन यह सामान्यता ही सबसे बड़ा खतरा बन चुकी है। लाइक-व्यूज के माध्यम से मान्यता पाने की चाह युवाओं को धीरे-धीरे वास्तविक जीवन से काट रही है। सोशल मीडिया का सबसे आकर्षक और सबसे खतरनाक पहलू यह है कि यह एक समानांतर दुनिया रचता है—एक ऐसी दुनिया जहाँ आप अपनी इच्छानुसार छवि गढ़ सकते हैं, अपनी वास्तविकता से अलग व्यक्तित्व प्रदर्शित कर सकते हैं और अपनी जिंदगी को चमकदार फ्रेम्स में पिरो सकते हैं। लेकिन इस दुनिया में स्वीकृति की कीमत बहुत भारी है। कुछ सेकंड का ध्यान पाने के लिए लगातार नए पोस्ट, नई तस्वीरें, नए रील्स और नई अभिव्यक्तियाँ देनी पड़ती हैं। युवाओं में यह दबाव बढ़ रहा है कि यदि उनकी पोस्ट को पर्याप्त लाइक या व्यूज नहीं मिले, तो वे किसी अदृश्य प्रतियोगिता में पिछड़ गए हैं। यह डिजिटल पहचान की एक ऐसी प्रतिस्पर्धा है जिसमें न कोई स्पष्ट लक्ष्य है, न कोई अंत, और न ही कोई वास्तविक विजेता। हर युवा अपनी ही छवि की तुलना दूसरों से करता है। किसी और की मुस्कुराहट, जीवनशैली, शरीर, छुट्टियाँ, करियर, रिश्ते—सब कुछ तुलना का आधार बन जाता है। यह तुलना आत्म-सम्मान को चोट पहुंचाती है और धीरे-धीरे युवा महसूस करने लगते हैं कि वास्तविक जीवन में जितना वे पाते हैं, वह पर्याप्त नहीं है। कई सर्वे बताते हैं कि 18झ34 आयु वर्ग के 59% युवा स्वीकार करते हैं कि सोशल मीडिया उनके मानसिक संतुलन को प्रभावित कर रहा है। इनमें चिंता, तनाव, अनिद्रा, ओवरथिंकिंग, अत्यधिक उत्तेजना और आत्म-संदेह जैसी समस्याएँ तेजी से बढ़ रही हैं। युवाओं के दिमाग में हर समय दो सवाल घूमते रहते हैं—इस पोस्ट पर कितने लाइक आए? लोग मेरे बारे में क्या सोच रहे होंगे? इन सवालों का बोझ इतना बढ़ चुका है कि वास्तविक उपलब्धियाँ भी कई बार डिजिटल प्रतिक्रिया के बिना युवा को अधूरी लगती हैं। आत्मविश्वास की नींव खुद के मूल्य पर नहीं, बल्कि दूसरों की डिजिटल स्वीकृति पर टिकने लगती है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि सोशल मीडिया पर अधिक समय बिताने वाले युवाओं में अवसाद और अकेलेपन की समस्या तेजी से बढ़ी है। बाहर से वे कनेक्टेड दिखते हैं, लेकिन भीतर वे अत्यधिक अलगाव महसूस करते हैं। वास्तविक बातचीत में कमी आने से भावनात्मक अभिव्यक्ति भी कमजोर हो गई है। आज कई परिवारों में यह आम दृश्य है कि भोजन की मेज पर बैठे सभी लोग मोबाइल स्क्रीन में झुके हैं। माता-पिता कभी समझ नहीं पाते कि बच्चे किस पोस्ट को बनाने में इतना वक्त लगा रहे हैं, या क्यों एक तस्वीर को कई बार परफेक्ट एंगल से लेना आवश्यक है। युवा पीढ़ी की भावनाएँ, संवाद शैली और प्राथमिकताएँ तेजी से डिजिटल स्वरूप में बदल रही हैं, जबकि बुजुर्ग अभी भी वास्तविक संवाद और संबंधों को महत्व देते हैं। इस पीढ़ीगत अंतर ने परिवारों को भावनात्मक रूप से दूर कर दिया है। दोस्तों के साथ घूमने जाना अब एक अनुभव नहीं, बल्कि कंटेंट बनाने का अवसर बन गया है। हर जगह पोस्ट करने लायक तस्वीर ढूंढना मानो एक अनिवार्य कार्य बन गया है। रिश्ते धीरे-धीरे वास्तविकता से हटकर प्रदर्शन के माध्यम बन रहे हैं। कई युवा स्वीकार करते हैं कि वे सोशल मीडिया पर दिखने वाले परफेक्ट रिश्तों से प्रभावित होकर अपने संबंधों को लेकर अनावश्यक उम्मीदें पाल लेते हैं, जो बाद में निराशा का कारण बनती हैं। सोशल मीडिया की सबसे बड़ी समस्या है—हमेशा उपलब्ध रहने का दबाव। नोटिफिकेशन की लगातार झंकार, मैसेज का तुरंत जवाब देने की आदत, किसी नए ट्रेंड में पीछे न छूटने का डर, और हर समय अपडेटेड दिखने की चाह युवाओं की मानसिक ऊर्जा को धीरे-धीरे खत्म कर रही है। डिजिटल थकान आज एक वास्तविक समस्या बन चुकी है। कई युवा रात को देर तक नींद नहीं ले पाते क्योंकि उन्हें लगता है कि वे कुछ मिस कर देंगे। दिन में उनकी एकाग्रता भंग रहती है क्योंकि दिमाग हर समय स्क्रीन की ओर खिंचता रहता है। यह चक्र अंतहीन है और जितना समय बढ़ता है, उतनी थकान गहराती जाती है। प्लेटफॉर्म्स का उद्देश्य सरल है—उपयोगकर्ता को जितना अधिक समय स्क्रीन पर रोके रखा जाए, उतना अधिक लाभ। एल्गोरिद्म इस तरह डिजाइन किए जाते हैं कि उपयोगकर्ता स्क्रोल करना बंद ही न करे। वीडियो एक के बाद एक चलते रहते हैं, नोटिफिकेशन लगातार आकर्षित करते रहते हैं और कंटेंट का चयन इस प्रकार किया जाता है कि उपयोगकर्ता को लगे—बस थोड़ा और। इस रणनीति का सबसे अधिक प्रभाव युवा दिमागों पर पड़ता है, जो अभी भावनात्मक और बौद्धिक रूप से परिपक्व हो रहे होते हैं। उन्हें यह समझ नहीं आता कि सोशल मीडिया की यह दुनिया उनके समय, ऊर्जा और आत्मसम्मान को लगातार प्रभावित कर रही है।

प्रसिद्ध विज्ञान संचारक राजेश की उपलब्धि

-संजय गोस्वामी

आज देश को विज्ञान की सही जानकारी हेतु विज्ञान संचार बहुत जरुरी है, विज्ञान संचार को हम यूं समझ सकते है, जैसे कि वैज्ञानिक जानकारियों जहां से पैदा हो रही हैं। वहां से लेकर उन जानकारियों के प्रयोग करने वालों तक पहुंचाना। इसके लिए विभिन्न प्रकार के माध्यम अपनाए जाते हैं। विज्ञान संचार को दो भागों में बांटा जा सकता है। पहला शोधपरक विज्ञान संचार और दूसरा लोकप्रिय विज्ञान संचार। लैब में होने वाले शोधों की जानकारी तकनीकी भाषा में होती है। इसे आम आदमी सुगमता से नहीं समझ सकता। लोकप्रिय विज्ञान संचार में यह परेशानी आती है कि विज्ञान की कठिन बातों को सरल कैसे बनाया जाए और आम लोगों तक पहुंचाया जाए। सबसे बड़ी समस्या यह है कि रिसर्च पेपर की भाषा को आम लोग समझ नहीं पाते और वैज्ञानिक आम जन की भाषा को नहीं समझ पाते। यहीं पर परेशानियां पैदा होती हैं। वास्तव में विज्ञान के जटिल तर्कों को सरल भाषा में जो भी आम लोगों तक पहुंचा देगा वही एक सफल विज्ञान संचारक कहलाएगा। वास्तव में विज्ञान संचार के दो प्रमुख उद्देश्य हैं-विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की जानकारी आम जन तक पहुंचाना और उनमें वैज्ञानिक-तकनीकी दृष्टिकोण का विकास करना। किसी भी व्यक्ति में जब वैज्ञानिक दृष्टिकोण समाहित होने की बात की जाए तो इसका अर्थ यह होगा कि उसमें सोच, आचरण, व्यवहार और निर्णय लेने के स्तरों पर वैज्ञानिकता की छाप अवश्य दिखे।इसी छाप को अखिल भारतीय स्तर पर बनाये रखने के लिए हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद, मुंबई द्वारा पिछले 57 वर्ष से लगातार विज्ञान संचार किया जा रहा जिसमें किसी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष श्री आर के मिश्र का हिंदी विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान के लिए उनके हिंदी विज्ञान में एक नई क्रांति मुंबई के वैज्ञानिकों ने 1968 में भारतीय वैज्ञानिक द्वारा हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद की नींव मुंबई में रखी और 2साल बाद वैज्ञानिक पत्रिका का सतत प्रकाशन हुआ जो आज भी ऑनलाइन माध्यम से चल रही है। अतः राष्ट्रीय अस्तर पर हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद ही एक मात्र ऐसी संस्था बची इसमें परिषद के पूर्व कार्यकारी सचिव श्री राजेश कुमार मिश्र का सबसे अधिक और अहम योगदान रहा जो इतिहास के पन्नों में दर्ज होगा, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक और हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष राजेश कुमार मिश्र , दिनांक 30 . 11. 2025 मे केंद्र से सेवानिवृत्त हो रहे हैं । फिलहाल वे परिषद द्वारा प्रकाशित होने वाली राष्ट्रीय पत्रिका के संपादक मंडल मे हैं इसके पूर्व उन्होंने जून 2022 से सितम्बर 2025 तक वैज्ञानिक पत्रिका के मुख्य संपादक के रूप में सफलतापूर्ण कार्य किया।उनके कार्यकाल में जो अंक प्रकाशित हुए उसमें आजादी के अमृत महोत्सव पर देश में विज्ञान का 75 साल में विकास, टेक्नोलॉजी विशेष अंक, वैज्ञानिक अनुक्रर्म विशेष,विज्ञान संचार विशेष, महान वैज्ञानिक योगदान अंक, व हाल ही में महान वैज्ञानिक परमाणु वैज्ञानिक डॉ आर चिदंबरम जो पूर्व में मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार थे जिनका 1998 में भारत के पोखरण -2 में मुख्य भूमिका रही उनके निधन पर श्रद्धांजलि के रूप में डॉ आर चिदंबरम स्मृति अंक वैज्ञानिकों व विज्ञान पाठकों के लिए बहुत ही शानदार रहा जिसके लिए भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव महोदय ने अंक हेतु अपनी शुभकामना संदेश देकर वैज्ञानिक में नई संजीवनी दि, जो विज्ञान के प्रकाश से जगमगाते रहे।श्री राजेश कुमार मिश्रजी ने विज्ञान संचार हेतु वैज्ञानिक को नवाचार और देश के विज्ञान गतिविधियों को पत्रिका में स्थान देकर देश को विज्ञान संचार के क्षेत्र में अहम योगदान दिया है और लगातार अपनी सेवा निस्वार्थ भाव से देते आ रहें है।इसके पहले वे वह हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद में लगभग 18 सालों या उससे अधिक समय से सक्रिय रूप से जुड़े रहे इसके लिए उन्होंने परिषद द्वारा आयोजित कई राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगोष्ठी में संयोजक के रूप मे महत्वपूर्ण योगदान दिया व हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद द्वारा आयोजित प्रश्न मंच कार्यक्रम मे भी संयोजन मे सफलतापूर्वक काम किया हिंदी विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान हेतु परिषद द्वारा उन्हे हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद स्वर्ण जयंती समारोह, में भारत के महान वैज्ञानिक स्व डॉ चिदंबरम जैसे महान वैज्ञानिक को मंच पर मुख्य अथिति के रूप में बुलाये जाने का पूरा श्रेय जाता है।इसके अलावा वे विज्ञान वार्ता, स्वास्थ्य संगोष्ठी, वैज्ञानिक पत्रिका के व्यवस्थापण मे भी मुख्य भूमिका प्रदान किया गया. उन्होंने विज्ञान अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी, दोनों ही क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दिया है। एक प्रभावी विज्ञान संचारक के नाते जन सामान्य संबंधित विषयों की वैज्ञानिक जानकारी/ज्ञान के संचार तथा लोकप्रियकरण की दिशा में स्वयंसेवी भाव से लगातार कार्य करते रहे हैं और वैज्ञानिक पत्रिका मे संपादक मंडल मे बने रहेंगे। सेवानिवृत्ती के अवसर पर आपको हिंदी विज्ञान में उल्लेखनीय योगदान हेतु अनेक बधाइयां तथा भविष्य के सुखद एवं निरोगी सुदीर्घ पारिवारिक जीवन के लिए शुभकामनाएं !.हिंदी विज्ञान में उनके अहम योगदान हेतु पूरा देश गौरव महसूस करेगा हिंदी विज्ञान के लिए किया गया उनका कार्य निश्चित रूप से सभी को प्रेरणा देगी ।

2030 का कॉमनवेल्थ गेम्स का स्वागत करने को तैयार भारत

- कांतिलाल मांडोत

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी गुजरात की राजधानी अहमदाबाद को मिलना न केवल भारत के लिए गौरव का क्षण है, बल्कि विकसित भारत की दिशा में उठाया गया एक ऐतिहासिक कदम भी है। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स जनरल असेंबली की बैठक के अंत में यह घोषणा आधिकारिक रूप से मुहरबंद हुई, और 26 नवम्बर 2025 को अंतिम सहमति बनने के साथ ही भारत ने विश्व खेल मंच पर एक नया मील का पत्थर स्थापित कर दिया। यह अवसर केवल खेलों का आयोजन नहीं है, बल्कि भारत की युवा ऊर्जा, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, आधुनिक विकास मॉडल और वैश्विक नेतृत्व क्षमता का सामूहिक प्रदर्शन भी होगा। अहमदाबाद, जिसे भारत के सबसे प्रगति ?शील और योजनाबद्ध शहरों में गिना जाता है, अब विश्व खेल संस्कृति का केंद्र बनने जा रहा है। 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स, कॉमनवेल्थ मूवमेंट के 100 वर्ष पूरे होने का उत्सव भी होंगे। इस तरह यह आयोजन केवल खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि अगले सौ वर्षों की नींव रखने वाला ऐतिहासिक क्षण बन जाएगा। भारत के लिए यह जिम्मेदारी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वह ऐसे समय में विश्व मंच पर उभर रही शक्ति के रूप में पहचान बना चुका है।आर्थिक शक्ति, सांस्कृतिक विरासत, तकनीकी नवाचार और खेल प्रतिभा आदि सबका संगम इस आयोजन में उजागर होगा। कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 का अहमदाबाद में होना शहर और राज्य दोनों के विकास की कहानी को एक नई धार देगा। सबसे पहले, शहरी विकास को लेकर अहमदाबाद में अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिलेंगे। आधुनिक खेल अधोसंरचना, विश्वस्तरीय स्टेडियम, अत्याधुनिक परिवहन सुविधाएँ, खिलाड़ियों और पर्यटकों के लिए विशेष आवास व्यवस्था, पर्यावरण-अनुकूल शहरी मॉडल और डिजिटल स्मार्ट व्यवस्थाएँ सब मिलकर अहमदाबाद को एक ग्लोबल स्पोर्ट्स सिटी में बदल देंगी। यह विकास केवल खेलों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि शहर के रोजमर्रा के जीवन में स्थायी बदलाव लाएगा। नई सड़कें, नए कनेक्टिविटी कॉरिडोर, सुरक्षित ट्रैफिक सिस्टम, हरित क्षेत्र और शहरी सौंदर्यीकरण की योजनाएँ शहर को अगले स्तर पर ले जाएँगी। रोजगार के लिहाज से यह आयोजन युवाओं के लिए अवसरों की एक नई दुनिया खोलेगा। निर्माण क्षेत्र, होटल उद्योग, पर्यटन, परिवहन, तकनीकी सेवाएँ, सुरक्षा, स्वास्थ्य, मीडिया, इवेंट मैनेजमेंट और खेल प्रशिक्षण हर क्षेत्र में हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। यह आयोजन गुजरात के युवा कौशल और उद्यमिता को अंतरराष्ट्रीय मंच देगा, जिससे राज्य का आर्थिक परिदृश्य और मजबूत होगा। भारतीय खेल उद्योग, जो पहले से ही तेजी से उभर रहा है, इस आयोजन के माध्यम से और भी सशक्त होगा। पर्यटन में वृद्धि कॉमनवेल्थ गेम्स का सबसे बड़ा प्रभावों में से एक होगा। दुनिया भर से लाखों पर्यटक, खिलाड़ी, अधिकारी, मीडिया प्रतिनिधि और खेल प्रेमी अहमदाबाद का रुख करेंगे। इसके साथ ही, गुजरात की समृद्ध सांस्कृतिक विरास जैसे साबरमती आश्रम, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, कच्छ रण, मोढेरा सूर्य मंदिर, दांडी, पाटन की रानी की वाव, द्वारका और सौराष्ट्र का तटीय सौंदर्य-वैश्विक स्तर पर नई पहचान पाएंगे।

आज का राशिफल

मेष चंद्रमा का प्रबल योग बन रहा है। इस दौरान रात तक कोई खास डील के फाइनल होने के आसार बन रहे हैं।	**तुला** दिन लाभकारक रहने वाला है। कार्य-व्यवहार से जुड़े सभी विवाद आज सुलझ सकते हैं।
वृषभ आज ध्यान नई योजनाओं में लगेगा। किसी देवस्थान की यात्रा से मन को सुकून मिलेगा।	**वृश्चिक** आज का दिन शुभ रहने वाला है। माली हालात को लें तो आज का दिन काफी मजबूत रहेगा।
मिथुन किसी क्रिएटिव और कलात्मक काम को पूरा करने में आप समय बिता सकते हैं।	**धनु** सतर्कता बरतने की जरूरत है। थोड़ा सा जोखिम उठाने से बड़ा लाभ हो सकता है।
कर्क आज का दिन काफी सृजनात्मक रहने वाला है। जो भी काम लगन के साथ करेंगे।	**मकर** दिन सामान्य रहने वाला है। भागीदारी में किया गया व्यापार आपको काफी फायदा पहुंचाएगा।
सिंह दिन काफी व्यस्त रहने वाला है। धर्म-अध्यात्म के मामलों से आपकी रुचि दिखाई दे रही है।	**कुंभ** मौसम परिवर्तन से आपको परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।
कन्या सावधानी बरतनी होगी। आस-पास के लोगों से टकराव की नौबत न आए इस बात का ध्यान रखें।	**मीन** आज का दिन लाभकारी रहेगा। व्यापार में जोखिम उठाने का परिणाम आज हितकर रहेगा।

विशेष

एसआईआर के मुद्दे पर घिरे ज्ञानेश

सुप्रीम कोर्ट की सरपरस्ती मे केंद्रीय चुनाव आयोग बिहार में एसआईआर कराने में सफल हुआ। 65 लाख वोट काटने में भी सफल हो गया। चुनाव आयोग बिना किसी रूकावट के बिहार मे चुनाव कराने में सफल हो गया। इससे उत्साहित होकर ज्ञानेश कुमार ने 12 राज्यों में एसआईआर कराने की घोषणा कर काम शुरू करा दिया। इसी बीच बिहार विधानसभा चुनाव के परिणाम आ गये। चार राज्यों के बीएलओ विरोध में उतर आए हैं।

किसके लिए दहाड़ रहीं ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एसआईआर और संसद में जयहिंद जैसे नारे नहीं लगाए जाने को लेकर केंद्र व भाजपा पर दहाड़ीं हैं। उन्होंने सख्त लहजे में कहा है कि एसआईआर के बहाने यदि मुझ पर हमला हुआ तो मैं देशभर में भाजपा की नींव हिलाकर रख दूंगी। इसी तरह उन्होंने संसद के उच्च सदन में जय हिंद जैसे नारे नहीं लगाने के फैसले पर कहा है कि यह देश के नागरिक का जन्मसिद्ध अधिकार है, इसे कैसे छोड़ा जा सकता है। इस तरह के बयानों के जरिए ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि एसआईआर के नाम पर उन्हें और बंगाल को टारगेट किया जा रहा है। जानकार समर्थक तो यही कह रहे हैं यह राजनीतिक नहीं बल्कि संविधान को बचाने और जनता की भलाई के लिए ममता की दहाड़ है, भाजपा और उनके सहयोगी जो चाहें कहें।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1821: पनामा ने स्पेन से स्वतंत्र होने की घोषणा की। 1885: ब्रिटिश फौजों ने मांडले, बर्मा पर कब्जा किया। 1951: डबलिन व आयरलैंड में सिन फेन पार्टी का गठन हुआ। 1919: लेडी एस्टर ब्रिटिश संसद के लिए प्रथम महिला सदस्य के रूप में चुनी गई। 1922: यूनान के छह पूर्व मंत्रियों को मौत के घाट उतार दिया गया। 1938: इराक ने फ्रांस से संबंध तोड़ लिए। 1942: बोस्टन के रात्रि क्लब में आग से 5 व्यक्ति मारे गए। 1956: चीन के प्रधानमंत्री चाऊएन लाई भारत यात्रा पर आए। 1962: प्रसिद्ध गायक के.सी.डे का निधन। 1987: दक्षिण अफ्रीकी विमान दुर्घटना में 159 व्यक्ति मारे गए। 1989: राजीव गांधी ने चुनाव में पार्टी की हार के बाद प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दिया। 1997: कांग्रेस द्वारा केंद्र की मोर्चा सरकार से समर्थन वापस लिए जाने पर इंद्रकुमार गुजराल सरकार का इस्तीफा ।

दैनिक पंचांग

28 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	धनु	07.48 बजे से
चंद्र	कुंभ में	मकर	09.54 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	कुंभ	11.40 बजे से
बुध	तुला में	मीन	13.13 बजे से
गुरु	कर्क में	मेष	14.43 बजे से
शुक्र	वृश्चिक में	वृष	16.23 बजे से
शनि	मीन में	मिथुन	18.22 बजे से
राहु	कुंभ में	कर्क	20.35 बजे से
केतु	सिंह में	सिंह	22.51 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		कन्या	01.03 बजे से
		तुला	03.14 बजे से
		वृश्चिक	05.28 ब.से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 332 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास मृगशीर्ष **पक्ष** शुक्ल
तिथि अष्टमी 00.16 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** शतभिषा 02.50 बजे रात्र को समाप्त।
योग व्याघात 11.05 बजे को समाप्त।
करण विष्टि 12.29 बजे तदनन्तर बव 00.16 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 7.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 21° 18'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872542
जूलियन दिन 2461007.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उस्सानी **तारीख** 06
विशेष मासिक दुर्गाष्टमी।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23	बजे तक	रोग	05.38 से	07.1	बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51	बजे तक	काल	07.11 से	08.43	बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19	बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15	बजे तक
काल	10.19 से	11.47	बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15	बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19	बजे तक
रोग	01.15 से	02.43	बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10	बजे तक	चर	02.51 से	04.23	बजे तक
चर	04.10 से	05.38	बजे तक	रोग	04.23 से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

दो से अधिक संतान और बकाया कर वाले नहीं लड़ पाएंगे झारखंड में नगर निकाय चुनाव, आयोग ने जारी किए निर्देश

जामताड़ा, एजेंसी। नगर निकाय चुनाव 2025-26 की तैयारियां प्रशासनिक स्तर से तैयारियां से चल रही है। राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव राधे श्याम प्रसाद ने सभी जिले को पत्र भेजकर महापौर, अध्यक्ष और वार्ड सदस्य का चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों के लिए अयोग्यता के कई निर्देश जारी किए हैं। पत्र के अनुसार झारखंड में होने वाले नगर निकाय चुनाव में दो से अधिक संतान वाले चुनाव में उम्मीदवार नहीं बन सकते हैं। इसमें बताया गया है कि जिनकी आखिरी संतान का जन्म 09 फरवरी 2013 के बाद हुआ है, वह चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। राज्य निर्वाचन आयोग ने इसे झारखंड नगरपालिका अधिनियम 2011 के तहत लागू करने का आदेश दिया है। राज्य में सभी नगर निकायों के चुनाव पहली बार एक साथ आयोजित किए जाएंगे, और आयोग ने इसकी तैयारियों को पूरा कर लिया है। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि तीन से अधिक संतान वाले उम्मीदवार के मामले में आयोग की प्रति उपायुक्त को भेजी गई है और उनका पालन सुनिश्चित कराया जाएगा। पत्र में यह भी कहा गया है कि दो से अधिक संतान वाले व्यक्ति केवल तब अयोग्य होंगे, जब उनकी संतानों की संख्या 9 फरवरी 2013 के बाद बढ़ी हो। यदि दो से अधिक संतान उस तिथि तक या उसके पूर्व थी और बाद में इसमें कोई वृद्धि नहीं हुई, तो वह उम्मीदवार चुनाव लड़ सकते हैं। इसके अलावा, गोद ली गई संतान और जुड़वा संतान की संख्या को भी कुल संतान में शामिल किया जाएगा। स्वघोषणा पत्र भरकर अपने नामांकन पत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा। नगर निकाय चुनाव 2026 में बकाया कर, शुल्क या किराया चुकाए बिना कोई भी व्यक्ति नामांकन दाखिल नहीं कर सकेगा। राज्य निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि 09 फरवरी 2013 से पूर्व लंबित राशि पर चक्रवृद्धि ब्याज नहीं लगेगा। लेकिन मूल बकाया और सरल ब्याज का भुगतान अनिवार्य होगा। स्वघोषणा पत्र और सत्यापन के दौरान किसी प्रकार की गड़बड़ी मिलने पर नामांकन रद्द कर दिया जाएगा। उन्हें वर्ष 2024 25 तक कर भुगतान करना होगा।

झारखंड गृह रक्षा वाहिनी के कंपनी कमांडर कैलाश यादव बर्खास्त

रांची, एजेंसी। झारखंड गृह रक्षा वाहिनी के कंपनी कमांडर कैलाश प्रसाद यादव को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। इस संबंध में विभागीय आदेश जारी कर दिया गया है। कैलाश यादव पर षडयंत्र एवं जालसाजी के तहत विभिन्न लोगो को अवैध रूप से होमगार्ड में नामांकित करने का गंभीर मामला सामने आया था। जिसकी जांच के बाद रांची में धुर्वा थाने में 21 सितंबर 2024 को प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। मामला दर्ज होने के बाद कैलाश यादव को निलंबित कर दिया गया था। विभागीय कार्यवाही के दौरान जांच में कैलाश यादव के विरुद्ध लगाए गए आरोप सही पाए गए। अनुसंधान के क्रम में पाया गया कि रांची जिला में गृह रक्षकों की प्रतिनियुक्ति के दौरन उनके द्वारा नामांकन पंजी में छेड़ छाड़ किया गया। फर्जी तरीके से कुछ लोगो को गृह रक्षक के रूप में भर्ती किया गया। गृह रक्षकों को इनके द्वारा कमान निर्गत किय गया और राशि का भुगतान कराया गया। उक्त मामले में विभाग की छवि भी धूमिल हुई। विभागीय अनुसंधान के बाद दो दिन पहले 24 नवंबर को कैलाश प्रसाद यादवको सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। इधर बर्खास्त कंपनी कमांडर कैलाश प्रसाद यादव ने अपने ही विभाग के चार कर्मियों के विरुद्ध 26 नवंबर को 8 लाख रुपए रिश्वत मांगने का आरोप लगाते हुए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। जिनके विरुद्ध एसीबी में शिकायत दर्ज कराई गई है, उनमें स्थापना शाखा प्रभारी निरीक्षक अनुज कुमार, डीआइजी गोपनीय के रीडर सूरज प्रकाश सिंह, रीडर डीजी दीपक पुंज और ओटीडी शाखा के निरीक्षक संजय सिंह शामिल है। इन पर आरोप लगाया है कि इन लोगो ने एक पुराने केस की फाइल फिर से खोलने की धमकी देकर कैलाश यादव से आठ लाख रुपए रिश्वत की मांग की। इन चारों ने कहा कि आप डीआइजी को 3 लाख और डीजी को 5 लाख रूपए देने के लिए दीजिए तब आपके मामले को हम लोग रफा-दफा करा देंगे। अन्यथा आपके विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की जाएगी। इनकी धमकियों और दबाव में आकर कैलाश यादव ने इन्हें अपने फोन पे के जरिए व नगद कई बार रुपए दिए। कैलाश यादव ने यह भी आरोप लगाया है कि जब वे 24 नवंबर को डीजी होमगार्ड से मिलने के लिए गए तो डीजी सेल के रीडर दीपक पुंज ने उन्हें मिलने नहीं दिया। उन्हें कहा गया कि पैसे की व्यवस्था नहीं है इसलिए मिलने मत आईए। इसके बाद कैलाश यादव मानसिक रूप से परेशान हो गए और एसीबी में शिकायत की। इधर जिन चार कर्मियों पर रिश्वत मांगने का आरोप कैलाय यादव ने लगाया है उन्हें डीजी होमगार्ड ने तत्काल प्रभाव से अपने कर्तव्य से वंचित कर दिया है। इन चारों से इस संबंध में स्पष्टीकरण मांगा गया है। इन चारों से स्पष्टीकरण मिलने के बाद इनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

महालेखाकार के ऑडिट में हुआ खुलासा,

रिनपास और हाउसिंग बोर्ड ने 23 सालों से नहीं दिया लेखा-जोखा

रांची, एजेंसी। रांची स्थित महालेखाकार कार्यालय में ऑडिट सप्ताह चल रहा है। बुधवार को प्रधान महालेखाकार (ऑडिट) की अध्यक्षता में स्वायत्त संस्थाओं के साथ समन्वय, वार्षिक खातों की समयबद्ध तैयारी, प्रस्तुति तथा आडिट सुनिश्चित कराने को लेकर बैठक आयोजित की गई।

इसी बैठक में यह गंभीर तथ्य सामने आया कि झारखंड सरकार के अधीन कई स्वायत्त संस्थाओं ने वर्षों से अपने वार्षिक खातों की जानकारी महालेखाकार कार्यालय को उपलब्ध नहीं कराया है।

कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार कांके स्थित रिनपास ने अपनी स्थापना से अब तक वार्षिक खाता प्रस्तुत नहीं किए हैं। झारखंड हाउसिंग बोर्ड ने पिछले 23 वर्षों से अपने खातों की जानकारी साझा नहीं की है।

प्रधान महालेखाकार (ऑडिट) इंदु अग्रवाल ने बताया कि कई महत्वपूर्ण संस्थाओं ने लंबे समय से अपने खाते तैयार नहीं किए, जिससे न केवल ऑडिट प्रक्रिया बाधित होती है बल्कि राज्य की वित्तीय पारदर्शिता पर भी प्रश्नचिह्न लगता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब सभी स्वायत्त संस्थाओं के लिए वार्षिक खाते तैयार करना और महालेखाकार कार्यालय को प्रस्तुत करना अनिवार्य कर दिया गया है।

पीएजी ने कहा कि खातों का ब्योरा नहीं होने से राज्य की वित्तीय व्यवस्था प्रभावित होती है और जवाबदेही सुनिश्चित नहीं हो पाती। उन्होंने बताया कि महालेखाकार कार्यालय में पांच प्रमुख संस्थाओं को बुलाकर खातों की जानकारी, प्रस्तुति और आडिट अनुपालन को लेकर विशेष जानकारी दी जा रही है।

बुधवार की बैठक में स्टेट हाईवे अथारिटी आफ झारखंड, झारखंड स्टेट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी, बाबा बैजनाथ-बासुकीनाथ श्राइन एरिया डेवलपमेंट अथारिटी, झारखंड अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण तथा राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) शामिल हुए।

महालेखाकार कार्यालय ने बताया कि झारखंड में कुल 35 स्वायत्त संस्थाएं पंजीकृत हैं। जिसमें सभी जिलों की डीएमएफटी फंड और 11 अन्य सरकारी स्वायत संस्थाएं शामिल हैं। आने वाले दिनों में सभी संस्थाओं को एक-एक कर बुलाया जाएगा और उन्हें अपने लंबित वार्षिक खातों की तैयारी व प्रस्तुतिकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जाएंगे।

नियमानुसार प्रत्येक वित्तीय वर्ष की समाप्ति के छह माह बाद स्वायत्त संस्थाओं को अपना लेखा-जोखा महालेखाकार कार्यालय को भेजा जाना है। यानी सिंतबर से अक्टूबर तक सभी को आय-ब्यय का ब्योरा देना होता है, ताकि आडिट की जा सके।

आरोप लगाने वाला कंपनी कमांडर बर्खास्त, विभाग की 'दोहरी नीति' पर उठे सवाल

धनबाद, एजेंसी। गृहरक्षा वाहिनी झारखंड में भ्रष्टाचार का मामला सामने आने और पैसों के लेने देने को लेकर उठे विवाद पर विभागीय कार्रवाई शुरू हो गई है। आरोप लगाने वाले कंपनी कमांडर को बर्खास्त कर दिया गया है। आरोपितों को स्पष्टीकरण जारी किया गया है। इसी कार्रवाई को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं।

राज्य भर के होमगार्ड जवानों ने इसे एकतरफा कार्रवाई बताई है तो जवानों से जुड़ा एसोसिएशन इसे विभाग के दो रूपों के तौर पर देख रहा है। एसोसिएशन का मानना है कि आरोप लगाने वाले को बर्खास्त किया गया है तो आरोपितों को केवल स्पष्टीकरण क्यों किया गया।

झारखंड होमगार्ड वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष रवि मुखर्जी ने बताया कि भ्रष्टाचार का आरोप लगाने वाले कंपनी कमांडर कैलाश प्रसाद यादव को बर्खास्त किया गया है। उन पर एक ही आरोप के लिए दो बार कार्रवाई की गई है।

उन्होंने बताया कि पूर्व में कैलाश प्रसाद पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा था। इस मामले में जांच हुई और फिर विभागीय कार्रवाई को समाप्त कर दिया गया। इसके बाद जब कैलाश ने वाहिनी के चार कर्मचारियों पर पैसा लेने का आरोप लगाया तो पुरानी संचिका को आधार बनाकर उन्हें बर्खास्त किया गया है। यह पूरी तरह से गलत है।

आरोपितों को केवल स्पष्टीकरण : मुखर्जी ने कहा कि वाहिनी ने कार्रवाई करने के मामले में भी दोहरी नीति अपनाया है। आरोप लगाने वाले को बर्खास्त किया गया और जो आरोपित हैं उन्हें उनके पद से हटाते हुए स्पष्टीकरण किया गया है। इन सभी चार आरोपितों को भी बर्खास्त किया जाना चाहिए।

राज्य भर में कार्रवाई से रोष : झारखंड गृहरक्षा वाहिनी की तरफ से हुई उपरोक्त कार्रवाई को लेकर पूरे राज्य भर के जवानों में विभाग के प्रति नाराजगी देखी जा रही है। सभी ने मामले को लेकर अपना विरोध जताया है।कोडरमा के कंपनी कमांडर कैलाश प्रसाद यादव ने झारखंड गृहरक्षा वाहिनी के स्थापना शाखा प्रभारी अनुज कुमार, डीआइजी गोपनीय रीडर सूरज प्रकाश सिंह, होमगार्ड डीजी रीडर दीपक पुंज और ओटीडी शाखा प्रभारी संजय सिंह पर पैसों का लेने देने करने का आरोप लगाया था।

प्रधानमंत्री आवास योजना: किसी ने गहना बेचा तो किसी ने लिया लोन, फिर भी नहीं मिल पाया आशियाना

देवघर, एजेंसी। हर एक के पास अपना आशियाना हो, यह हर किसी का सपना होता है। खासकर मध्यम वर्ग के लोगों का। प्रधानमंत्री आवास योजना (साझेदारी में किफायती आवास) ऐसे ही लोगों के सपनों को साकार करने के लिए लाया गया था। पीएम आवास योजना के तहत आवास (फ्लैट) का निर्माण कार्य भी शुरू हो गया।

लाटरी के माध्यम से लाभुकों के बीच आवास भी आवंटित कर दिया गया, लेकिन गृह प्रवेश का सपना साकार नहीं हो सका। वजह पिछले छह सालों से निर्माण कार्य का पूरा नहीं होना। वहीं, दूसरी तरफ आवास प्राप्त करने के लिए लाभुक अपने हिस्से की राशि बैंक से कर्ज लेकर, गहना बेचकर तो कुछ लाभुकों ने पाई-पाई जोड़कर भुगतान इसी उम्मीद के साथ किया कि अब उनका अपना आशियाना होगा, लेकिन हसरतें अधूरी रह गईं।

लाभुकों को झेलनी पड़ रही दोहरी मार: अब तो लाभुकों को दोहरी मार झेलने को विवश होना पड़ रहा है। न तो किराये के मकान से छुटकारा मिलेगा, लेकिन ऐसा न हो सका, जबकि उल्टे अब लाभुकों को बैंक से लिए लोन के एवज में ब्याज भी चुकाना पड़ रहा है और घर का भाड़ा भी।

लाभुक आवास के चक्कर में दोहरी मार झेल रहे हैं। एक तरफ बैंक से लिए लोन के एवज में ब्याज चुकाना पड़ रहा है तो दूसरी तरफ मकान का किराया भी देना पड़ रहा है। लाभुक विभाग का चक्कर काट-काटकर थक चुके हैं, उनका सब्र का बांध भी टूटने लगा है।

विभाग निर्माण कार्य करने वाली एजेंसी जुडको के पाले में गेंद डालकर गहरी नींद में सो गया है। वहीं, जुडको के प्रतिनिधि द्वारा 14 दिसंबर तक गृह प्रवेश कराने का आश्वासन दिया गया है। तो दूसरी तरफ 50 से अधिक लाभुकों ने आवेदन डाक के माध्यम से नगर आयुक्त को भेजा है।

टाटानगर रेलवे स्टेशन पर मेमू ट्रेनों के पहिए थमे, यात्रियों की सांसें अटकीं, 32 लोकल ट्रेनें कैंसिल

जमशेदपुर, एजेंसी। टाटानगर स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर लगी घड़ी की सुइयां तो अपनी रफ्तार से चल रही थीं, लेकिन हजारों यात्रियों का वक्त जैसे थम सा गया था। पटरियों पर बिछी खामोशी किसी अनकही वेदना-सी प्रतीत हो रही थी। जैसे सूखी नदी बादलों की राह ताकती है, ठीक वैसे ही यात्रियों की पथराई आंखें उस सिग्नल के हरे होने का इंतजार कर रही थीं, जो आज लाल ही रहने वाला था।

मंगलवार की सुबह टाटानगर स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ तो थी, लेकिन उस भीड़ में एक अजीब सी बेचैनी थी। मेमू ट्रेनों के अचानक रद होने की खबर किसी वज्रपात की तरह टूटी, जिसने दैनिक यात्रियों के चेहरों पर मायूसी की लकीरें खींच दीं।

दरअसल, चक्रधरपुर रेल मंडल में लोको पायलटों की कमी और बुधवार को होने वाली चीफ लोको इंस्पेक्टर (सीएलआइ) की परीक्षा के चलते रेलवे ने टाटानगर से खुलने और गुजरने वाली कई महत्वपूर्ण मेमू और पैसेंजर ट्रेनों को रद कर दिया है। यह परेशानी सिर्फ आज की नहीं, बल्कि अगले दो दिनों तक ऐसे ही बनी रहेगी। स्टेशन परिसर में बैठे रमेश किस्कू अपने थैले को सीने से लगाए शून्य में ताक रहे थे। चाईबासा जाने के लिए सुबह से बैठे रमेश कहते हैं, साहब, हम तो रोज कमाने-खाने वाले लोग हैं। ट्रेन नहीं चली तो दिहाड़ी गई। अब बस से जाने के पैसे भी नहीं हैं, घर कैसे लौटेंगे, यही चिंता खाए जा रही है।

वहीं, कॉलेज जाने के लिए स्टेशन पहुंची छात्रा सुनिधि कुमारी की आंखों में गुस्सा और बेबसी दोनों साफ झलक रहे थे। उन्होंने कहा, परीक्षा सिर पर है और आए दिन ट्रेनें रद हो जाती हैं। बिना पूर्व सूचना के ऐसा करना हमारे भविष्य के साथ खिलवाड़ है। अब क्लास तो छूटी ही, मानसिक तनाव अलग मिला। रेलवे सूत्रों के मुताबिक, चक्रधरपुर रेल मंडल में लोको पायलटों की भारी कमी है। 26 नवंबर को विभागीय परीक्षा (सीएलआइ परीक्षा) होनी है, जिसमें बड़ी संख्या में लोको पायलट शामिल होंगे।

मैनपावर की इसी कमी को देखते हुए रेलवे ने मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों को सुचारू रखने के लिए मेमू और पैसेंजर ट्रेनों की बलि दे दी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के गृह क्षेत्र बादामपहाड़ और रायरंगपुर जाने वाली ट्रेनें भी रद होने से ग्रामीण क्षेत्रों का संपर्क शहर से पूरी तरह कट गया है।

कोल्हान विवि के दीक्षांत समारोह में शामिल हुए गंगवार

चाईबासा, एजेंसी। झारखंड के राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष गंगवार ने बुधवार को कोल्हान विश्वविद्यालय के छठे दीक्षांत समारोह में स्पष्ट कहा कि राज्य की उच्च शिक्षा व्यवस्था के सामने सबसे बड़ी चुनौती सत्र देरी और शिक्षकों की भारी कमी है। उन्होंने कहा कि उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है कि विश्वविद्यालयों के सत्र नियमित हों, ताकि छात्रों को समय पर डिग्री मिल सके और वे प्रतियोगी परीक्षाओं व नौकरियों में योग्य हो सकें।

राज्यपाल ने कहा कि सत्र लगातार लेट होने से छात्रों को कैरियर में बड़ा नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि समय पर पढ़ाई पूरी हो, समय पर परीक्षा हो और समय पर डिग्री मिले यही हमारी प्राथमिकता है। गंगवार ने यह भी माना कि कॉलेजों में शिक्षकों की भारी कमी एक गंभीर समस्या है। सरकार और राजभवन समाधान खोजने में लगे हैं।

148 गोल्ड मेडल, 79 पीएचडी उपाधियां प्रदान : समारोह में राज्यपाल ने 148 गोल्ड मेडलिस्ट, 4 बेस्ट ग्रेजुएट और 79 पीएचडी उपाधि धारकों को सम्मानित किया। उन्होंने छात्रों से कहा कि विदेश या देश के किसी भी हिस्से में जाएं, झारखंड की संस्कृति, पहचान और सामाजिक मूल्यों को गर्व के साथ आगे ले जाएं।

कौशल तथा नवाचार को नई दिशा दी जा रही : उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र के साथ कौशल तथा नवाचार को नई दिशा दी जा रही है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से भारतीय ज्ञान परंपरा, कौशल और रोजगार आधारित शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है।

राज्यपाल ने उम्मीद जताई कि कोल्हान विवि इस नीति की संकल्पनाओं को सार्थक करने में अग्रणी भूमिका निभाएगा। राज्यपाल ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह केवल उपाधि प्राप्त करने का अवसर नहीं होता, बल्कि जिम्मेदारियों के नए अध्याय की शुरुआत भी है। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। आपकी मेहनत और आपका ईमानदार प्रयास ही आपके चरित्र निर्माण का आधार है।

झारखंड की संस्कृति, मूल्यों और पहचान को आगे बढ़ाएं : उन्होंने आगे कहा कि विद्यार्थी जहां भी जाएं झारखंड की संस्कृति, मूल्यों और पहचान को आगे बढ़ाएं। उन्होंने विद्यार्थियों से वंचित वर्गों के प्रति संवेदनशील रहने की अपील की। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल डिग्री पाना नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और समाज व राष्ट्र के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना है। उन्होंने कहा कि निरंतर सीखने की जिज्ञासा और कौशल निखारने की इच्छा रखने वाले विद्यार्थी ही प्रतिस्पर्धा के इस युग में आगे बढ़ते हैं।

शोध, नवाचार और ज्ञान संस्कृति को मजबूत करें : राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों की जिम्मेदारी है कि वे शोध, नवाचार और ज्ञान संस्कृति को मजबूत करें, ताकि यहां से निकलने वाला हर विद्यार्थी राष्ट्र का गौरव बढ़ा सके। उन्होंने कहा कि आज का युग कौशल, तकनीक और नवाचार का है। युवाओं को केवल नौकरियों की प्रतीक्षा नहीं करनी चाहिए, बल्कि स्वयं अवसर सृजित करने की क्षमता विकसित करनी चाहिए।

स्थानीय उद्यमियों के साथ साझेदारी बढ़ाने पर दिया जोर : झारखंड वन, खनिज, पर्यटन और कृषि आधारित उद्योगों का केंद्र है, जहां अपार संभावनाएं हैं। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय से उद्योगों, अनुसंधान संस्थानों और स्थानीय उद्यमियों के साथ साझेदारी बढ़ाने पर जोर दिया, ताकि विद्यार्थियों को कैंपस सिलेक्शन के अधिक अवसर मिल सकें। शिक्षकों की भूमिका पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र के निर्माता होते हैं। इसलिए शिक्षण कार्य केवल पठन-पाठन तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में भी उनका योगदान अनिवार्य है। समारोह में वर्ष 2021 से 2024 सत्र के गोल्ड मेडलिस्ट छात्रों को गोल्ड मेडल, प्रमाणपत्र और उपाधि प्रदान कर सम्मानित किया गया।

जमशेदपुर के शारदा पांडेय को मिली पीएचडी उपाधि : दीक्षांत समारोह में जमशेदपुर के शारदा शरण पांडेय को भूगोल विषय में पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। उनका शोध विषय पूर्वी सिंहभूम में पर्यावरण प्रदूषण का भौगोलिक अध्ययन रहा। उन्होंने यह शोध करीम सिटी कॉलेज, जमशेदपुर के प्राचार्य डॉ. (मो.) रेयाज के मार्गदर्शन में पूरा किया। पांडेय वर्तमान में देवघर के कोयरीडीह स्थित राजकीयकृत प्लस-2 हाई स्कूल में शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं।

हिमालय की बर्फीली हवाओं ने झारखंड में बढ़ाई ठंड, 10 जिलों का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे, खूंटी-सिमडेगा में कनकनी

रांची, एजेंसी। हिमालय क्षेत्र से आ रही बर्फीली हवाओं ने झारखंड में ठंड बढ़ा दी है। पिछले 24 घंटे में राज्य के कई जिलों में न्यूनतम तापमान में 4 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई। रांची समेत ज्यादातर जिलों में सुबह और रात की कनकनी ने लोगों की दिनचर्या प्रभावित कर दी है। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक 10 जिलों में न्यूनतम पारा 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है। खूंटी सबसे ठंडा जिला रहा, जहां तापमान 3.3 डिग्री गिरकर 6.8 डिग्री सेल्सियस पर रिकॉर्ड किया गया। वहीं सिमडेगा का तापमान 4 डिग्री की गिरावट के साथ 7.2 डिग्री पर आ गया। तेज हवा और गिरते तापमान के कारण लोग शाम ढलते ही घरों में दुबकने को मजबूर हो गए हैं।

28 से बदलेगा मौसम, 30 नवंबर के मैच पर बादल का असर : मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, तमिलनाडु के पास समुद्र क्षेत्र में बना निम्न दबाव झारखंड के मौसम को प्रभावित करेगा। 28 नवंबर से बादल छाए रहने की संभावना है। हालांकि बारिश की आशंका नहीं है, लेकिन ठंड बनी रहेगी। रांची में 30 नवंबर को होने वाले भारत-दक्षिण अफ्रीका वनडे मैच के दौरान भी आसमान में बादल छाए रह सकते हैं।

तापमान में हल्की बढ़ोतरी संभावित है, पर ठंड का असर कम नहीं होगा। रांची के अनुमानित तापमान के अनुसार 27 नवंबर को न्यूनतम 11 डिग्री और अधिकतम 23 डिग्री रहेगा। 28 और 29 नवंबर को अधिकतम 24-25 डिग्री के बीच और न्यूनतम 12-13 डिग्री रहेगा। 30 नवंबर को तापमान इसी स्तर पर बने रहने का अनुमान है।

नेशनल हेल्थ मिशन ने जारी की एडवाइजरी : ठंड बढ़ने और मौसम में उतार-चढ़ाव को देखते हुए नेशनल हेल्थ मिशन ने एडवाइजरी जारी की है। इसमें लोगों को गर्म कपड़े पहनकर ही घर से बाहर निकलने की सलाह दी गई है। पर्याप्त भोजन करके बाहर निकलने, शरीर को गर्म रखने और नियमित रूप से गर्म पानी पीने की हिदायत दी गई है।

शीतलहर के दौरान फ्लू, सर्दी, खांसी और जुकाम के लक्षण दिखने पर नजदीकी स्वास्थ्य कार्यकर्ता या डॉक्टर से तुरंत संपर्क करने को कहा गया है। एडवाइजरी में यह भी स्पष्ट किया गया है कि ठंड से बेहोशी या जुबान लड़खड़ाने जैसे लक्षण दिखाई दें तो बिना देर किए चिकित्सा सहायता लें।

कबाड़ दुकान में लगी आग, लाखों का सामान राख

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग जिले के चौपारण थाना क्षेत्र अंतर्गत चतरा रोड पर स्थित एक कबाड़ दुकान में सुबह अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि कुछ ही मिनटों में पूरी दुकान धधकने लगी और उठती लपटें दूर-दूर तक दिखाई देने लगीं। आसपास के लोगों ने जब धुआं देखा, तो तुरंत मौके पर पहुंचे। देखते ही देखते पूरे इलाके में अफरातफरी का माहौल बन गया।

दुकानदार धीरज ने बताया कि उनकी दुकान के पास प्लास्टिक का एक बड़ा ढेर जल रहा था। उस ढेर से उठी चिनगारी तेज हवा के कारण सीधे उनकी दुकान में जा गिरी। थोड़े ही समय में आग ने पूरे कबाड़ और दुकान में रखे सामान को अपनी चपेट में ले लिया। धीरज का कहना है कि आग इतनी तेजी से फैली कि उसे संभालने का कोई मौका ही नहीं मिला।

लाखों का सामान जलकर खाक : घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोग सक्रिय हो गए। पानी से भरी बाल्टियां, ड्रम और पाइप लेकर लोगों ने आग बुझाने की कोशिशें शुरू कर दीं। उनकी सामूहिक कोशिशों से आग को आसपास की अन्य दुकानों तक फैलने से रोका गया। आग की वजह से धीरज की दुकान के भीतर रखा सारा कबाड़, पुराने मशीन पार्ट्स, इलेक्ट्रिक उपकरण और कई मूल्यवान आइटम जलकर राख हो गए। धीरज के अनुसार, नुकसान लाखों रुपए में है। इसी दुकान पर ही उनके परिवार की आजीविका निर्भर है।

दमकल और पुलिस मौके पर पहुंची, जांच शुरू : घटना की सूचना पर चौपारण थाना पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने आग को पूरी तरह बुझाया और क्षेत्र का निरीक्षण किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के पीछे की सटीक वजह की जांच की जा रही है।

प्रारंभिक जांच में प्लास्टिक जलाने से उठी चिनगारी को आग फैलने की मुख्य वजह माना गया है। पुलिस अब पूरे मामले की पड़ताल में जुटी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि आग पर काबू में करने के लिए राहत दल के देर से पहुंचने से नुकसान अधिक हुआ। दुकान मालिक सहित कई लोगों ने दमकल विभाग की देरी को लेकर नाराजगी व्यक्त की।

क्या होता है डोपामाइन डिटॉक्स

आज के समय में सोशल मीडिया, गेमिंग, शौपिंग जैसी एक्टिविटी से लोग बहुत एडिक्टिव हैं क्योंकि इन एक्टिविटी को करने के बाद आपके दिमाग में हैप्पी हार्मोन रिलीज़ होते हैं। इन हार्मोन के रिलीज़ होने के कारण आपको बार-बार ये एक्टिविटी करने का मन करता है। इन हार्मोन में सबसे मुख्य डोपामाइन हार्मोन है जो आपको अच्छा महसूस करवाता है। पर आज के समय में लोग इस बात से सतर्क हो चुके हैं और अब डोपामाइन डिटॉक्स का ट्रेंड चल रहा है।

डोपामाइन डिटॉक्स क्या होता है

जैसे की आप अपनी बॉडी को डिटॉक्स करने के लिए व्रत रखते हैं वैसे ही आपके दिमाग को डिटॉक्स करने के लिए डोपामाइन से व्रत रखा जाता है। इसका मतलब है कि आप ऐसी कोई भी एडिक्टिव एक्टिविटी न करें जिससे आपका डोपामाइन रिलीज़ हो। इसकी मदद से आप अपनी आदतों को सुधार सकते हैं या अपने लाइफस्टाइल को बदल सकते हैं। इन एक्टिविटी में मीठा न खाना, शौपिंग, गेमिंग, सोशल मीडिया, ड्रग्स या स्ट्रीट फूड न खाने जैसी चीज़ें शामिल हैं। इन सभी एक्टिविटी के कारण आपको अच्छा लगता है लेकिन आपकी हेल्थ, लाइफस्टाइल और फाइनेंस पर प्रभाव पड़ता है। हालांकि डोपामाइन डिटॉक्स कोई साइंटिफिक रिसर्च नहीं है ये टर्म केवल इंटरनेट पर ही प्रचलित है। डोपामाइन डिटॉक्स की मदद से आप सिर्फ अपनी आदतों को सुधार सकते हैं लेकिन दिमाग में बनने वाले केमिकल या हार्मोन डोपामाइन को रोक नहीं सकते हैं। पर इसकी मदद से आप अपनी खुशी के लिए किसी आदत पर निर्भर नहीं होंगे।

कैसे काम करता है डोपामाइन डिटॉक्स

डोपामाइन डिटॉक्स के दौरान, एक व्यक्ति एक निर्धारित अवधि के लिए डोपामाइन ट्रिगर से बचता है वो एक घंटे से लेकर कई दिनों तक हो सकता है। उद्धरण के रूप में अगर आपको मीठा खाना अच्छा लगता है और आपको इससे खुशी मिलती है तो डोपामाइन डिटॉक्स के ज़रिए आप पुरे 1 दिन या कई दिनों तक मीठा खाना छोड़ देंगे। ऐसा करने से आपको किसी भी चीज़ का एडिक्शन कम होगा और आप उस आदत को कंट्रोल कर सकते हैं। रिसर्च के अनुसार हमारे दिमाग में नैचुरली दोपमिनें प्रोड्यूस होता है तो इसको रोकना असंभव है। साथ ही ये आपके लिए ज़रूरी भी है इसलिए आप इसे पूरी तरह से नहीं रोक सकते। उद्धरण के लिए अगर आपने मीठा खाना बंद किया है तो आप किसी और चीज़ को खाना शुरू करेंगे या शुगर फ्री खाने को प्राथमिकता देंगे। लेकिन आप पूरी तरह से उस चीज़ पर कंट्रोल नहीं कर सकते हैं। साथ ही डोपामाइन आपके शरीर के लिए ज़रूरी है इसलिए इस पर पूरी तरह से कंट्रोल करने से आपके दिमाग पर प्रभाव पड़ेगा।

बदल कर खाना चाहिए रिफाइंड तेल

हाल ही में हुए एक शोध में पता चला है कि खाने में अलग-अलग तेलों का उपयोग करने से शरीर में फैट और एंटीऑक्सीडेंट का बेहतर सन्तुलन होता है। दरअसल हर तेल में कुछ गुण और कुछ कमियाँ होती हैं। इन्हें बदलते रहने से कमियों को दूर कर गुणों को बढ़ाया जा सकता है। तेल भारतीय भोजन का जरूरी हिस्सा है, लेकिन सेहत की जब भी बात होती है तो तेल की मात्रा और उसके प्रकारों को लेकर चर्चा जरूर होती है। इसका कारण यह है कि मोटापा, कोलेस्ट्राल, हृदय रोग जैसी बीमारियों के लिए तेल को सबसे ज्यादा जिम्मेदार माना जाता है। इ बीमारियों के अतिरिक्त भी तेल को शरीर की कई अन्य बीमारियों का कारण माना जाता है। सवाल यह उठता है कि आखिर कौन सा तेल खाना चाहिए। कौन सा तेल सेहत के लिए फायदेमन्द है और कौन सा खराब है। इसकी सही मात्रा और तरीका क्या है।

भोजन में तेल की आवश्यकता क्या है

भोजन में तेल की आवश्यकता होती है, क्योंकि यह शरीर की ऊर्जा के लिए जरूरी फैट उपलब्ध कराता है। तेल में फैट की मात्रा काफी होती है। इसमें कई फैट जैसे सैचुरेटेड फैट, मोनोअनसैचुरेटेड फैट और पॉली अनसैचुरेटेड फैटी एसिड शामिल होते हैं। इसके अलावा खाद्य तेलों में कई एंटीऑक्सीडेंट जैसे टोकॉफेरोल्स, ओरीजानोल, कैरोटेनॉइड्स, टोकोट्रिनोल, फाइटोस्टेरोल और माइक्रोन्यूट्रिएंट्स भी शामिल होते हैं। तेल में पाए जाने वाले फैट को शरीर ऊर्जा के लिए इस्तेमाल करता है। शेष अन्य मेटाबॉलिज्म को बेहतर करते हैं।

क्यों नहीं खाना चाहिए भोजन में अधिक तेल

इंसानी शरीर अधिक फैट नहीं पचा सकता। शरीर में फैट जमा होने से बीमारियों का खतरा बढ़ता है। ऐसे में तेल से मिला फैट हमारे शरीर में जमा होने लगता है, जिससे दिल सम्बन्धी बीमारियाँ और ब्लड प्रेशर की समस्या हो सकती है। दरअसल अनसैचुरेटेड फैट से निकला एसिड सीधे खून में मिलकर उसकी ऊर्जा की जरूरतों को बढ़ाता है जबकि सैचुरेटेड फैट वाले तेल से निकला एसिड सीधे हमारे लिवर में जाकर इकट्ठा होता है, जिससे कोलेस्ट्रॉल की मात्रा बढ़ती है।

सरसों, नारियल और तिल का तेल बेहतर

भोजन पकाने के लए कौन–सा तेल बेहतर है इस सवाल के जवाब में यह कहा जा सकता है कि भोजन पकाने के लिए सरसों, नारियल और तिल का तेल बेहतर है। वैसे किसी भी प्रकार के तेल को रिफाइन करने के लिए 6 से 7 केमिकल्स का उपयोग किया जाता है। जब इसे डबल रिफाइन किया जाता है तो केमिकल की संख्या 12 से 14 हो जाती है। ये केमिकल बेहद हानिकारक होते हैं। सनफ्लावर, राइस ब्रान, ग्राउंडनट, सोयाबीन, कुछ ऑलिव ऑइल भी रिफांइड होते हैं। सरसों, नारियल, जैतून और तिल का तेल कोल्ड प्रेस तकनीक से निकाले जाते हैं।

तेल को कितनी आंच में पकाना चाहिए

180 डिग्री से अधिक आंच में पका तेल नुकसानदायक होता है। स्मोकिंग पॉइंट के आधार पर तेलों के दो वर्ग हैं। पहला है–हाई स्मोकिंग पॉइंट यानी जिन्हें 204 डिग्री सेल्सियस तक पका सकते हैं, इनमें एवोकाडो, कैनोला, कॉर्न व मूंगफली का तेल शामिल है। दूसरा है–लो स्मोक पॉइंट, इन्हें 107 डिग्री सेल्सियस तक गर्म कर सकते हैं। इनमें फ्लैक्स सीड्स, पंपिकन सीड्स, वॉलनट्स ऑयल शामिल हैं, लेकिन इनका उपयोग भोजन पकाने के लिए नहीं होता। निष्कर्ष के तौर पर यह कहा जा सकता है कि शरीर तेल से मिले फैट को ज्यादा नहीं पचा पाता, यह शरीर में जमता है, मोटापा और रोग बढ़ाता है।

दूध वाली चाय से ज्यादा शरीर के लिए लाभदायक है ग्रीन टी

भारत में हर किसी को सुबह उठते ही फटाफट चाय की याद आती है। बस एक कप चाय मिल जाए और सारी नींद गायब हो जाए। अब ऐसे में कुछ लोग दूध वाली चाय पीते हैं तो कुछ लोग ग्रीन टी। कोरोना महामारी के बाद से लोगों के बीच ग्रीन टी ज्यादा प्रचलित हो गई है। हालांकि, ग्रीन टी पीने से वजन तेजी से कम होता है। जो लोग फिटनेस के प्रति जागरूक हैं, वे सुबह-शाम ग्रीन टी पीना पसंद करते हैं। वैसे तो चाय कोई भी हो, उसे पीने से मूड एकदम फ्रेश हो जाता है। कुछ लोगों को चाय पीने से काफी ऊर्जा भी मिलती है। अब कुछ लोगों के मन में यह सवाल उठता है कि क्या दोनों तरह की चाय एक साथ पी सकते हैं। आज हम अपने पाठकों को इसी के बारे में जानकारी देने जा रहे हैं। साथ ही हम बताएंगे कि इन दोनों चायों को एक साथ पीने से सेहत को क्या नुकसान होता है।

हाल ही में प्रकाशित हुए एक शोध के मुताबिक, अगर आप इन दोनों चायों को एक साथ पीते हैं तो इससे आपकी सेहत को कोई नुकसान नहीं होता है। यानि आप दूध वाली चाय के बाद ग्रीन टी पी सकते हैं। आप ये दोनों चाय आराम से पियें। लेकिन हर दिन ऐसा करने से आपका पाचन गड़बड़ भी हो सकता है, इसलिए ध्यान रखें कि इनका सेवन थोड़ी देरी से करें।

दो तरह की चाय एक साथ

आपको बता दें, इन दोनों चाय में पर्याप्त मात्रा में कैफीन होता है। साथ ही दोनों में कैफीन का स्तर भी अलग–अलग होता है। इस कारण दोनों चाय का शरीर पर अलग–अलग प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा अगर आपको लैक्टोज सेवन की समस्या है तो आपको दूध वाली चाय पीने से बचना चाहिए। आप हर्बल टी यानि ग्रीन टी पसंद करते हैं। स्वास्थ्य के लिहाज से देखा जाए तो ग्रीन टी ज्यादा फायदेमंद होती है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जिन्हें पीने से मेटाबॉलिज्म अच्छा रहता है। इसलिए आपको दूध वाली चाय से ज्यादा ग्रीन टी का सेवन करना चाहिए।

कड़वे स्वाद के बावजूद स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है करेला

करेला खाने में कड़वा लगता है, इसका जूस पीने में जहरीला सा लगता है। लेकिन यह आपके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। विशेष रूप से करेला डायबिटीज का काल माना जाता है। करेला वैसे काफी लोगों को पसंद नहीं होता लेकिन काफी लोग ऐसे भी हैं, जो करेला खाना बहुत पसंद करते हैं। अगर आप करेले से होने वाले स्वास्थ्य के फायदों के बारे में जानेंगे तो आपको आश्चर्य होगा कि कड़वा होने के बावजूद ये करेला आपकी सेहत को किस तरह से फायदा पहुंचाता है। आज हम अपने पाठकों को करेल का जूस या करेला खाने से होने वाले फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं–

मुंह के छालों में करेला

कई बार मुंह के छालों के इलाज के लिए लोग उल्टे–सीधे उपाय करते हैं। नतीजन मुंह के छाले सही होने के बजाय बिगड़ जाते हैं। कई बार ये कैंसर का भी रूप ले लेता है। लेकिन आपको घबराने की जरूरत नहीं, बल्कि करेले का इस्तेमाल करें। करेले का रस निकालें उसमें मुलतानी मिट्टी मिलाकर इसका पेस्ट बनाएं और इसे छालों पर लगाएं। अगर मुलतानी मिट्टी नहीं है तो भी करेले के रस को छालों पर रूई से लगा सकते हैं। मुंह के छालों पर लगाकर लार बाहर निकालें। अगर करेले की पत्तियां मौजूद नहीं है तो करेले के छिलके का रस निकालकर आप छालों पर लगाएं। आराम मिलेगा।

मोटापा कम करे

डायबिटीज के साथ–साथ करेले का जूस मोटापा कम करने में हेल्प करता है। यह इंसुलिन को एक्टिव करता है जिससे बॉडी में बनने वाला शुगर फैट का रूप नहीं ले पाता है। इससे फैट कम करने और कंट्रोल करने में हेल्प मिलती है। इसके अलावा करेले में कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती हैं जिससे कैलोरी कंट्रोल में रहती है और वजन नहीं बढ़ता है। साथ ही इसे पीने से बॉडी अच्छे से डिटॉक्स होती है और इससे वेट कंट्रोल में रहता है। सिमरन सैनी का कहना है कि करेला का जूस पीने से लिवर पित्त एसिड को स्रावित करने के लिए उत्तेजित करता है जो बॉडी में फैट के चयापचय के लिए आवश्यक हैं।

हार्ट के लिए अच्छा

करेले का जूस ब्लड में बैड कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करके हार्ट अटैक और स्ट्रोक के खतरे को काफी कम कर देता है। यह आयरन और फोलिक एसिड से भरपूर होने के कारण स्ट्रोक के खतरे को कम करने और हार्ट को हेल्दी रखने के लिए जाना जाता है। यह बॉडी के ब्लड प्रेशर को भी बनाए रखता है क्योंकि यह पोटेशियम से भरपूर होता है, जो बॉडी में एक्स्ट्रा सोडियम को अवशोषित करता है।

पथरी रोगियों के लिए अमृत

पथरी रोगियों को दो करेले का रस पीने और करेले की सब्जी खाने से आराम मिलता है। इससे पथरी गलकर धीरे–धीरे बाहर निकल जाती है। 20 ग्राम करेले के रस में शहद मिलाकर पीने से पथरी गल कर पेशाब के रास्ते निकल जाती है। इसके पत्तों के 50 मिलीलीटर रस में हींग मिलाकर पीने से पेशाब खुलकर आता है।

सूखे मेवों में अखरोट है ज्यादा फायदेवाला

खानपान में उन्हीं चीजों को शामिल करें जिनका सबसे ज्यादा फायदा मिलता है। ड्राई फ्रूट अर्थात सूखे मेवे हमारे शरीर के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। इसलिए अक्सर डॉक्टर द्वारा इन्हें खाने की सलाह दी जाती है। आज हम बात करने जा रहे हैं अखरोट की जो एक सुपरफूड हैं और स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होता है।

अखरोट में प्रोटीन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन, फॉस्फोरस, कॉपर, सेलेनियम, ओमेगा–3 फैटी एसिड जैसे कई पोषक तत्व मौजूद रहते हैं। अपने दिन को अच्छे से शुरू करने के लिए आप रोजाना सुबह इसे अपनी डायट में शामिल कर सकते हैं। अगर आप अखरोट को रात भर के लिए भिगो कर अगले दिन खाते हैं तो भी आपको कई बेनिफिट मिलते हैं।

ब्लड शुगर रहेगा कंट्रोल

अगर आप रोजाना इस जादुई ड्राई फ्रूट का सेवन करते हैं तो आपका ब्लड शुगर नियंत्रित रहता है।डाइटरी फाइबर्स में रिच होने के कारण अखरोट ब्लड शुगर लेवल को कण्ट्रोल करने के लिए जाना जाता है।बता दें कि फाइबर को टूटने और पचने में ज्यादा समय लगता है,इसलिए ये ब्लड स्ट्रीम में शुगर की स्पीड को इंश्योर करता है।

मिर्गी से बचाव

अखरोट खाने के फायदे मिर्गी की समस्या को दूर रखने के लिए भी हो सकते हैं। दरअसल, फ्री रेडिकल्स के अधिक उत्पादन से मिर्गी और न्यूरोलॉजिकल जैसे विकारों का जोखिम बढ़ जाता है। इस समस्या को कम करने के लिए एंटीकॉन्वल्सेंट दवाओं का इस्तेमाल किया जाता है। यह दवा मिर्गी के दौरे को कुछ कम कर सकती है।

नींद की परेशानी होगी दूर

गौरतलब है कि मोबाइल फोन के ज्यादा प्रयोग की आदत और दूसरे कारणों से आजकल बहुत से लोगों को नींद न आने की समस्या का सामना करना पड़ता है और आपको ये जानकर आश्चर्य हो सकता है कि ये ड्राई फ्रूट आपको बिस्तर पर पर्याप्त नींद देने में अच्छा है।नींद की परेशानी को दूर करने के लिए आपको अपने डेली की डाइट में अखरोट को शामिल करना चाहिए। बता दें कि इससे आपकी नींद की समस्या खत्म हो जाएगी।

बूस्ट होता है मेटाबॉलिज्म

अखरोट आयरन, पोटैशियम, जिंक और कैल्शियम से भरपूर होता है जो मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने में मदद करता है और वजन कम करने में भी मदद करता है। इसी के साथ फाइबर की मात्रा शरीर को भरा रखती है जिससे आपको बार–बार स्नैकिंग से बचने में मदद मिल सकती है। ऐसे में आपना वजन भी कम होता है।

मस्तिष्क के लिए फायदेमंद

मानव मस्तिषक के आकार का यह फल वाकई आपके मस्तिष्क के लिए बेहद फायदेमंद है। मौजूद ओमेगा 3 मस्तिष्क की समस्याओं को दूर कर तनाव कम करने में भी सहायक है। नियमित रूप से अखरोट को अपनी डाइट में शामिल कर आप मस्तिष्क को स्वास्थ बनाए रख सकते हैं।

कैंसर का खतरा करे कम

अखरोट का सेवन करने से कैंसर से बचाव किया जा सकता है। इससे प्रोस्टेट कैंसर, कोलोरेक्टल कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर जैसी बीमारियों का जोखिम कम हो सकता है। अखरोट में पाई जाने वाली पॉलिफेनॉल इलागिटैनिन्स पाया जाता है जो कैंसर से सुरक्षित रखने में आपकी मदद करता है।

दिल के लिए फायदेमंद

हृदय रोग के खतरे को बहुत हद तक कम करता है। साथ ही याददाश्त के लिए बहुत अच्छा होता है।गौरतलब है कि दुनिया में सबसे ज्यादा लोगों की मौत हृदय रोग के कारण होती है। इसीलिए हृदय को स्वस्थ रखना बहुत जरूरी होता है। अध्ययन में पाया गया है कि अखरोट के सेवन से हृदय रोग का खतरा कम हो सकता है क्योंकि अखरोट का तेल एंडोथेलियल फ़ंक्शन के लिए अधिक अनुकूल होता है।

अक्षय ऊर्जा: जुलाई-सितंबर में बिजली उत्पादन में 4 फीसदी की बढ़ोतरी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की ऊर्जा व्यवस्था में अक्षय स्रोतों का हिस्सा निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण व इंस्टीट्यूट फॉर एनर्जी इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंशियल एनालिसिस के विश्लेषण के अनुसार जुलाई–सितंबर–2025 की तीसरी तिमाही में देश का कुल बिजली उत्पादन 3.6 फीसदी बढ़कर 48,407 करोड़ यूनिट हो गया। इसमें अकेले हाइड्रो, सौर और पवन ऊर्जा के मजबूत प्रदर्शन ने कोयला और परमाणु क्षेत्र में आई गिरावट को संतुलित कर दिया। इस अवधि में कुल स्थापित क्षमता 500.9 गीगावॉट तक पहुंच गई। इसमें से 51.1 फीसदी क्षमता अब गैर–जीवाश्म स्रोतों पर निर्भर है। अच्छे मानसून, जलविद्युत उत्पादन में मजबूती और सौर–पवन क्षमता के विस्तार ने बिजली उत्पादन में ऐतिहासिक उछाल दिया। तीसरी तिमाही में अक्षय ऊर्जा उत्पादन 18.6 फीसदी बढ़ा, जिसने जीवाश्म ईंधन आधारित उत्पादन में 1.6 फीसदी की कमी और परमाणु ऊर्जा में 18.6 फीसदी की गिरावट को कवर कर दिया। इसका मतलब ग्रिड में सस्ती अक्षय बिजली महंगे कोयला और परमाणु आधारित उत्पादन की जगह तेजी से ले रही है। जुलाई– सितंबर में क्षमता विस्तार के मामले में भारत ने अपने इतिहास का सर्वोच्च स्तर दर्ज किया। कोयला आधारित क्षमता में 2,760 मेगावॉट वृद्धि हुई। नई वृद्धि में सौर का हिस्सा सबसे अधिक 69 प्रतिशत रहा। डेवलपर्स ने जुलाई से लागू होने वाले अधिक इंटर–स्टेट ट्रांसमिशन चार्ज से पहले प्रोजेक्ट पूरे किए, जिससे क्षमता में तेजी आई। जनवरी– सितंबर में 38,887 मेगावॉट नई क्षमता जोड़ी गई। 2024 की समान अवधि से 59.4 प्रतिशत अधिक है। क्षमता विस्तार का केंद्र अक्षय ऊर्जा बन चुका है। जुलाई–सितंबर में अक्षय ऊर्जा में निवेश 523 करोड़ डॉलर रहा। पिछली तिमाही से दोगुना है। कुल निवेश 1,800 करोड़ डॉलर रहा।

अनिल अंबानी के इंफ्रा और पावर स्टॉक में लौटी रौनक, लगातार दूसरे दिन तूफानी तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। अनिल अंबानी के मालिकाना हक वाली कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में लगातार दूसरे दिन तूफानी तेजी है। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर गुरुवार को बीएसई में 5 पर्सेंट उछलकर 166.95 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयर बुधवार को भी 5 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 159 रुपये पर बंद हुए थे। इससे पहले, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर लगातार 6 दिन लुढ़के हैं। कंपनी के शेयर मंगलवार 25 नवंबर को 52 हफ्ते के नए निचले स्तर 149.85 रुपये पर जा पहुंचे थे। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 425 रुपये है। 6 महीने में 45 प्रतिशत से ज्यादा लुढ़क गए हैं रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर अनिल अंबानी ग्रुप की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर पिछले 6 महीने में 45 पर्सेंट से अधिक टूट गए हैं। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर 27 मई 2025 को 306.85 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 27 नवंबर 2025 को 166.95 रुपये पर जा पहुंचे हैं।

देश की ग्रोथ को अब रफ्तार दे रहे बीमारू राज्य

लोकलुभावन योजनाओं पर ज्यादा खर्च करने से यह रफ्तार धीमी पड़ सकती है

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत की आर्थिक रफ्तार अब कम आय वाले या उभरते राज्यों की ओर बढ़ रही है। ये राज्य अब तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और अमीर राज्यों के साथ फासला कम कर रहे हैं। एचएसबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक यह ग्रोथ कन्वर्जेंस कोरोना महामारी से पहले के वर्षों (एफवाय13 से एफवाय19) से बिल्कुल अलग है। तब अमीर राज्य ज्यादा तेजी से बढ़ रहे थे। यह कन्वर्जेंस आय बढ़ने की वजह से हो रहा है न कि आबादी कम होने की वजह से। हालांकि, कैश ट्रांसफर जैसी लोकलुभावन योजनाओं पर ज्यादा खर्च करने से यह रफ्तार धीमी पड़ सकती है।

एचएसबीसी की रिपोर्ट के अनुसार इस बात के सबूत हैं कि महामारी के बाद के दौर में कम आय वाले राज्यों का विकास तेजी पकड़ रहा है। अगर यह जारी रहा, तो राष्ट्रीय विकास दर ऊंची बनी रह सकती है।

राज्यों द्वारा पब्लिक कैपिटल एक्सपेंडिचर में की गई भारी बढ़ोतरी ने इस बदलाव को बढ़ावा दिया है। असम, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और बिहार जैसे राज्यों ने ज्यादा पब्लिक कैपेक्स के साथ-साथ अच्छी आर्थिक तरक्की भी दिखाई है। पब्लिक कैपेक्स से इन्फ्रास्ट्रक्चर बेहतर होता है और यह बताता है कि सरकार की नीतियां स्थिर हैं। इससे और ज्यादा प्राइवेट इन्वेस्टमेंट भी आता है। राज्यों की मजबूत आमदनी ने इस नए निवेश चक्र को संभव बनाया है। जब उभरते राज्यों की आमदनी अच्छी होती है, तो वे ज्यादातर कैपेक्स पर ही खर्च करते हैं। महामारी के बाद केंद्र से मिलने वाले ज्यादा फंड ने राज्यों की वित्तीय स्थिति को मजबूत किया और निवेश में मदद की।

बिहार नंबर 1

सबसे ज्यादा तेजी उभरते राज्यों से आ रही है। एफवाय23 से एफवाय25 के बीच, बिहार ने 10.3 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश ने 9.0 प्रतिशत की रियल जीएसडीपी ग्रोथ दर्ज की है, जो भारत की औसत 7.8 प्रतिशत से ज्यादा है। बिहार ने एफवाय25 में एक बड़ा मुकाम हासिल किया, जब जीवीए में इंडस्ट्री का हिस्सा पहली बार एग्रीकल्चर के 22.4 प्रतिशत से बढ़कर 23.2 प्रतिशत हो गया। उत्तर प्रदेश में स्न्नङ्17 से एफवाय25 के बीच इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी जैसे हाई–टेक सामानों और सेवाओं के एक्सपोर्ट में जबरदस्त उछाल देखा गया है। रिपोर्ट इसका श्रेय सोलो–स्वैन ग्रोथ मॉडल को देती है। इसके अनुसार जिन देशों या राज्यों में कैपिटल–लेबर रेशियो कम होता है, वे तेजी से बढ़ते हैं।

50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ स्थायी रूप से लागू रहेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी।
आईएमएफ के स्टाफ की उस धारणा से भारत सरकार असहमत है कि अमेरिका द्वारा हमारे माल निर्यात पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ 'स्थायी रूप से' लागू रहेंगे। इस आधार पर आईएमएफ ने भारत की इस वर्ष की जीएमपी ग्रोथ 6.6 प्रतिशत बताई थी, जबकि 2026-27 के लिए इसका अनुमान घटाकर 6.2 प्रतिशत कर दिया। आईएमएफ ने अगले वर्ष भारत के ग्रोथ में गिरावट का कारण 'अमेरिकी टैरिफ का स्थायी बने रहना' बताया, जिससे विदेशी मांग व निवेश प्रभावित होंगे। हालांकि, भारत ने स्वीकार किया कि टैरिफ का असर निकट भविष्य में संभाला जा सकता है, हालांकि कुछ उद्योग विशेष रूप से प्रभावित होंगे।

अधिकारियों ने कहा कि आईएमएफ द्वारा अमेरिकी टैरिफ

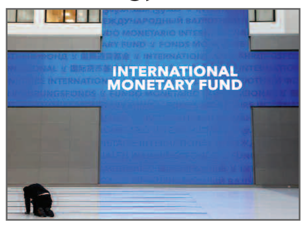

के स्थायी बने रहने की स्थिति अधिक अनावश्यक आशंका पैदा करती है। भारत इस बात में विश्वास रखता है कि निर्यात के लिए अन्य नए बाजार विकसित किए जा सकते हैं, जिससे टैरिफ का असर कम होगा। आईएमएफ ने ट्रेड विवादों की तीव्रता और वैश्विक आर्थिक खंडन को भारत के लिए एक बड़ा जोखिम बताया है, जिससे वित्तीय स्थिति कड़ी हो सकती है, कच्चे माल की कीमतें बढ़ सकती हैं और व्यापारी निवेश कम हो सकता है। इसके बावजूद यदि टैरिफ वर्तमान स्तर पर रहते हैं।

भारतीय रोजाना करते हैं दूध और डेयरी उत्पादों का सेवन, फ्लेवर्ड दूध की मांग तेजी से बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। दस में से सात भारतीय यानी 70 फीसदी लोग नियमित रूप से दूध और डेयरी उत्पादों का सेवन करते हैं। हालांकि लोगों का रुझान अब स्मूदी, प्रोटीन शेक और फ्लेवर्ड किस्मों की ओर बढ़ रहा है। देश के 8 प्रमुख शहरों में किए गए अध्ययन से यह जानकारी सामने आई है। गोदरेज जर्सी के बुधवार को जारी अध्ययन के अनुसार, 2025–26 में 58 प्रतिशत दूध उपभोक्ता केसर या बादाम के दूध जैसी फ्लेवर्ड किस्मों को पसंद किए। 51 प्रतिशत दूध को स्मूदी में मिलाते हैं। अध्ययन में पाया गया कि बचपन की यादों के कारण पारंपरिक सादा दूध अब भी 52 प्रतिशत भारतीयों को पसंद आता है। चाय और कॉफी दूध के सेवन के प्राथमिक साधन बने हुए हैं। 59 प्रतिशत ने कहा कि वे इन पेय पदार्थों के माध्यम से दूध का सेवन करते हैं। शोध से बच्चों के दूध के कम सेवन को लेकर अभिभावकों की चिंता उजागर हुई। सर्वेक्षण में शामिल 64 प्रतिशत अभिभावकों का मानना था कि दूध के कम सेवन के कारण उनके बच्चे का हड्डियों का घनत्व (बोन डेन्सिटी) उनके बचपन की तुलना में कम हो सकता है। लगभग 54 प्रतिशत अभिभावकों का मानना था कि उनके बच्चे का शारीरिक विकास उसी उम्र में उनकी तुलना में धीमा था। बच्चों को दूध पिलाने वाले माता–पिता में से 73 प्रतिशत ने कैल्शियम की जरूरत को प्राथमिक कारण बताया। 62 प्रतिशत ने कहा, वे प्रोटीन और ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने के लिए दूध का सेवन करते हैं। ब्रांडेड दूध ने बाजार में अपना दबदबा बना लिया है। 64 प्रतिशत परिवार ब्रांडेड आधारित दूध खरीदते हैं। 21 प्रतिशत परिवार बिना ब्रांड वाला खुला दूध खरीदते हैं। बादाम या सोया दूध जैसे वनस्पति आधारित विकल्पों का बाजार में लगभग 12 प्रतिशत हिस्सा है। 60 प्रतिशत ने ब्रांडेड दूध चुनने के कारणों के रूप में विश्वसनीय ब्रांड की गुणवत्ता बताया। 48 फीसदी ने कहा, ब्रांडेड दूध में स्वाद मिलता है। यह सुविधाजनक है। 71 फीसदी ने कहा, दूध खरीदी में वे स्वच्छता को प्राथमिकता देते हैं।

सिर्फ 2 लाख से शुरू किया काम

अब 2.2 करोड़ की कमाई, दीवारों से लड़ते लोगों का सहारा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में स्टार्टअप शुरू करने का उत्साह अक्सर जटिल कानूनी और नौकरशाही की कागजी कार्रवाई के सामने फीका पड़ जाता है। रजिस्ट्रेशन, टैक्स फाइलिंग और तमाम तरह के डॉक्यूमेंट्स पहली बार के उद्यमियों के लिए बड़ी दीवार बन जाते हैं। बेंगलुरु के उद्यमी शरत श्यामसुंदर ने इसी चुनौती को एक बड़े अवसर में बदल दिया। अपनी पहली कारोबारी विफलता से सबक लेते हुए शरत ने 2015 में द स्टार्टअप जोन की स्थापना की। इसका मिशन स्टार्टअप कंप्लायंस को सरल और तनाव-मुक्त बनाना था। महज 2-3 लाख रुपये की शुरुआती पूंजी के साथ घर से शुरू हुई उनकी कंपनी ने 5,000 से ज्यादा स्टार्टअप्स की मदद की है। किसी बाहरी फंडिंग के बिना ही वित्त वर्ष 2024-25 में इसने 2.2 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल किया। यह अपने पहले साल में 5 लाख रुपये था। आइए, यहां शरत श्यामसुंदर की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। यह रणनीति सफल रही।

2021 तक द स्टार्टअप जोन टैक्स, कानूनी और अकाउंटिंग विशेषज्ञों को एक ही छत के नीचे लाकर व्यापक कंप्लायंस पार्टनर बन गई।

यह साबित हुआ अहम मोड़: शरत के वेंचर के लिए 2017 में जीएसटी का लागू होना महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। शरत की टीम ने जीएसटी पोर्टल लाइव होने से पहले ही विज्ञापन शुरू कर दिया था। पहले ही दिन उन्हें लगभग 100 कॉल आए और वह भारत के शुरुआती जीएसटी सेवा प्रदाताओं में से एक बन गए। इस आत्मविश्वास और अनुकूलन क्षमता ने व्यवसाय को तेजी से बढ़ाया।

अपने अनुभव से लिया सबक

ज्यादातर नए उद्यमी भारत के जटिल कंप्लायंस सिस्टम से जूझते हैं। बेंगलुरु के शरत श्यामसुंदर ने 2011 में अपने पहले उद्यम द इनविटेशन स्टोर के दौरान इस चुनौती का सामना किया। उन्हें अनावश्यक रूप से सर्विस टैक्स रजिस्ट्रेशन कराने की सलाह दी गई। इससे उनका समय और पैसा बर्बाद हुआ। इस अनुभव ने उन्हें एहसास कराया कि अपर्याप्त जानकारी के कारण छोटे व्यवसायों को फिलूल शुल्क और भ्रम का सामना करना पड़ता है। अपनी पहली कंपनी बंद करने के बाद उन्होंने वकील सर्च और पेयू जैसी कंपनियों में काम किया, जहां उन्होंने कानूनी फाइलिंग और डिजिटल ऑटोमेशन की बारीकियों को समझा। शरत ने देखा कि संस्थापक अपना कीमती समय व्यवसाय बढ़ाने के बजाय कंप्लायंस में बर्बाद कर रहे हैं। 2015 के अंत तक उन्होंने इस कंप्लायंस के जंजाल को हमेशा के लिए आसान बनाने के लिए द स्टार्टअप जोन की नींव रखी।

घर से की काम की शुरुआत

चेन्नई में तीन-चार लोगों की एक छोटी टीम के साथ घर से काम शुरू किया। शुरुआती निवेश केवल 2-3 लाख रुपये था। इसका इस्तेमाल एक बुनियादी वेबसाइट और कुछ सेकंड-हैंड लैपटॉप खरीदने में किया गया। शुरुआत में कंपनी केवल ङ्क्षङ्ग और सर्विस टैक्स रजिस्ट्रेशन जैसी सेवाएं देती थी। धीरे-धीरे हर साल वह नई सेवाएं जोड़ते गए। इनमें कंपनी निगमन, अकाउंटिंग, बौद्धिक संपदा और बाद में फंडिंग संबंधी सहायता शामिल थी।

भारत-यूएई आर्थिक साझेदारी को मिली नई रफ्तार

सीईपीए बैठक में 100 अरब डॉलर व्यापार लक्ष्य पर बनी सहमति

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत और यूएई ने समग्र आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) के तहत तीसरी संयुक्त समिति की बैठक की। वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी है।मंत्रालय के अनुसार, बैठक में दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार में मजबूत वृद्धि का स्वागत किया, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 100.06 अरब डॉलर को पार कर गया। यह 19.6 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है और भारत के प्रमुख व्यापार साझेदारों में यूएई की अहम भूमिका को और मजबूत करता है।

भारतीय पक्ष ने यूएई प्रतिनिधिमंडल को पारदर्शी प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के माध्यम से गोल्ड टीआरक्यू आवंटित करने के अपने हालिया निर्णय के बारे में भी जानकारी दी। दोनों पक्षों ने हाल ही में हुई उच्च-स्तरीय बैठकों की समीक्षा की, जिनमें वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और डॉ. थानी के बीच मुंबई और दुबई में हुई बैठकें भी शामिल हैं।

भारत-यूएई संयुक्त समिति किन विषयों पर करती है चर्चा

बैठक की सह–अध्यक्षता भारत की ओर से वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त सचिव अजय भादू और यूएई की ओर से अंतरराष्ट्रीय व्यापार मामलों के सहायक अवर सचिव जुमा अल कैत ने की। भारत–यूएई संयुक्त समिति सीईपीए की प्रगति की समीक्षा करने के साथ–साथ, चुनौतियों पर चर्चा और समझौते के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए प्रमुख मंच के रूप में कार्य करती है।

बैठक के दौरान इन विषयों पर डाला गया जोर

बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने फार्मास्युटिकल सेक्टर में नियामक सहयोग, सर्टिफिकेट ऑफ ओरिजिन से जुड़े मुद्दों के समाधान, बीआईएस समन्वय, व एपीडा (भारत) और यूएई के पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के बीच खाद्य सुरक्षा और तकनीकी आवश्यकताओं पर एमओयू के शीघ्र हस्ताक्षर सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। मंत्रालय ने बताया कि बैठक सकारात्मक रूप से संपन्न हुई, जिसमें दोनों पक्षों ने व्यापार सुगमता, नियामक सहयोग, डेटा साझा करने को मजबूत करने और सेवाओं से संबंधित उप-समिति की बैठक जल्द बुलाने पर सहमति जताई। यूएई प्रतिनिधिमंडल ने वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल से भी मुलाकात की और दोनों देशों द्वारा सीईपीए के बेहतर उपयोग को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

सोने की कीमत में उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में आई तेजी का असर दिल्ली के सराफा बाजार पर भी दिखा। बुधवार को सोने के दाम करीब दो हफ्तों के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गए। सोने की कीमत 1,200 रुपये बढ़कर 1,30,100 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी। बाजार के जानकारों का मानना है कि यह बढ़ोतरी अगले महीने अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरें घटाए जाने की उम्मीदों के कारण हुई है। 99.5 फीसदी शुद्धता वाले सोने के भाव में भी 1,200 रुपये का उछाल आया। यह 1,29,500 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) पर पहुंच गया। इससे पहले 13 नवंबर को 99.9 फीसदी और 99.5 फीसदी शुद्धता वाले सोने की कीमतें 1,30,900 रुपये और 1,30,300 रुपये प्रति 10 ग्राम थीं। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने बताया, फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरें कम किए जाने की बढ़ती उम्मीदों के बीच बुधवार को सोने की कीमतों में तेजी जारी रही। यह दो हफ्तों के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया। उन्होंने आगे कहा, फेडरल रिजर्व के दो अधिकारियों की हालिया नरम टिप्पणियों और अमेरिका के कमजोर आर्थिक आंकड़ों ने अगले महीने ब्याज दरें घटाए जाने की उम्मीदों को और मजबूत किया है।

ग्रे मार्केट दिखा रहा 95000 का फायदा

100 के करीब पहुंचा एक्साटो टेक्नोलॉजी आईपीओ का जीएमपी

ई दिल्ली, एजेंसी।
क्साटो टेक्नोलॉजी आईपीओ कल यानी 28 वंबर से खुल रहा है। कंपनी का आईपीओ टेल निवेशकों के लिए 2 दिसंबर तक खुला हेगा। आईपीओ खुलने से पहले ग्रे मार्केट में ानदार प्रदर्शन कर रहा है। जीएमपी 100 रुपये करीब पहुंच गया है। बता दें, एक्साटो क्नोलॉजी आईपीओ का साइज 37.45 करोड़ पये का है। कंपनी आईपीओ के जरिए 23 ाख फ्रेश शेयर जारी करेगी। वहीं, ऑफर फार ेल के जरिए कंपनी 5.60 लाख शेयर जारी रेगी।

क्या है प्राइस बैंड: एक्साटो टेक्नोलॉजी ाईपीओ का प्राइस बैंड 133 रुपये से 140 रुपये ति शेयर निर्धारित किया गया है। कंपनी ने 1000 ायरों का एक लॉट बनाया है। एक रिटेल निवेशक ो कम से कम 2000 शेयरों पर एक साथ दांव गाने होंगे। जिसकी वजह से रिटेल निवेशकों को म से कम 2,80,000 रुपये का इंवेस्टमेंट करना ी होगा।

एंकर निवेशकों के लिए एक्साटो टेक्नोलॉजी ाईपीओ 27 नवंबर को खुला था। एंकर निवेशकों ी कंपनी 10.65 करोड़ रुपये जुटाने का प्रयास रेगी।

आईपीओ के लिए जीवाईआर कैपिटल

एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड को लीड मैनेजर नियुक्त किया गया है। केफिन टेक्नोलॉजी लिमिटेड का रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है। वहीं, गिरिराज स्टॉक ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड को मार्केट मेकर बनाया गया है।

क्या है जीएमपी: इंवेस्टर्स गेन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में कंपनी का आईपीओ आज 95 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। जोकि 67.86 प्रतिशत के लिस्टिंग गेन को दर्शाता है। ग्रे मार्केट में यही स्थिति बरकरार रही तो कंपनी का आईपीओ 235 रुपये पर लिस्ट हो सकता है। बता दें, आज का जीएमपी हर 2 लॉट पर 95000 रुपये का फायदा दिखा रहा है। इस आईपीओ को सबसे कम जीएमपी 75 रुपये प्रति शेयर है। वहीं, सबसे अधिक जीएमपी 95 रुपये प्रति शेयर है।

निफ्टी का शानदार प्रदर्शन

1 साल में निफ्टी ने लगाई 2600 अंकों की छलांग

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारतीय शेयर बाजार ने गुरुवार, 27 नवंबर को नए कीर्तिमान स्थापित किए। मजबूत वैश्विक संकेतों के बीच निफ्टी 50 ने 14 महीने के अंतराल के बाद एक नया रिकॉर्ड हाई छुआ और बीएसई सेंसेक्स भी नया ऑल टाइम 86055 को टच किया। वहीं निफ्टी 50 ने 26,310 का नया रिकॉर्ड बनाया, जो सितंबर 2024 में दर्ज अपने पिछले रिकॉर्ड 26,277.35 से ऊपर है।

पिछले एक साल में निफ्टी 50 ने 8 प्रतिशत से अधिक यानी 2000 अंकों से ज्यादा का मजबूत रिटर्न दिया है। वर्ष 2025 की शुरुआत से अब तक, इस सूचकांक में 11 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई है, जिसने 2600 से अधिक अंक जोड़े हैं। यह घरेलू निवेश के मजबूत प्रवाह, कंपनियों की ठोस कमाई और वैश्विक जोखिम लेने की रुझान में सुधार को दर्शाता है।

यह एनबीएफसी स्टॉक पिछले एक

साल में 54 प्रतिशत चढ़ा है और यह बेंचमार्क इंडेक्स में सबसे बड़ा गेनर रहा। आज भी यह 2.90 प्रतिशत चढ़कर 1040.10 रुपये के अपने दिन के उच्चस्तर पर पहुंच गया। यह अक्टूबर 2025 में छुए गए अपने शीर्ष 1,102.45 रुपये से अभी भी लगभग 5 प्रतिशत नीचे है। पिछले 5 वर्षों में इस शेयर ने 112 प्रतिशत का शानदार रिटर्न दिया है। इस ऑटो कंपनी के शेयर में इस अवधि में 45 प्रतिशत की तेजी आई है, जो इसे पिछले एक साल में दूसरा सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला शेयर बनाती है। हालांकि, आज बाजार में तेजी के बावजूद इसके शेयर में 0.6 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। पिछले 5 वर्षों में इस शेयर ने 129 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

ऑयशर मोटर्स

इस स्टॉक ने पिछले एक साल में 44 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की। हालांकि, आज बाजार में तेजी के बावजूद इसमें 2 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। पिछले 5 वर्षों में इस शेयर ने 179 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

श्रीराम फाइनेंस

इस एनबीएफसी के शेयर ने पिछले एक साल में 43 प्रतिशत की बढ़ोतरी की। आज यह 1.35 प्रतिशत चढ़कर 868.85 रुपये के अपने रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुँच गया। पिछले 5 वर्षों में इस शेयर ने 305 प्रतिशत का शानदार रिटर्न दिया है।

इंटरग्लोब एविएशन

इस एविएशन स्टॉक ने पिछले एक साल में 39 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की। हालांकि, आज बाजार में तेजी के बावजूद यह लगभग सपाट रहा और केवल 0.3 प्रतिशत ही चढ़ा। पिछले 5 वर्षों में इस शेयर ने 291 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

फिडे चेस वर्ल्ड कप

जवोखिमीर सिनदारोव ने रचा इतिहास

- सबसे कम उम्र के शतरंज विश्व कप चैंपियन बने

गोवा, एजेंसी। टाईब्रेक में खेले गए रोमांचक मुकाबले में 19 वर्षीय सिनदारोव ने वेई यी की एक गलती का फायदा उठाते हुए अपना पहला विश्व कप खिताब

जीता और इसी के साथ विश्व कप इतिहास के सबसे कम उम्र के चैंपियन भी बन गए। उज्बेकिस्तान के युवा ग्रैंडमास्टर जवोखिमीर सिनदारोव ने इतिहास रचते हुए चीन के वेई यी को फाइनल में हराकर फिडे चेस विश्व कप अपने नाम कर लिया। टाईब्रेक में खेले गए रोमांचक मुकाबले में 19 वर्षीय सिनदारोव ने वेई यी की एक गलती का फायदा उठाते हुए अपना पहला विश्व कप खिताब जीता और इसी के साथ विश्व कप इतिहास के सबसे कम उम्र के चैंपियन भी बन गए।

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए भी किया क्वालिफाई

सिनदारोव की यह जीत इसलिए भी खास है क्योंकि वे इस मेगा इवेंट में 16वीं सीड के रूप में उतरे थे। वह पिछले एक साल में बड़ी चेस प्रतियोगिताओं को जीतने वाले तीसरे किशोर खिलाड़ी बन गए। 2024 में गुकेश ने विश्व चैंपियनशिप जीती थी, जबकि दिव्या देशमुख ने इस साल महिला चेस विश्व कप खिताब अपने नाम किया था। सिनदारोव और वेई यी दोनों ने कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। इनके अलावा रूस के आंद्रे एसिपेंको ने तीसरा और अंतिम स्लॉट हासिल किया।

विमेंस ब्लाइंड टी20 विश्व कप विजेता टीम से मिले राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को ब्लाइंड टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम से नई दिल्ली स्थित 10 जनपथ में मुलाकात की। इस मौके पर राहुल गांधी ने खिलाड़ियों को विश्व कप जीत की बधाई दी। भारत ने रविवार को कोलंबो में खेले गए खिताबी मुकाबले में नेपाल के खिलाफ 7 विकेट से जीत दर्ज की थी। इस मुकाबले में नेपाल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 5 विकेट खोकर

114 रन बनाए। नेपाल की तरफ से सरिता घिमिरे ने सर्वाधिक 35 रन बनाए, जबकि बिमला रानी ने 26 रन की पारी खेली।

इसके जवाब में टीम इंडिया ने 12.1 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। भारत की तरफ से फुला सरेन ने सर्वाधिक 44 रन बनाए, जबकि करुणा ने 42 रन की पारी खेली। इनके अलावा, बसंती हासंदा ने 13 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। भारत ने इस विश्व कप ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, पाकिस्तान, नेपाल और यूएसए को शिकस्त देकर खिताब जीता। सेमीफाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया पर 9 विकेट से जबरदस्त जीत हासिल की थी। इस टूर्नामेंट में टीम इंडिया ने अपने सभी 7 मैच जीते।

भारतीय टीम जब खिताब जीतकर भारत लौटी, तो बेंगलुरु एयरपोर्ट पर टीम का जोरदार स्वागत किया गया। इस मौके पर टीम ने केक काटकर जीत का जश्न मनाया। भारतीय कप्तान दीपिका ने विश्व कप खिताब जीतने पर खुशी जताते हुए कहा था, 'हमें भारत को खिताब जिताकर बेहद खुशी है। पूरी टीम ने एकसाथ मिलकर शानदार प्रदर्शन किया है खिलाड़ियों ने अपनी जिंदगी में काफी मेहनत की है। यह हमारे लिए गर्व का पल है। वहीं, ऑलराउंडर सुषमा पटेल के अनुसार, इस खिताबी जीत ने खिलाड़ियों की जिंदगी बदल दी है। यह सपने के सच होने जैसा है।

अहमदाबाद बनेगा भारत की खेल राजधानी!

सीडब्ल्यूजी 2030 के बाद 2028 और 2031 विश्व एथलेटिक्स की मेजबानी का प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रमंडल खेलों (2030) की मेजबानी हासिल कर चुके अहमदाबाद ने अब 2028 विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप और 2031 विश्व सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए भी दावेदारी पेश की है। राष्ट्रमंडल खेलों (2030) की मेजबानी हासिल कर चुके अहमदाबाद ने अब 2028 विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप और 2031 विश्व सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए भी दावेदारी पेश की है। भारतीय अधिकारियों ने कहा कि गुजरात का यह शहर 2036 ओलंपिक की मेजबानी की अपनी दावेदारी मजबूत करने के लिए लगातार बड़े वैश्विक टूर्नामेंट कराने की दिशा में काम कर रहा है। 'कॉमनवेल्थ स्पोर्ट' की जनरल असेंबली ने हाल ही में अहमदाबाद को 2030 राष्ट्रमंडल खेलों का आधिकारिक मेजबान घोषित किया है। इस घोषणा के बाद गुजरात सरकार ने शहर को खेलों का वैश्विक केंद्र बनाने की अपनी मंशा साफ कर दी है। गुजरात सरकार में प्रधान सचिव (खेल) अश्वनी कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'हम ऐसा ढांचा तैयार कर रहे हैं जिससे अहमदाबाद भारत की खेल राजधानी बन सके। हमारा लक्ष्य विश्वस्तरीय प्रशिक्षण सुविधाएँ तैयार करना, उत्कृष्ट एथलीट तैयार करना और एशियाई, महाद्वीपीय तथा विश्व स्तरीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी करना है।' उन्होंने आगे बताया, 'हम 2028 में विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2031 में विश्व सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप और 2033 में विश्व एक्वेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए प्रस्ताव भेज चुके हैं। इसके अलावा 2029 में हम विश्व पुलिस और फायर गेम्स की मेजबानी करेंगे।'

- भारत की सबसे बड़ी टेस्ट हार पर रविचंद्रन अश्विन का तंज

'गौतम मेरा रिश्तेदार नहीं है'

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को घरेलू मैदान पर टेस्ट इतिहास की अपनी सबसे बड़ी हार (408 रन) झेलनी पड़ी। साउथ अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट में भारत को हराने के साथ ही दो टेस्ट मैच की सीरीज भी 2-0 से अपने नाम की। इस करारी शिकस्त के बाद गौतम गंभीर की कोचिंग को लेकर चौतरफा सवाल खड़े हो गए। गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में उन्हें हूटिंग तक झेलनी पड़ी। ऐसी हार उस टीम के लिए और भी शर्मनाक है, जिसका दशकों तक घरेलू हालात में दबदबा था। टीम इंडिया की घर में रनों के अंतर के लिहाज से सबसे बड़ी हार के बाद से खिलाड़ी और मैनेजमेंट दोनों ही निशाने पर हैं। हेड कोच गौतम गंभीर की भी आलोचना तेज हो गई है। इस बीच, रविचंद्रन अश्विन ने इस मुद्दे पर अपना नजरिया पेश किया। उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर संयम और मिलकर जिम्मेदारी निभाने की अपील की। वरिष्ठ ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने साफ शब्दों में यह संदेश दिया कि हार की पूरी जिम्मेदारी सिर्फ कोच पर डालना गलत है, खिलाड़ियों को भी आत्ममंथन करना होगा। रविचंद्रन अश्विन ने 'आटा होगा तभी रोटी बनेगी' वाला उदाहरण देते हुए कहा, 'गौतम मेरा रिश्तेदार नहीं है।'

कोच खेलने नहीं जा सकता

अश्विन ने कहा, 'हम जिम्मेदारी पूछना चाहते हैं। यह आसान है, क्योंकि इंडियन क्रिकेट में... आप जानते हैं और मैं भी जानता हूं... इसमें बहुत कुछ मिलता है और बहुत पैसा भी लगता है। बहुत से लोग यह काम करने के लिए तैयार हैं और हमेशा ऐसे लोग होंगे जो इसमें हाथ आजमाएंगे, लेकिन सच तो यह है कि कोच बल्ला उठाकर खेलने नहीं जा सकता। वह सिर्फ अपना काम कर सकता है, खिलाड़ियों से बात कर सकता है। बस इतना ही।' अश्विन का मानना है कि कोच और कप्तान

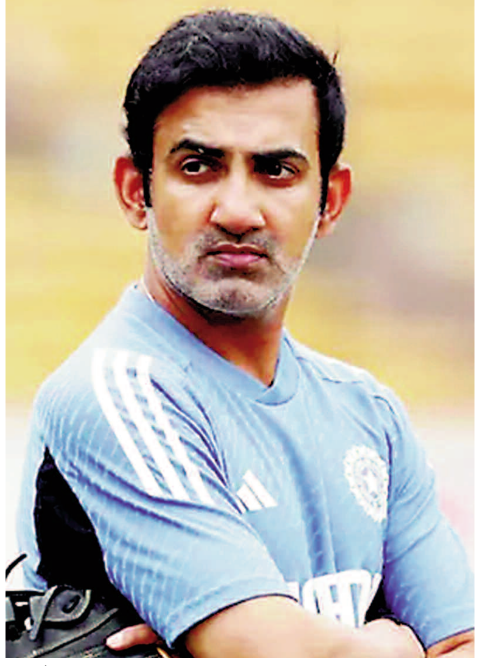

के फैसले लेने की क्षमता में हमेशा सुधार होने की गुंजाइश रहती है, लेकिन उसे लागू करना खिलाड़ियों का काम है। अश्विन ने कहा, 'एक कोच क्या कर सकता है? खुद को कोच की जगह रखकर देखो। आप कह सकते हैं कि खिलाड़ी को निरंतरता चाहिए..., मैं इससे सहमत हूं कि अभी असुरक्षा है और बहुत रोटेशन हुआ है, लेकिन खेलना, परफॉर्म करना और स्किल दिखाना खिलाड़ी की जिम्मेदारी है।'

अश्विन ने जोर देते हुए कहा, 'बतौर खिलाड़ी आपको उस चीज को नियंत्रण करना चाहिए जो आपके कंट्रोल में है। फैसले लेने का काम कोच और कप्तान का होता है। मैंने इतने खिलाड़ियों को इतनी जिम्मेदारी लेते नहीं देखा कि वे कह सकें कि कोच या ङ्ग या ङ्घ में कुछ गड़बड़ है।'

बिना सोचे-समझे प्रतिक्रिया नहीं दें

अश्विन ने एक उदाहरण देते हुए कहा, 'तमिल में हम कहते हैं कि अगर आपके पास आटा है, तभी आप चपाती या रोटी बना सकते हैं। अगर आपके पास आटा नहीं है, तो आप रोटी कैसे बनाएंगे? मैंने खिलाड़ियों की तरफ से इतना नहीं देखा कि यह समझ सकूं कि सिर्फ फैसले लेना ही गलती क्यों है।' रविचंद्रन अश्विन ने बिना सोचे-समझे प्रतिक्रिया देने और व्यक्तिगत हमले करने से भी सावधान किया।

इस भारतीय बल्लेबाज ने 31 गेंद में ठोका तूफानी शतक

12 चौके और 10 छक्के लगाए

नई दिल्ली, एजेंसी। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में गुजरात और सर्विसेज के बीच खेले गए मुकाबले में गुजरात के बल्लेबाज उर्विल पटेल ने सिर्फ 31 गेंदों में तूफानी शतक जड़ा और अपनी टीम को एक शानदार जीत दिलाई. वहीं उर्विल को आईपीएल 2026 के लिए चेन्नई सुपर किंग्स ने रिटेन कर लिया है. जिन्हें फ्रेंचाइजी ने पिछले सीजन के लिए मेगा ऑक्शन में 30 लाख रुपये में खरीदा था. उर्विल का आईपीएल 2026 से पहले शानदार फॉर्म में आना सीएसके के लिए अच्छी खबर है, क्योंकि वे अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं.

उर्विल पटेल ने ठोका तूफानी शतक - इस मुकाबले में सर्विसेज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात को 183 रनों का टारगेट दिया. जवाब में, लक्ष्य का पीछा करते हुए कप्तान उर्विल पटेल ने पहली ही गेंद से विस्फोटक अंदाज में बल्लेबाजी की और इन्हें रोकने में सर्विसेज के गेंदबाज नाकामयाब रहे. उर्विल ने 300 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से सिर्फ 37 गेंदों में नाबाद 119 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली और उन्होंने इस पारी में 12 चौके और 10 छक्के भी लगाए.

गुजरात ने महज 12.3 ओवर में किया चेज - कप्तान उर्विल की विस्फोटक पारी की बदौलत गुजरात ने महज 12.3 में 183 रनों के टारगेट को चेज कर दिया.

सीएसके से रिलीज हुआ यह खिलाड़ी

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में मचाई धूम

36 गेंदों में ठोके नाबाद 76 रन और 6 छक्के

नई दिल्ली, एजेंसी। चैन्नई सुपर किंग्स द्वारा रिलीज किए जाने के बाद राजस्थान के स्टार बल्लेबाज दीपक हूडा ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 के पहले ही दिन अपने जलवे बिखेर दिए। उन्होंने 36 गेंदों में नाबाद 76 रन बनाकर 6 छक्के लगाए और वरुण चक्रवर्ती की कप्तानी में खेल रही तमिलनाडु को 6 विकेट से हरा दिया।

हूडा का धमाकेदार प्रदर्शन

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम बी ग्राउंड में 170 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए, हूडा चौथे ओवर में मैदान में आए और आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने विशेष रूप से लेफ्ट-आर्म स्पिनर आर. साई किशोर और आर. राजकुमार को निशाना बनाया। शुबहम गर्वाल के 32 रन पर आउट होने से उनका उत्साह कम नहीं हुआ। हूडा ने केवल 22 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, जिसमें 4 चौके और 4 छक्के शामिल थे। तीसरे विकेट के लिए महिपाल लोमर के साथ 67 रन की साझेदारी ने राजस्थान को जीत के कगार पर ला दिया। अंत में, कार्तिक शर्मा के साथ मिलकर राजस्थान ने 21 गेंदें बचाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

महिला बिग बैश लीगः सीजन के बाकी मैच नहीं खेलेंगी जेमिमा रोड्रिग्स

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स महिला बिग बैश लीग में सीजन के बाकी मैचों के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगी। उनकी टीम ब्रिस्बेन हीट ने इसकी पुष्टि की है। ब्रिस्बेन हीट ने बताया, 'जेमिमा रोड्रिग्स महिला बिग बैश लीग के बाकी मैचों के लिए ऑस्ट्रेलिया वापस नहीं आएंगी। रोड्रिग्स 10 दिन पहले होबार्ट हरिकेंस के साथ हीट के मैच के बाद मंधाना की शादी में हिस्सा लेने के लिए घर आई थीं, लेकिन उनके पिता के बीमार पड़ने पर इवेंट कैंसिल कर दिया गया। 24 साल की जेमिमा ने परिवार को सपोर्ट करने के लिए भारत में रहने का फैसला किया है। टीम उनके फैसले का सम्मान करती है।' टीम के सीईओ टेरी स्वेनसन ने कहा कि जेमी के लिए यह मुश्किल समय रहा है। दुख की बात है कि वह महिला बिग बैश लीग में आगे हिस्सा नहीं लेंगी, लेकिन हम भारत में रहने की उनकी रिक्वेस्ट मानने को तैयार थे। हीट क्लब साफ तौर पर उन्हें और स्मृति मंधाना के परिवार को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता है। रोड्रिग्स के फैंस में निराशा है। वह इस साल क्लब की टॉप इंटरनेशनल ड्राफ्ट पिक थीं और ब्रिस्बेन के साथ अपने दूसरे स्टिंट में थीं, लेकिन हम उनकी बेहतरी को प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'जेमी ने हमें बताया कि वह वापस न आ पाने से निराश हैं, और उन्होंने क्लब और हीट के फैंस को हालात को समझने के लिए तारीफ की है। वह खिलाड़ियों के टच में हैं और उन्होंने बाकी मैचों के लिए शुभकामनाएं दी हैं।' जेमिमा रोड्रिग्स भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सर्वाधिक प्रतिभाशाली बल्लेबाजों में से एक हैं। विश्व कप 2025 के सेमीफाइनल में खेली गई उनकी 127 रन की पारी को कौन भूल सकता है?

एफआईएच जूनियर वर्ल्ड कप

9 साल बाद घरेलू धरती पर खिताब जीतने उतरेगा भारत

पीआर श्रीजेश की भी होगी परीक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी। एफआईएच जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप में भारतीय टीम शुक्रवार से अपना अभियान शुरू करेगी। चेन्नई और मुदरई में आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट में भारतीय जूनियर हॉकी टीम की नजरें होगीं 9 साल बाद घरेलू सरजमीं पर खिताब का सूखा खत्म करने पर। भारतीय टीम इस टूर्नामेंट के इतिहास में संयुक्त रूप से दूसरी सबसे सफल टीम है। भारत शुक्रवार को पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप के अपने पहले पूल मैच में चिली के खिलाफ उतरेगा। इस मैच में बड़ी जीत दर्ज करके भारतीय टीम अपने अभियान का शानदार आगाज करने की कोशिश करेगी। आपको बता दें कि दो बार के चैंपियन भारत ने पिछली बार 2016 में लखनऊ में वर्तमान में सीनियर महिला टीम के कोच हरेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में यह टूर्नामेंट जीता था। भारतीय टीम 2001 में होबार्ट में और 2016 में लखनऊ में चैंपियन बनी थी। मौजूदा टूर्नामेंट में भारत को पूल बी में रखा गया है और वह इस ग्रुप से आगे बढ़ने का प्रबल दावेदार है। भारत और चिली के अलावा, ओमान और स्विट्जरलैंड पूल बी में शामिल अन्य टीमें हैं।

पाकिस्तान ने वापस लिया था नाम

पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत का दौरा करने से इनकार कर दिया था जिसके बाद उसकी जगह पर ओमान को शामिल किया गया था। 46 साल पहले 1979 में शुरू हुए इस टूर्नामेंट में जर्मनी सबसे सफल टीम है, जिसने सात खिताब जीते हैं। भारत के अलावा अर्जेंटीना ने भी दो बार 2005 और 2021 में जूनियर विश्व कप जीता था।

शहीद विजय सालस्कर पर मूवी बनाएंगी श्रद्धा कपूर

अपनी सादगी से फैंस के दिलों पर राज करने वालीं श्रद्धा कपूर जहां इन दिनों पैर में फ्रैक्चर के कारण घर पर आराम फरमा रही हैं, वहीं उन्होंने एक ऐसा खुलासा किया है, जिसके बाद उनके दीवानों की बांछे खिल गई हैं। स्त्री एक्ट्रेस ने कंफर्म किया है कि उनकी अगली फिल्म कथित बॉयफ्रेंड राहुल मोदी के साथ होगी।

राहुल मोदी एक राइटर और फिल्ममेकर हैं। श्रद्धा बीते दिनों फिल्म ईथा की शूटिंग के दौरान घायल हो गईं। वह लावणी डांस सीक्वेंस शूट कर रही थीं, जबकि उनका पैर फ्रैक्चर हो गया। एक्ट्रेस ने हेल्थ अपडेट भी दिया है। बताया है कि सेहत में सुधार है।

शहीद विजय सालस्कर की बायोपिक करेंगी प्रोड्यूस

श्रद्धा कपूर ने ये भी बताया कि वह बतौर प्रोड्यूसर सुपर फैट स्टूडियो के साथ दो फिल्में को-प्रोड्यूस करने वाली हैं। इनमें से एक फिल्म जाबांज पुलिस अफसर एक पुलिसवाले विजय सालस्कर की कहानी होगी, जो 26/11 हमलों में शहीद हो गए थे। इसे अखिव अली डायरेक्ट करेंगे। विजय सालस्कर ने दगड़ी चॉल में अरुण गवली के गैंग के कई गुंडों का एनकाउंटर किया था।

एक अन्य फिल्म की शूटिंग भी कर ली है पूरी

श्रद्धा कपूर ने एक और खुलासा किया कि उन्होंने एक अन्य फिल्म की शूटिंग भी पूरी कर ली है। उन्होंने कहा, मैंने एक फिल्म की शूटिंग पहले ही कर ली है। इसकी आधिकारिक घोषणा अभी नहीं हुई है, इसलिए मैं इसके बारे में ज्यादा बात नहीं कर सकती। लेकिन जल्द ही इसको लेकर ऐलान होगा।

स्टार्टअप कल्चर पर आधारित होगी श्रद्धा-राहुल की फिल्म

एक्ट्रेस ने आगे बताया कि इस प्रोजेक्ट के बाद वह अपने कथित बॉयफ्रेंड राहुल मोदी की फिल्म कर रही हैं। उन्होंने कहा, उसके बाद मैं राहुल की फिल्म कर रही हूं। उसके बारे में बिंदास बात कर सकती हूं। यह स्टार्टअप की दुनिया की फिल्म है। यह हसल कल्चर यानी बिजनस की दुनिया में मची हलचल और उसकी एनर्जी पर आधारित है। मेरे लिए एकदम नया किस्म का रोल है जो बहुत ज्यादा चैलेंजिंग है।

'जब-जब हमला हुआ, हमें बड़ी ओपनिंग मिली'

बुधवार को कपिल शर्मा की फिल्म 'किस किस को प्यार करूं 2' का ट्रेलर लॉन्च इवेंट मुंबई में हुआ। इस मौके पर कॉमेडियन ने अपने कनाडा वाले कैफ में हुई फायरिंग को लेकर बात की।

कॉमेडियन से एक्टर बने कपिल शर्मा ने फिल्म 'किस किस को प्यार करूं 2' के ट्रेलर लॉन्च पर करियर और पर्सनल लाइफ को लेकर कई बातें साझा की। इस मौके पर उन्होंने कनाडा में कैप्स कैफे पर हुई फायरिंग पर खुलकर बात की। फायरिंग की घटना के बाद कैसे उनका बिजनेस बढ़ गया, इस बात का भी जिक्र किया।

कपिल शर्मा ने कैफे पर हुए हमले का जिक्र किया

कपिल शर्मा ने जुलाई महीने में कैप्स कैफे कनाडा में खोला था। अचानक 10 जुलाई को अनजान लोगों ने उनके कैफे पर फायरिंग की। इसके बाद 7 अगस्त और 16 अक्टूबर को दो और हमले हुए। इन घटनाओं में कोई घायल नहीं हुआ। इन्हीं हमलों के बारे में कपिल से फिल्म के ट्रेलर लॉन्च पर सवाल किया गया।

अविका गौर बनीं 'शादीशुदा पागलू'

सिंदूर-मंगलसूत्र में एक्ट्रेस ने शेयर किया 'नई दुल्हन' का लुक

नवंबर का महीना अपने साथ हवा में हल्की सी ठंड के साथ शादियों की रौनक लेकर आता है। इसका आम इंसान के साथ-साथ मनोरंजन जगत के लोग भी इंतजार करते हैं। इसी बीच अभिनेत्री अविका गौर ने एक पोस्ट शेयर की। बुधवार को अभिनेत्री ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक खूबसूरत तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वे इंडो-वेस्टर्न स्टाइल की ड्रेस पहने नजर आ रही हैं। सबसे खास बात यह है कि उन्होंने इसे सुहागन वाला लुक दिया है। माथे पर लाल सिंदूर, गले में मंगलसूत्र और चेहरे पर हल्का-सा मेकअप, अविका बिल्कुल नई-नवेली दुल्हन लग रही हैं। वो सोफे पर आत्मविश्वास के साथ बैठकर पोज दे रही हैं। तस्वीर पोस्ट कर अविका ने मजेदार अंदाज में लिखा, 'शादी का मौसम आ गया है और एक नई-नवेली दुल्हन होने के नाते मुझे सिंदूर और मंगलसूत्र पहनकर सजने का मौका मिल रहा है। अब मैं आधिकारिक तौर पर 'शादीशुदा पागलू' बन गई हूं। क्या किसी और ने भी यह दौर देखा है? अभिनेत्री की ये पोस्ट फैंस को काफी पसंद आ रही है। वे उनकी तस्वीर पर जमकर प्यार लुटा रहे हैं और कमेंट सेक्शन में तरह-तरह की प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'आप इस लुक में प्यारी लग रही हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड मिलिंद चंदवानी से 'पति-पत्नी और पंगा' शो के सेट पर शादी रचाई थी। 'बालिका वधू' में छोटी आनंदी का किरदार निभाकर घर-घर में पहचान बनाने वाली अविका शादीशुदा जिंदगी को खुलकर एंजॉय कर रही हैं। मिलिंद चंदवानी 'रोडीज' के एक्स-कंटेस्टेंट रह चुके हैं और एक सोशल एक्टिविस्ट भी हैं। दोनों की पहली मुलाकात 2020 में कॉमन फ्रेंड्स के जरिए हुई थी। अविका को तो पहली ही मुलाकात से कनेक्शन महसूस हो गया था, लेकिन मिलिंद ने थोड़ा वक्त लिया। धीरे-धीरे दोस्ती प्यार में बदल गई और कोरोना काल में दोनों ने अपने रिश्ते को एक पोस्ट के जरिए ऑफिशियल किया था।

बिग बॉस 9 में नोरा फतेही को मेन कंटेस्टेंट के तौर पर मिला था ऑफर

इस डर से नहीं ले पाई थीं एंट्री

एक्ट्रेस-डांसर नोरा फतेही ने रियलिटी टीवी शो बिग बॉस 9 में एक कंटेस्टेंट के तौर पर हिस्सा लिया था। यह शो अक्तूबर 2015 से जनवरी 2016 तक एयर हुआ था। उन्होंने शो के 58वें दिन वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर एंट्री की थी। क्या आप जानते हैं कि उस समय उन्हें शुरू में मेन कंटेस्टेंट में से एक के तौर पर शामिल होने के लिए अप्रोच किया गया था? इस बारे में नोरा फतेही ने अपनी बात रखी है। गलतफहमी की वजह से हुआ बातचीत में नोरा फतेही ने बताया बिग बॉस ने शुरू में मुझे मेन कंटेस्टेंट में से एक बनने के लिए अप्रोच किया था। इस पर मैंने उन्हें मना कर दिया था। मुझे लग रहा था कि मैं इस तरह की चीजों के लिए तैयार नहीं हूं। यह गलतफहमी की वजह से हुआ। मुझे लगा कि लोग मुझे नहीं समझ पाएंगे। तब मैं छोटी थी और अपने आपको को समझने की कोशिश कर रही थी। मुझे लगा कि लोग अलग तरह से बर्ताव करेंगे इसलिए मैं मुसीबत में पड़ने के लिए तैयार नहीं थी।

झलक दिखला जा में जाना चाहती थीं नोरा

नोरा ने कहा बताया कि वह शो झलक दिखला जा में जाना चाहती थीं। उन्होंने सोचा कि वह अगर बिग बॉस में जाएंगी तो उन्हें झलक दिखला जा में जाने में मदद मिलेगी इसलिए वह बिग बॉस में गईं। बिग बॉस से बाहर आने के तुरंत बाद उन्हें झलक दिखला जा का कॉन्ट्रैक्ट मिल गया।

वाइल्ड कार्ड के जरिए हुई एंट्री

नोरा ने आगे बताया कि जब मेकर्स ने वाइल्ड कार्ड एंट्री के जरिए उन्हें अप्रोच करने की कोशिश की तो उन्होंने हां कह दी। उन्होंने कहा तो जब वे वाइल्ड कार्ड एंट्री के लिए वापस आए, तो मुझे लगा कि ठीक है, शायद कुछ हफ्ते लगेंगे। मैं ऐसा कर सकती थी। मैं चाहती थी कि मैं दुनिया को बता दूं कि मैं यहां हूं।

शाहरुख की फिल्म 'किंग' में अक्षय ओबेरॉय की हुई एंट्री

शाहरुख खान की आगामी फिल्म किंग की एक-एक अपडेट का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार रहता है। अब फिल्म को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। जानकारी आ रही है कि इस फिल्म में एक और कलाकार का नाम जुड़ गया है। जानिए उस अभिनेता के बारे में। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता अक्षय ओबेरॉय ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि कर दी है कि वह शाहरुख खान की बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म 'किंग' का हिस्सा हैं। आपको बताते चलें कि कई दिनों से चर्चा चल रही थी, अभिनेता इस फिल्म में नजर आने वाले हैं। हालांकि अब इसपर मुहर लगती दिख रही है।

कि स

धर्मेंद्र जी लीजेंड हैं जिन्हें कभी भूला नहीं जा सकता: नीतू चंद्रा

गरम मसाला और 13बी जैसी फिल्मों से बॉलीवुड में पहचान बनाने वाली नीतू चंद्रा अब फिल्म प्रोड्यूसर बन चुकी हैं। एक्ट्रेस बीते काफी समय से अपनी क्षेत्रीय फिल्म 'छठ' को प्रमोट कर रही हैं। उनकी फिल्म 'छठ' को आईएफएफआई में प्रदर्शित किया गया है। अब एनएफडीसी के मंच पर उन्होंने अपनी फिल्म को लेकर खुलकर बात की और अभिनेता धर्मेंद्र देओल के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि ऐसे अभिनेता कभी दुनिया छोड़कर नहीं जाते हैं। दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र देओल को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नीतू चंद्रा काफी इमोशनल नजर आई। उन्होंने कहा, 'धर्मेंद्र जी लीजेंड हैं जिन्हें कभी भूला नहीं जा सकता है। हम लोगों के लिए वे प्रेरणा हैं क्योंकि उनकी फिल्में ही देखकर हम बड़े हुए हैं। ऐसे कलाकार कभी दुनिया को छोड़कर नहीं जाते हैं, बल्कि अपनी फिल्मों और काम से वे हमेशा हमारे बीच रहते हैं, भगवान उनकी आत्मा की शांति दें। भारतीय राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम यानी एनएफडीसी पर बात करते हुए नीतू चंद्रा ने कहा कि एक प्रोड्यूसर के तौर पर मैं कह सकती हूं कि ये ऐसे प्लेटफॉर्म हम जैसे प्रोड्यूसर और डायरेक्टर के लिए बहुत जरूरी हैं, क्योंकि यहां हमारी फिल्मों को पहचान मिलती है। मैं यहां बिहार की एकलौती फिल्म 'छठ' को रिप्रेजेंट कर गर्व महसूस कर रही हूं। उन्होंने आगे कहा कि आईएफएफआई जैसे मंच भारतीय फिल्मों और क्षेत्रीय फिल्मों के बीच महत्वपूर्ण पुल की तरह काम करते हैं। यहां क्षेत्रीय त्योहारों पर बनी फिल्मों को भी तवज्जों दी जाती है, इसके लिए मैं भारत सरकार का धन्यवाद कहती हूं, जो हिंदी सिनेमा के साथ-साथ क्षेत्रीय फिल्मों को भी आगे बढ़ाने का काम कर रही है। अपनी फिल्म 'छठ' पर बात करते हुए नीतू चंद्रा ने बताया कि छठ सिर्फ त्योहार नहीं है, बल्कि ये उत्सव है। अपनी फिल्मों में हमने छठ के उत्सव को परिवार से जोड़कर दिखाया है। फिल्म में चाचा और भतीजे के पारिवारिक विवाद के साथ छठ के महत्व को पर्दे पर दिखाने की कोशिश की है। बता दें कि नीतू चंद्रा के प्रोडक्शन में बनी फिल्म 'छठ' 24 अक्टूबर 2025 को वेव्स ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो चुकी है। फिल्म में निधि चौहान, अलका याग्निक और शारदा सिन्हा के शानदार और इमोशनल कर देने वाले गीत भी शामिल हैं।

नैचुरोपैथी का समर्थन करने के बाद हुई ट्रोलिंग पर सोनाली बेंद्रे ने तोड़ी चुप्पी

सोनाली बेंद्रे कैंसर सर्वाइवर हैं। उन्होने 2018 में इस खतरनाक बीमारी के खिलाफ जंग लड़ी। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने एक सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया कि कैंसर से जंग में नेचुरोपैथ भी उनके लिए काफी मददगार साबित हुई। इसके बाद वे मेडिकल प्रोफेशनल्स के निशाने पर आ गईं। डॉक्टर साइरिएक एबी फिलिप्स ने उनकी कड़ी आलोचना की है। उन्होंने सोनाली की पोस्ट पर सवाल उठाते हुए कहा कि, आपका कैंसर कीमोथेरेपी, रेडिएशन और सर्जरी से ठीक हुआ, ना कि नेचुरोपैथी से। आलोचनाओं और सवाल के बाद सोनाली बेंद्रे ने चुप्पी तोड़ी है और सोशल मीडिया पर एक और पोस्ट शेयर किया है।

सोनाली ने नेचुरोपैथी को लेकर क्या कहा था?

सोनाली बेंद्रे ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किए गए एक पोस्ट में लिखा था, साल 2018 में जब मुझे कैंसर का पता चला तो मेरे नेचुरोपैथ ने मुझे ऑटोफैगी नाम की एक स्टडी के बारे में बताया। इसने मेरी रिकवरी में बहुत बड़ी भूमिका निभाई, इसलिए मैंने इसे पढ़ा, सीखा, प्रयोग किया और धीरे-धीरे इसे अपने रूटीन में शामिल कर लिया। मैं तब से इसे फॉलो कर रही हूं। सोनाली के इस सवाल पर डॉक्टर्स ने सवाल उठा दिए। डॉक्टर साइरिएक एबी फिलिप्स ने एक लंबा-चौड़ा पोस्ट शेयर कर किया। बता दें कि डॉक्टर साइरिएक एबी फिलिप्स भारतीय हेपेटोलॉजिस्ट हैं, जो सोशल मीडिया पर द लिवर डॉक के नाम से जाने जाते हैं।

विरोध के बाद सोनाली ने तोड़ी चुप्पी

विरोध के बाद सोनाली ने अब एक अन्य पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा है, हम सभी का सहमत होना जरूरी नहीं है, लेकिन हमें एक-दूसरे को सिर्फ इसलिए खारिज करने से बचना चाहिए क्योंकि हम अलग-अलग तरीकों की तरफ झुकते हैं। सोनाली लिखती हैं, मैंने कभी डॉक्टर होने का दावा नहीं किया, लेकिन मैं पक्का कोई नीम-हकीम भी नहीं हूं। मैं एक कैंसर सर्वाइवर हूं, जिसने इस बीमारी से होने वाले डर, दर्द, अनिश्चितता और फिर से बनने की प्रक्रिया को झेला है।

शिल्पा ने किया बॉम्बे हाई कोर्ट का रुख

तस्वीरों के गलत तरह से इस्तेमाल से जुड़ा है मामला

पर्सनैलिटी राइट की सुरक्षा के मामले में अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने बॉम्बे हाई कोर्ट का रुख किया है। उनका इल्जाम है कि उनकी तस्वीरें गलत तरह से इस्तेमाल की गईं।

कई कलाकार अपनी पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए कोर्ट पहुंचे हैं। इस कड़ी में शिल्पा शेट्टी का नाम भी सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, शिल्पा शेट्टी ने बॉम्बे हाई कोर्ट में पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए केस दर्ज कराया है।

शिल्पा शेट्टी ने शिकायत की है कि कई वेबसाइट्स उनकी तस्वीरें गैर कानूनी तरीके से इसतेमाल कर रही हैं या कर चुकी हैं।

शिल्पा की वकील का बयान

एक्ट्रेस की कई छेड़छाड़ की गई तस्वीरें और वीडियो भी सामने आए हैं, जिनकी वजह से शिल्पा ने अदालत जाने का फैसला किया। एचटी के मुताबिक, शिल्पा का केस एडवोकेट सना रईस खान ने फाइल किया है। सना ने बताया, 'शिल्पा शेट्टी ने दशकों तक काम करके अपनी रेप्युटेशन बनाई है। कोई भी बिना सहमति के उनके नाम या उनकी इमेज को अपना नहीं सकता। उनकी पहचान का बिना इजाजत के इस्तेमाल उनकी इज्जत और मेहनत से कमाई रेप्युटेशन पर हमला है। हमने गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए बॉम्बे हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

भगवान शिव का किरदार निभाने को लेकर बोले मोहित मलिक

मोहित मलिक ने डोली अरमानों की और कुल्फी कुमार बाजेवाला जैसे टीवी शोज से घर-घर में अपनी पहचान बनाई। वह दो दशक से भी ज्यादा समय से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं। दर्जनों टीवी शोज और वेब सीरीज कर चुके मोहित मलिक किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। इस वक्त वह माइथोलॉजिकल शो महागाथा शिव परिवार की - गणेश कार्तिकेय में काम कर रहे हैं, जिसमें वह भगवान शिव का किरदार निभा रहे हैं। मोहित मलिक ने अपने इस किरदार के अलावा 8 घंटे की शिफ्ट पर छिड़ी बहस पर बात की।

मोहित मलिक पहली बार माइथोलॉजिकल शो में काम कर रहे हैं। वह गाथा शिव परिवार की-गणेश कार्तिकेय में भगवान शिव के रूप में नजर आ रहे हैं। इस शो में काम करने की वजह पर वह कहते हैं, इस शो मेकर्स का नजरिया अलग था। उन्होंने मुझे कंवींस किया कि वह इसका प्रेजेंटेशन वैसे ही करेंगे जैसा उन्होंने मुझे बताया है। फिर इसमें शिव का रूप भी एकदम अलग है। वह उस तरह का टिपिकल नहीं है जैसा लोग अब तक देखते आए हैं। शिव और उनके परिवार को इंसानी रूप में दिखाया गया है। बकौल मोहित, शिव के आशुतोष रूप का प्रभाव मेरे ऊपर सबसे ज्यादा पड़ा है क्योंकि वह बहुत भोला है, दयालु हैं और सबको जल्दी से माफ कर देते हैं। मैं उनसे सबसे ज्यादा कनेक्ट करता हूं।

AI का एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री पर कैसा रहेगा प्रभाव?

मोहित ने इस दौरान मनोरंजन जगत में AI पर भी बात की। जब हमने पूछा कि AI एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री को तरह प्रभावित करेगा? तो मोहित ने कहा, मुझे नहीं लगता है कि कभी पूरी तरहAI से फिल्में और शोज़ बनेंगे। हालांकि यह बहुत अच्छी तकनीक है लेकिन उसे एक सीमित मात्रा में ही इस्तेमाल करना चाहिए। मुझे नहीं लगता कि मैं कभी AI बेस्ड महाभारत देखूंगा क्योंकि मुझे असली परफॉर्मेंस, असली लोग, असली इमोशंस चाहिए। ऑडियंस भी एक्टर से कनेक्ट होती है। इसलिए मुझे नहीं लगता कि कभी पूरे AI बेस्ड शो बनेंगे।

पैसे को लेकर आपका पहला सबक क्या है?

मेरी जिंदगी में पैसा कभी इतना महत्वपूर्ण नहीं रहा। मैं हमेशा से अच्छा काम करना चाहता था। बस इतना था कि मैं अपना घर खरीद लूं और गाड़ी ले लूं। लेकिन अब लगता है कि थोड़ा सा बैलेंस होना चाहिए क्योंकि अब मेरे पास परिवार है। जैसे पहले मैं रोल को तवज्जो देता था और सोचता था कि उसके लिए पैसों से समझौता कर लूंगा।

साभार एजेंसी